CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 225 ता. 03 मार्च 2022, गुरूवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

संक्षिप्त समाचार

जयंत गुरुवार को वाराणसी में अखिलेश, ममता के साथ रैली करेंगे

नोएडा । रालोद प्रमुख जयंत चौधरी गुरुवार को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ उत्तर प्रदेश के वाराणसी में एक संयुक्त चुनावी रैली में शामिल होंगे। यह घोषणा राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) ने बुधवार को सोशल मीडिया पर की। रालोद उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव यादव की सपा के साथ गठबंधन में लड़ रही है और राज्य के पश्चिमी क्षेत्र के लिए उसकी प्रमुख सहयोगी है। रालोद ने कहा कि संयुक्त रैली वाराणसी के हरहुआ प्रखंड के ऐढ़े गांव में दोपहर 12 बजे से होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में 7 मार्च को उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के सातवें और आखिरी चरण के तहत मतदान होना है। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख बनर्जी ने इससे पहले 7-8 फरवरी को लखनऊ में यादव के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन करने के लिए उत्तर प्रदेश का दौरा किया था, जहां उन्होंने सपा को भाजपा के खिलाफ उसी तरह जीत मिलने की भविष्यवाणी की थी, जिस तरह से उनकी पार्टी को पिछले साल पश्चिम बंगाल राज्य चुनावों में मिली थी। बनर्जी ने अपनी पार्टी के चुनावी गान खेला होबे को खेला होगा से बदल दिया था और इस बात पर जोर दिया था कि ''अगर बंगाल ऐसा कर सकता है (भाजपा को हरा सकता है), तो उत्तर प्रदेश भी कर सकता है।'' उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के सात चरणों में हुए मतदान के नतीजे 10 मार्च को घोषित होंगे।

सीएम शिवराज बजट पर 3 मार्च को मंत्रियों के साथ करेंगे मंथन

भोपाल । मध्यप्रदेश के विधानसभा सत्र से पहले बजट को लेकर 3 मार्च को अंतिम मंथन होगा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान अपने मंत्रियों के साथ विभागों की प्राथमिकताओं पर चर्चा करने वाले हैं। बैठक में काशी कान्क्लेव की प्राथमिकताओं पर फोकस किया जाएगा। लगभग ढाई हजार करोड़ का बजट होगा। बजट में ओंकारेश्वर में शंकराचार्य की मूर्ति स्टेच्यू ऑफ वेलनेस के लिए एक हजार करोड़ का प्रावधान होगा है। 200 करोड़ मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के लिए बजट का प्रावधान हो सकता है। महाकाल मंदिर के कायाकल्प के लिए 700 करोड़ का बजट का प्रावधान रहेगा। साथ ही राम वनगमन पथ के लिए 40 करोड़ रुपए का बजट मिल सकता है। जानकारी के अनुसार गो-संवर्धन पर 90 करोड़ की नई योजना लाने की तैयारी है। सरकार बच्चों के लिए चाइल्ड बजट भी पेश करेगी। इसमें बच्चों की सौगातों से जुड़ी योजनाएं रहेंगी। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना में नए प्रावधान हो सकते हैं। बताया जा रहा है कि स्वास्थ्य और चिकित्सा का बजट 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 16500 करोड़ किया जा सकता है। दतिया में पुलिस ट्रेनिंग सेंटर और पुलिस कॉलेज के लिए 30 करोड़ मिलने वाले हैं। भोपाल में पुलिस अस्पताल के लिए 50 करोड़ का बजट मिलेगा। बता दें कि मध्य प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र 7 मार्च से शुरू होगा। बजट सत्र 25 मार्च तक चलेगा। 19 दिनों तक चलने वाले सत्र में 13 बैठकें होंगी। सरकार ने बजट से पहले कई विशेषज्ञों, मंत्री और विधायकों सहित आम लोगों से भी सुझाव आमंत्रित किए हैं। 7 मार्च को राज्यपाल मंगूभाई पटेल का अभिभाषण होगा।

उत्तरप्रदेश में बदली सियासी हवा

मोदी-योगी के क्षेत्र में भी भाजपा को कड़ी चुनौती

लखनऊ ।

उत्तरप्रदेश की सियासी हवा बदली-बदली नजर आ रही है। यूपी का चुनाव जैसे-जैसे अंजाम की ओर बढ़ रहा है, भाजपा की धड़कनें भी तेज होती जा रही हैं। यूपी में भाजपा अब सत्ता के साथ साख बचाने की कवायद में जुट गई है। हालत यह है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के क्षेत्र गोरखपुर और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में भी हवा विपरीत दिशा में बह रही है। अब तक के पांच चरणों के मतदान का रुझान देखने के बाद भाजपा नेताओं के पसीने सारी कहानी कह रहे हैं। 10 मार्च को नतीजे आने के वक्त ऊंट किस करवट बैठेगा, पता नहीं, मगर अभी तो लड़ाई दो दलीय हो गई है। एक तरफ भाजपा है, तो दूसरी तरफ सपा। सात चरणों में हो रहे यूपी विधानसभा चुनाव के छठे चरण का मतदान 3 मार्च को होना है। इसके साथ ही पूरा चुनाव पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी और उससे सटे आठ जिलों में ही सीमित हो जाएगा। वाराणसी समेत आसपास के नौ जिलों में अंतिम चरण का चुनाव सात मार्च को होगा। वाराणसी में मतदान से ठीक पहले पीएम मोदी चार मार्च को वाराणसी आएंगे। इस दौरान वह करीब छह किलोमीटर लंबा रोड शो करेंगे। वाराणसी जिले में आठ विधानसभा सीटें हैं। पिछले चुनाव में भाजपा गठबंधन ने सभी आठ सीटों पर जीत हासिल की थी। छह सीटों पर भाजपा के प्रत्याशी और एक-एक सीट पर ओमप्रकाश की सुभासपा और अनुप्रिया पटेल के अपना दल को जीत मिली थी। इस बार सुभासपा ने समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन किया है। अनुप्रिया की मां कृष्णा पटेल भी सपा के साथ आ गई हैं। ऐसे में सपा-सुभासपा और कृष्णा पटेल वाले अपना दल गठबंधन ने बनारस और उसके आसपास की सीटों पर भाजपा को कड़ी चुनौती दे दी है। यूपी में 300 नहीं बल्कि 202 के लिए सारी कवायद चल रही है। यही जादुई संख्या है।

अंतिम दो चरण में प्रतिद्वंद्वी किसी तरह आगे निकलने की कोशिश कर रहे हैं। मेडिकल कॉलेज, दूसरे नंबर की इकोनॉमी, एक्सप्रेस वे जैसे विकास के मुद्दों के साथ पाकिस्तान को भी भाजपा ने मुद्दा बनाया है। लड़ाई बालाकोट के सर्जिकल स्ट्राइक से लड़ी जा रही है। जब चुनाव का शोर शुरू हुआ था तब राम मंदिर एक बड़ा मुद्दा बना। सांड और गुल्लू के चक्कर में ये मुद्दा भी गौण है। इस चुनाव के बारे में लगातार कहा जा रहा है कि भाजपा ने पिछड़े वर्ग के नेताओं को खो दिया है और धार्मिक आधार पर मतदाताओं को ध्रुवीकृत कर पाने में अभी तक विफल रही है, जिसके परिणामस्वरूप मतदाता अपने-अपने मूल पहचानों की खोल में वापस मुड़ चुके हैं। यह एक सच्चाई है कि धार्मिक ध्रुवीकरण मुस्लिम मतदाताओं को अलग-थलग कर भाजपा को हिंदुत्व की छत्रछाया तले जातीय विभाजनों को खत्म करने में मदद पहुंचाता है। अब जबकि यह रणनीति विफल हो गई है, तो भाजपा उस पैमाने पर प्रचंड बहुमत की कमान नहीं हासिल कर सकती है जैसा कि इसे 2014, 2017 और 2019 के चुनावों में हासिल हुआ था। भाजपा ने संभवतः उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल में अपने पारंपरिक मतदाताओं, भूमिहारों को भी नाराज कर दिया है।

अंतरराष्ट्रीय शिवरात्रि महोत्सव में हथियार लेकर शामिल होने पर पाबंदी

मंडी । अंतरराष्ट्रीय शिवरात्रि महोत्सव में निकाली जाने वाली जलेब में लोग किसी प्रकार के हथियार के साथ शामिल नहीं हो सकते हैं। इस संदर्भ में जिला दंडाधिकारी मंडी अरिंदम चौधरी ने आदेश जारी किए हैं। आदेश के मुताबिक शिवरात्रि महोत्सव-2022 के दौरान जलेब में किसी भी व्यक्ति/संस्था के लाठी, तलवार अथवा अन्य किसी प्रकार के हथियार उठाकर चलने पर पूरी तरह से पाबंदी रहेगी। इसके अलावा जलेब में किसी भी वर्ग के विरोध या समर्थन में नारेबाजी करने पर भी पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।यह आदेश 8 मार्च, 2022 तक लागू रहेगा। मंडी का अंतरराष्ट्रीय शिवरात्रि महोत्सव शुरू हो गया है। 2 मार्च को प्रथम जलेब के बाद मध्य जलेब 5 मार्च को निकाली जाएगी। तीसरी और अंतिम जलेब में 8 मार्च को राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर शामिल होने वाले हैं। वे समापन समारोह में मुख्यातिथि हैं। उपायुक्त चौधरी ने कहा कि पिछली बार की तरह इस बार भी 216 पंजीकृत देवी देवताओं को महोत्सव में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। मंडी आने वाले देवी देवताओं, कारदारों और देवलुओं की सुविधा के लिए सभी आवश्यक प्रबंध कर लिए गए हैं। उन्होंने बताया कि इस बार धाम का आयोजन यू ब्लॉक की बजाय भीमाकाली सभागार में रहेगा। चौधरी ने कहा कि इस बार पड्डल मैदान मंडी शिवरात्रि मेले के अतीत को जीवंत बनाती पुराने फोटो की एक विशेष प्रदर्शनी भी लगाई जा रही है। हमारा प्रयास है, कि देव आस्था का यह महा समागम देव संस्कृति को और मजबूती देने में सहायक हो तथा युवा पीढ़ी का इससे जुड़ाव और गहरा हो। युवा पीढ़ी का इससे जुड़ाव और गहरा हो। युवा पीढ़ी का इससे जुड़ाव और गहरा हो। अंतरराष्ट्रीय शिवरात्रि महोत्सव मंडी का नजारा दुनिया के किसी भी कोने में बैठकर देखा जा सकता है। इस साल भी शिवरात्रि महोत्सव के अवसर पर निकलने वाली तीनों जलेब का इंटरनेट के माध्यम से सीधा प्रसारण होगा।

फ्रांस के राष्ट्रपति से पीएम मोदी ने की बात, दोनों नेताओं में इस बात पर बनी सहमति

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुअल मैक्रों के बीच मंगलवार को टेलीफोन पर बातचीत हुई जो यूक्रेन के खिलाफ 'रूसी आक्रमण पर केंद्रित रही और दोनों नेताओं ने जल्द से जल्द संघर्षविराम के महत्व पर सहमति व्यक्त की। पीएम मोदी और मैक्रों के बीच चर्चा के एक दिन बाद भारत में फ्रांस के दूतावास ने अपने बयान में यह बात कही। बयान के अनुसार, दोनों नेताओं ने निर्बाध मानवीय सहायता तक पहुंच सुनिश्चित करने के महत्व को रेखांकित किया और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सहित सभी मंचों पर संकट को लेकर करीबी समन्वय बनाये रखने पर सहमति व्यक्त की। दोनों नेताओं की बातचीत के दौरान यूक्रेन के खारकीव शहर में गोलाबारी में एक भारतीय छात्र की दुखद मौत का विषय भी उठा। इसमें कहा गया कि बातचीत यूक्रेन के खिलाफ रूसी आक्रमण पर केंद्रित रही, खासतौर पर नागरिक आबादी पर इसके पड़ने वाले प्रभाव को लेकर...वह भी ऐसे समय में जब गोलाबारी के परिणामस्वरूप खारकीव में एक युवा भारतीय नागरिक की दुखद मौत हो गई। मैक्रों यूरोपीय संघ के उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हैं जो यूक्रेन संकट के समाधान के लिये कूटनीतिक प्रयासों में जुटे हैं। फ्रांस के दूतावास ने कहा कि फ्रांस के राष्ट्रपति और भारत के प्रधानमंत्री ने जल्द से जल्द संघर्षविराम करने के महत्व तथा निर्बाध मानवीय सहायता तक पहुंच को लेकर, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सहित सभी मंचों पर करीबी समन्वय सुनिश्चित करने पर

सहमति व्यक्त की है। वहीं भारत सरकार के बयान में कहा गया कि इससे बिगड़ती मानवीय स्थिति पर चिंता प्रकट की तथा युद्ध के अंत और वार्ता व कूटनीति की ओर लौटने की भारत की अपील दोहराई। दोनों नेताओं ने यूक्रेन में जारी युद्ध व इससे बिगड़ती मानवीय स्थिति पर चिंता प्रकट की तथा युद्ध के अंत और वार्ता व कूटनीति की ओर लौटने की भारत की अपील दोहराई।

इसमें कहा गया कि चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि भारत मानता है कि अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र चार्टर और सभी देशों की क्षेत्रीय एकता व अखंडता के प्रति सम्मान समकालीन विश्व व्यवस्था को मजबूती देता है।

यूपी में सातवें चरण के लिए पूर्वांचल में सभी दलों ने झोंकी ताकत

लखनऊ। यूपी विधानसभा चुनाव आखिरी दौर में पहुंच चुका है। छठे चरण की विधानसभा सीटों पर चुनाव प्रचार थमने के बाद भाजपा, कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और बसपा ने सातवें चरण के मतदान वाले क्षेत्रों में अपनी ताकत झोंक दी है। उत्तर प्रदेश की सत्ता पर कब्जा करने के लिए सभी दल आखिरी चुनावी रण में कूद गए हैं। इसी क्क्रम में भाजपा के स्टार प्रचारक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, सीएम योगी आदित्यनाथ और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सातवें चरण के मतदान वाले क्षेत्रों को मथेंगे। प्रियंका गांधी और छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल भी सातवें चरण के चुनाव प्रचार को धार देंगे। इसी चरण में पीएम नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में भी मतदान होगा। पिछली बार सभी 8 सीटों पर बीजेपी और उसके सहयोगी दलों ने जीत दर्ज की थी। इस बार विपक्ष की घेराबंदी के बीच सफलता को दोहराना एक बड़ी चुनौती है।

आर्यन खान के खलिाफ एनसीबी की एसआईटी को नहीं मिला सबू

नई दिल्ली। नार्कोटक्सि कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की वशिेष जांच समति (एसआईटी) की 4 महीनों की जांच में सामने आया है कि आर्यन खान का किसी भी इंटरनेशनल ड्रग ट्रैफिकगि सडिीकेट से या ड्रग से जुड़े कसिी बड़े मामले से जुड़े होने के कोई सबूत नहीं है। साथ ही इस जांच में सामने आया है कि जसि क्रूज पार्टी से आर्यन खान को गरिफ्तार किया गया था, उस रेड के दौरान भी कई अनयिमतिताएं सामने आई हैं। एक अखबार ने अधिकारयिों के हवाले से ये एक्सक्लूसवि खबर प्रकाशति की है एसआईटी कमेटी की जांच में कई ऐसी बातें सामने आई हैं जो मुंबई एनसीबी के आरोपों से पूरी तरह उलट है। एसआईटी की जांच में सामने आया है कि आर्यन खान ड्रग्स खरीदने से कभी जुड़ा नहीं था, ऐसे में उसका फोन जब्त करने या उसकी चैट की जांच करने की कोई जरूरत नहीं थी। इन चैट्स में कहीं सामने नहीं आता कि आर्यन कसिी भी तरह से कसिी इंटरनेशनल गरिोह का हस्सिा है। वहीं इस जांच के बारे में इस रपिोर्ट में कहा गया है कि इस रेड को वीडियो में रकिॉर्ड नहीं किया गया था, जो एनसीबी की नयिमावली के अनुसार जरूरी है। साथ ही ड्रग्स मामले में गिरफ्तार किए गए कई आरोपियों के पास से बरामद नशीली दवाओं को एकल बरामदगी के रूप में दिखाया गया है। एनसीबी की जांच अभी पूरी नहीं हुई है।

यूक्रेन से लौटे छात्रों ने कहा, यूक्रेनी सेना भारतीयों के साथ बुरा व्यवहार कर रही

नई दिल्ली ।

रूस और यूक्रेन के बीच जंग जारी है। रूसी सेना आक्रामक रूप से यूक्रेनियों पर भारी पड़ रही हैं, वहीं दूसरी और युद्ध में आम जनता की जान पर बन आई हैं। अभी तक युद्ध में 400 से ज्यादा आम नागरिकों की जान जा चुकी है। वहीं दूसरी और भारत के लिए भी यह काफी मुश्किल समय है। भारत के बहुत से नागरिक यूक्रेन में हैं, जिनकी जान पर बन आई है। भारत सरकार लगातार वहां फंसे भारतीय को निकाल रही हैं। यह मोर्चा खुद उडडयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने कंधे पर लिया है। यूक्रेन में फंसे लोगों को वापस लाने के लिए भारत सरकार ने ऑपरेशन गंगा चलाया है, इसमें वायुसेना भी शामिल हो गई है। एयर इंडिया और वायुसेना मिलकर भारतीय को वापस लाने का काम कर रहे हैं। ऑपरेशन गंगा के तहत नौवीं उड़ान यूक्रेन में फंसे 218 भारतीयों को बुखारेस्ट से लेकर मंगलवार देर रात नई दिल्ली पहुंची। यूक्रेन से वापस लौटे लोगों ने अपनी आपबीती सुनकर यक्रेन की सेना पर आरोप लगाया कि उन्होंने भारतीयों के साथ काफी दुरव्यहार किया था। उन्होंने बताया कि यूक्रेन से बाहर आना काफी मुश्किल हो गया था, हम हारने लगे थे लेकिन भारत सरकार के कारण हम वापस अपने वतन लौट सके हैं। उन्होंने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इसके लिए धन्यवाद दिया। यूक्रेन से वापस लौटे शुभांशु ने बताया की वहां कि हालात काफी खराब हो गए थे। हमारे पास खाने-पीने तक का सामान नहीं बचा था। एयरपोर्ट पर पहुंची शुभांशु की मां अपने बेटे से लिपटकर फूट-फूटकर रोने लगी।

उन्होंने रोते हुए पीएम मोदी को धन्यवाद दिया। भावुक मां ने रोते-रोते कहा, मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद करती हूं, जो हमारे बेटे को यहां ले आए। मैं कहती हूं मोदी हमेशा जीते रहें, हमारे बेटों की रक्षा करते रहें। यह उड़ान यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद पूर्वी यूरोपीय देश में फंसे भारतीयों को वापस लाने के भारत सरकार के अभियान का हिस्सा है। रूस के साथ युद्ध के कारण यूक्रेन ने अपने हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया है, इसके बाद भारत अपने नागरिकों को भू-मार्ग से यूक्रेन के पड़ोसी देशों रोमानिया, हंगरी, पोलैंड और स्लोवाकिया लाकर वहां से विमान के जरिए स्वदेश ला रहा है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भारतीय नागरिकों का स्वागत कर उन्हें भरोसा दिलाया कि भारत सरकार यक्रेन से हर भारतीय की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है। सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा, भारत सरकार यूक्रेन से सभी छात्रों को सुरक्षित वापस लाने के सभी प्रयास कर रही है। मैं उनसे यूक्रेन में अपने मित्रों से यह कहने की अपील करता हूं,कि वे हिम्मत और संयम बनाए रखें। इससे पहले, बुखारेस्ट से एक अन्य विमान 182 भारतीयों को लेकर मुंबई पहुंचा था। मंत्री ने कहा कि इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रेल सुविधा काउंटर बनाए गए हैं।उन्होंने कहा,विमान से उतरने के बाद आपकी घर वापसी के लिए रेलवे सुविधा काउंटर बनाए गए हैं।

डीआरडीओ ने लैब में विकसित की कीड़ाजड़ी, उत्तराखंड, गुजरात व केरल की लैब में किया जाएगा उत्पादन

रुद्रपुर ।

औषधीय गुणों से भरपूर शक्तिवर्धक कीड़ा जड़ी अब उच्च हिमालयी क्षेत्र में ही नहीं बल्कि लैब में भी तैयार की जा सकेगी। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की इकाई जैव ऊर्जा रक्षा अनुसंधान संस्थान (डिबेर) ने लंबे समय तक शोध से मिली सफलताके बाद इसके व्यावसायिक रूप से उत्पादन की तैयारी कर ली है। उत्तराखंड, गुजरात व केरल की लैब में इसका उत्पादन किया जाएगा। 20 से 25 लाख रुपये किलो बिकने वाली कीड़ा जड़ी छह माह की बजाय दो माह में तैयार होगी। प्रोटीन, विटामिन व पोषक तत्वों से भरपूर कीड़ाजड़ी का उपयोग विभिन्न दवाएं व शक्तिवर्धक उत्पाद बनाने में किया जाएगा। कीड़ा जड़ी को यारसा गांबू नाम से भी जानते हैं। उत्तराखंड में जनपद चमोली और पिथौरागढ़ के धारचूला व मुनस्यारी क्षेत्र में 3500 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले स्थानों में कीड़ा जड़ी प्राकृतिक रूप से उगती है। यहां का तापमान माइनस पांच डिग्री से 10 डिग्री के आसपास रहता है। करीब आठ महीने बर्फ से ढके रहने वाली इन इलाकों में प्राकृतिक भूरे रंग की कीड़ा जड़ी मई-जून में बर्फ पिघलने के बाद नजर आती है। इसकी लंबाई लगभग दो इंच होती है। विज्ञानियों की ओर से लैब में इसी तापमान को मेंटेन रखते हुए उगाई गई कीड़ा जड़ी गुलाबी रंग की होती है। इसकी लंबाई करीब पांच से सात सेंटीमीटर होती है। डिबेर के विज्ञानी डा। रंजीत सिंह ने बताया कि संस्थान की हल्द्वानी स्थित लैब में परीक्षण सफल हो चुका है। अब यह आसानी से तैयार हो रही है।

यह जड़ी एक खास तरह के कीड़े के मरने पर उसमें जो फफूंद निकलती है, उससे तैयार होती है। जबकि लैब में यह 60 दिनों में तैयार हो जाएगी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत 15 से 20 लाख रुपये प्रति किलो तक है।

बोल्ड आउटफिट में बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए ग्रेसफुल दिखीं रिहाना

मुंबई। पॉपस्टार रिहाना जो करती हैं वही स्टाइल स्टेटमेंट बन जाता है। उन्होंने एक बार फिर दिखा दिया है कि फैशन सेंस के मामले में उनका कोई जोड़ नहीं है। पेरिस फैशन वीक में रिहाना ने दुनिया को दिखा दिया कि प्रेग्नेंसी में भी फैशन गेम के मामले में वो नंबर वन हैं। पेरिस फैशन वीक में रिहाना ने अपने लिए बिल्कुल बोल्ड आउटफिट चुना जिसमें बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए वो बहुत एलिगेंट और ग्रेसफुल लग रही थीं। उनकी तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर धड़ल्ले से वायरल हो रही हैं। रिहाना पेरिस फैशन वीक के डियॉर शो में ब्लैक बिकिनी में पहुंची। इसके ऊपर उन्होंने ब्लैक शीयर ड्रेस पहन रखा था। साथ ही उन्होंने ब्लैक लेदर बूट, लेदर जैकेट और एसेसीरिज में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। साथ ही आधे बालों को बांधकर उन्होंने अपने लुक को कंप्लीट किया था। बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए रिहाना इस आउटफिट में जंच रही थी। उन्होंने इस आउटफिट को खूबसूरती के साथ कैरी किया था। वहां मौजूद सभी फोटोग्राफर्स समेत हर किसी की नजर रिहाना पर ही टिक गई थी। इन तस्वीरों को देखकर ऐसा ही लग रहा है कि वो अपनी प्रेग्नेंसी फेज को खुलकर इंज्वॉय कर रही हैं। इसके पहले भी कई बार रिहाना अपने बेबी बंप को फ्लॉन्ट करते हुए फैशन वीक से लेकर स्ट्रीट वॉक करते हुए भी नजर आई हैं। हर मौके पर वो बेहद ग्लैमरस और स्टाईलिश लगती हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में पहले कहा भी था कि प्रेग्नेंसी के दौरान फैशन के साथ एक्सपेरीमेंट करना मजेदार है। लेकिन इसे वो एक बड़ी चुनौती भी मानती हैं।उन्होंने कहा था, 'मुझे ये पसंद है और मैं इसे भरपुर इंज्वॉय करती हूं। मुझे अच्छा लगता है और मुझे नहीं लगता कि बेबी बंप को छिपाने की जरुरत है।

CMYK

यूक्रेन संकट में मोदी, मैकों ने शीघ्र संघर्षविराम पर सहमति जतायी

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुअल मैक्रों के बीच टेलीफोन पर बातचीत हुई जो यूक्रेन के खिलाफ रूसी आक्रमण पर केंद्रित रही और दोनों नेताओं ने जल्द से जल्द संघर्षविराम के महत्व पर सहमति व्यक्त की। मोदी और मैकों के बीच चर्चा के एक दिन बाद भारत में फ्रांस के दूतावास ने अपने बयान में यह बात कही। बयान के अनुसार, दोनों नेताओं ने निर्बाध मानवीय सहायता तक पहुंच सुनिश्चित करने के महत्व को रेखांकित किया और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सहित सभी मंचों पर संकट को लेकर करीबी समन्वय बनाये रखने पर सहमति व्यक्त की। दोनों नेताओं की बातचीत के दौरान यूक्रेन के खारकीव शहर में गोलाबारी में एक भारतीय छात्र की दुखद मौत का विषय भी उठा। इसमें कहा गया है, बातचीत यूक्रेन के खिलाफ रूसी आक्रमण पर केंद्रित रही, खासतौर पर नागरिक आबादी पर इसके पड़ने वाले प्रभाव को लेकर ..., वह भी ऐसे समय में जब गोलाबारी से खारकीव में एक युवा भारतीय नागरिक की दुखद मौत हो गई। मैकों यूरोपीय संघ के उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हैं जो यूक्रेन संकट के समाधान के लिये कूटनीतिक प्रयासों में जुटे हैं। फ्रांस के दूतावास ने कहा, '' फ्रांस के राष्ट्रपति और भारत के प्रधानमंत्री ने जल्द से जल्द संघर्षविराम करने के महत्व तथा निर्बाध मानवीय सहायता तक पहुंच को लेकर, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सहित सभी मंचों पर करीबी समन्वय सुनिश्चित करने पर सहमति व्यक्त की । ''वहीं, मंगलवार को भारत सरकार के बयान में कहा गया कि दोनों नेताओं ने यूक्रेन में जारी युद्ध व इससे बिगड़ती मानवीय स्थिति पर चिंता प्रकट की तथा युद्ध के अंत और वार्ता व कूटनीति की ओर लौटने की भारत की अपील दोहराई। इसमें कहा गया कि चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि भारत मानता है कि अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र चार्टर और सभी देशों की क्षेत्रीय एकता व अखंडता के प्रति सम्मान समकालीन विश्व व्यवस्था को मजबूती देता है। प्रधानमंत्री ने रूस और यूक्रेन की बीच वार्ता का स्वागत किया तथा मुक्त और गैरबाधित मानवीय सहायता पहुंच सुनिश्चित करने के साथ ही लोगों की आवाजाही को सुगम बनाने पर जोर दिया।बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की ओर से युद्ध प्रभावित क्षेत्र से अपने नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकालने और वहां प्रभावित लोगों के लिए दवाइयों के साथ ही आवश्यक राहत सामग्री भेजने के भारत के प्रयासों से भी राष्ट्रपति मैक्रों को अवगत कराया। गौरतलब है कि पिछले सप्ताह भारत ने, यूक्रेन पर रूसी हमले की निंदा करने के लिये संयुक्त राष्ट्र सुरक्ष परिषद में पेश किये गए प्रस्ताव पर मतदान में हिस्सा नहीं लिया था। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कहा था कि वह सभी संबंधित पक्षों के वहीं, विदेश सचिव हर्षवर्द्धन श्रृंगला ने कहा था कि भारत सभी प्रस्तावों पर उनकी संपूर्णता और राष्ट्रीय हितों के आधार पर विचार करेगा।

संक्षिप्त समाचार

धनशोधन के मामले में एम्बियंस समूह के प्रवर्तक की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने 800 करोड़ रुपये के बैंक ऋण की कथित धोखाधड़ी से जुड़े धनशोधन के मामले में गिरफ्तार एम्बियंस समूह के प्रवर्तक राज सिंह गहलोत की जमानत याचिका सोमवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति मनोज कुमार ओहरी की अदालत ने यह फैसला सुनाया। इससे पहले अदालत ने 10 फरवरी को जमानत अर्जी पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। गहलोत को पिछले साल जुलाई में धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया था। उल्लेखनीय है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इससे पहले गहलोत, उनकी कंपनी अमन हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड (एएचपीएल), एम्बियंस समूह की कुछ अन्य कंपनियों, कंपनी में निदेशक दयानंद सिंह, मोहन सिंह गहलोत और उनके सहयोगियों के ठिकानों पर छापेमारी की थी। ईडी ने दिल्ली के यमुना स्पोर्ट कॉम्प्लेक्स के नजदीक पांच सितारा लीला एम्बियंस कवेंशन होटल के निर्माण और विकास में कथित धनशोधन के लिए जम्मू के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो द्वारा एएचपीएल के विरुद्ध दर्ज प्राथमिकी के आधार पर 2019 में गुरुग्राम स्थित एम्बियंस मॉल के प्रवर्तक गहलोत के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

खरकीव में फंसे भारतीयों को निकालने में मदद करेगा रूस

नई दिल्ली । रूस की ओर से यूक्रेन में जारी लगातार हमले के बीच खरकीव और पूर्वी यूक्रेन में फंसे भारतीयों के लिए राहत की खबर है। भारत में रूसी राजदूत डेनिस अलीपोव ने कहा है, कि खरकीव में फंसे भारतीयों को लेकर भारत की ओर से इमरजेंसी की स्थिति में सुरक्षित बाहर निकालने का आग्रह किया गया है। उन्होंने कहा कि हम इस संबंध में भारतीय अधिकारियों के संपर्क में हैं। अलीपोव के बयान से साफ हो गया है, कि अब रूस के रास्ते भारतीयों को यूक्रेन से सुरक्षित निकाला जा सकेगा। अलीपोव ने कहा कि, भारत हमारा रणनीतिक सहयोगी है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र में भारत ने जो संतुलित रवैया दिखाया है, उसके लिए हम उसके आभारी हैं। अलीपोव ने कहा कि भारत इस संकट की गहराई को समझता है। यूक्रेन पर हमले के छठे दिन रूस ने अपने आक्रमण को तेज कर दिया है। खरकीव वहीं जगह हैं जहां एक दिन पहले कर्नाटक के मेडिकल छात्र नवीन की रूसी बमबारी में मौत हो गई थी। यूक्रेन अटैक के बाद रूस पर लगे प्रतिबंधों के बाद भारत के साथ रक्षा सौदे पर प्रभाव पड़ने के सवाल पर भी पर डेनिस अलीपोव ने स्पष्ट रुख व्यक्त किया। अलीपोव ने कहा कि जहां तक भारत को एस-400 की आपूर्ति का संबंध है,अलीपोव ने कहा कि जहां तक भारत को एस-400 की आपूर्ति का संबंध है, किसी बाधा की आशंका न करें। उन्होंने कहा कि इस सौदे को अबाधित जारी रखने के मार्ग हैं। ऐसे में पुराने या नए प्रतिबंध से किसी भी तरह की बाधा नहीं आएगी।

रूस पर अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण कोई असर नहीं होगा, दोनों देशों के साथ मजबूत संबंध

नई दिल्ली । वायुसेना उप प्रमुख एयर मार्शल संदीप सिंह ने कहा कि रूस पर अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण भारतीय वायुसेना पर खास प्रभाव नहीं पड़ेगा और भारत के दोनों देशों के साथ मजबूत संबंध हैं। सिंह ने कहा, हम जानते हैं, कि (इस समय) भू-राजनीतिक स्थिति कठिन है... रूस के साथ हमारे संबंध बरकरार रहने वाले है। रूस ने 24 फरवरी को यूक्रेन के खिलाफ सैन्य हमला शुरू किया था। अमेरिका सहित पश्चिमी देशों ने हमले के बाद रूस पर कड़े आर्थिक एवं अन्य प्रतिबंध लगाए गए हैं। भारतीय वायुसेना उप प्रमुख ने कहा कि यूक्रेन में फंसे भारतीय नागरिकों को निकालने के लिए तीन विमान रवाना हो गए हैं। उन्होंने कहा, हम भारतीयों को बाहर निकालने के लिए हर रोज चार उड़ान संचालित कर सकते हैं। भारतीयों को बाहर निकालने के लिए हर रोज चार उड़ान संचालित कर सकते हैं। वायु सेना उप प्रमुख ने कहा कि सभी भारतीयों को वापस लाए जाने तक निकासी अभियान दिन-रात जारी रहेगा।

यूक्रेन में हो रही गोलीबारी में कर्नाटक का एक और छात्र घायल हुआ : बोम्मई

बेंगलूरु । यूक्रेन के खारकीव में गोलाबारी में कर्नाटक का एक छात्र घायल हुआ है। मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने यह जानकारी दी है। घायल छात्र नवीन शेखरप्पा ज्ञानगौदर के साथ था जो गोलाबारी में मारा गया। बोम्मई ने पत्रकारों से कहा हावेरी जिले में रनेबेन्नूर तालुक के चलगेरी गांव के दो और छात्र वहां थे। एक घायल हुआ है जबकि दूसरा सुरक्षित है। मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने नवीन के पिता शेखरप्पा ज्ञानगौदर से बात की और घटना पर दुख जताया। बोम्मई ने कहा कि उनकी ध्यान नवीन का शव भारत लाने पर है। उन्होंने कहा हमें अभी तक कोई सूचना नहीं मिली है कि शव की हालत क्या है, मैंने पीएमओ से बात की है उन्होंने कहा हमें अभी तक कोई सूचना नहीं मिली है कि शव की हालत क्या है, मैंने पीएमओ से बात की है और उनसे अनुरोध किया है। मैंने प्रधानमंत्री को यूक्रेन से शव लाने के लिए संदेश भी भेजा है।

यूक्रेन के लिए राहत सामग्री लेकर सी-17 ग्लोबमास्टर विमान रोमानिया रवाना

नई दिल्ली । भारतीय वायुसेना का एक सी-17 ग्लोबमास्टर विमान यूक्रेन के लिए राहत सामग्री लेकर बुधवार सुबह रोमानिया के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। इस विमान में रोमानिया से उन भारतीय नागरिकों को वापस आने की उम्मीद है, जो युद्धग्रस्त यूक्रेन से किसी तरह सीमा पार कर रोमानिया पहुंचने में सफल रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि रोमानिया के लिए तड़के एक विमान रवाना हुआ। भारत ने मानवीय सहायता के तौर पर यूक्रेन को पोलैंड के रास्ते दवाओं और अन्य राहत सामग्री की पहली खेप मंगलवार को भेजी थी। विदेश मंत्रालय ने कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है, कि यूक्रेन की सीमाओं पर विकट मानवीय स्थिति से निपटने के लिए यूक्रेन को राहत सामग्री की पहली खेप कल (मंगलवार को) भेजी जाएगी। गौरतलब है कि रूस के यूक्रेन पर आक्रमण करने के बाद वहां कई तरह के मानवीय संकट उत्पन्न हो गए हैं। इस मानवीय संकट से निपटने में मदद के लिए भारत ने यूक्रेन को राहत सामग्री भेजने का निर्णय किया है।

अखिलेश में नहीं ताकत योगी सरकार को उखाड़ फेंकने की : ओवैसी

लखनऊ ।

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों के बीच घमासान मचा हुआ है। इस बीच ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर जमकर हमला किया। उन्होंने कहा कि अखिलेश के पास योगी सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंकने की ताकत नहीं है। उन्होंने 2017 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ और 2019 के लोकसभा चुनाव में गठबंधन करके चुनाव लड़ा था। बता दें कि साल 2017 के विधानसभा चुनाव में सपा ने कांग्रेस का साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। चुनाव में सपा को भारी नुकसान उठाना पड़ा था। जबकि 2019 के लोकसभा चुनाव में सपा ने बसपा प्रमुख मायावती के साथ हाथ मिलाया था और बुआ-बबुआ की जोड़ी भी कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सकी थी। इसके बाद इस बार के चुनाव में सपा ने बड़ी पार्टियों की जगह छोटे-छोटे दलों को एकजुट कर अपनी किस्मत आजमा रही है। एआईएमआईएम प्रमुख ने आवारा पशुओं की समस्या का मुद्दा उठाया। इसी बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधकर एआईएमआईएम प्रमुख ने कहा कि उन्हें आवारा पशुओं की समस्या के बारे में पता चला जो राज्य में किसानों को चुनाव के समय ही परेशान कर रहे हैं। वहीं उन्होंने कहा कि मुफ्त राशन बांटकर भाजपा गरीबों का अपमान कर रही है। इसके अतिरिक्त एक अन्य रैली में उन्होंने यूएपीए कानून को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अमित शाह ने यूएपीए कानून लाया था। वह कानून कहता है,कि दिल्ली में एनआईए का अफसर बैठककर विधानसभा में किसी लड़के का नाम शादाब हो सकता है,तब उस बिनी कोर्ट के फैसले के आतंकवादी घोषित कर सकते हैं। सपा, कांग्रेस और बसपा ने मिलकर इस कानून की तारीफ की।

तृणमूल कांग्रेस ने 12 नगरपालिकाओं में जीत दर्ज की, 34 में बनाई बढ़त

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने राज्य के 107 नगरपालिकाओं के लिए हुए चुनाव में से 12 में जीत दर्ज की हैं। जबकि 34 में वह आगे चल रही है। राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) के अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भाजपा, वाम मोर्चा और कांग्रेस को अबतक किसी नगर निकाय में जीत नहीं मिली है, लेकिन ये दल कुछ शहरों के कुछ वार्डों में आगे चल रहे हैं। अधिकारी ने कहा, तृणमूल पहले ही 12 नगरपालिकाओं में जीत दर्ज कर चुकी है, जबकि 34 अन्य नगरपालिकाओं में उस बढ़त हासिल है।'' उन्होंने बताया कि सत्तारूढ़ पार्टी ने वीरभूम जिले के सभी पांच नगर निकायों, दक्षिण 24 परगना के दो नगर निकायों और कूचबिहार जिले के पांच निकायों में जीत दर्ज की है। अधिकारी के मुताबिक 108 नगर निकायों में चुनाव होने थे, लेकिन कूचबिहार जिले के दिनहाटा नगरपालिका में तृणमूल कांग्रेस निर्विरोध निर्वाचित हुई। विधानसभा चुनाव के करीब एक साल बाद कराए गए नगर निकाय चुनाव में राज्य के विभिन्न हिस्सों से हिंसा, धांधली और पुलिस से झड़प की खबरें आई थी। भाजपा ने चुनाव प्रक्रिया को लोकतंत्र का मजाक करार देकर हिंसा के खिलाफ सोमवार को 12 घंटे का बंद बुलाया था। देकर हिंसा के खिलाफ सोमवार को 12 घंटे का बंद बुलाया था। वहीं,तृणमूल कांग्रेस ने आरोपों आधारहीन बताकर खारिज कर दिया। तृणमूल ने कहा कि विपक्षी पार्टियां हार का आभास होने के बाद बहाना तलाश रही हैं।

यूक्रेन से लौटे छात्रों से केंद्रीय मंत्री की भावुक अपील, सरकार आपके लिए दिन-रात काम कर रही

नई दिल्ली । यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध चल रहा है। इस बीच रोमानिया के बुखारेस्ट से भारतीयों को लेकर विमान दिल्ली पहुंचा है । इसतरह से यूक्रेन में फंसे भारतीयों की वतन वापसी पर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने एयरपोर्ट पहुंचकर सभी का स्वागत किया। इस मौके पर उन्होंने एक भावुक संदेश देकर कहा कि आप सभी एक दुखद याद के साथ भारत आए हैं। आप में से कई लोग घंटों और दिनों से सो नहीं हैं। सरकार आपके लिए दिन-रात काम कर रही है...अगले 2-3 दिनों में और लोगों को निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि देश लौटने की खुशी में है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि देश लौटने की खुशी में है। मैं आप लोगों को भरोसा दिलाता हूं कि सरकार में बैठे वरिष्ठ पदों पर बैठे हुए लोग भी आपकी चिंता कर रहे थे। आप लोगों की वतन वापसी की व्यवस्था कर रहे थे। उसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, वरिष्ठ अधिकारी इत्यादि लोग शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि यूक्रेन में युद्ध की विभीषिका का दंश झेल रहे लोगों को सकुशल भारत की भूमि पर लाने के लिए प्रधानमंत्री के नेतृत्व में ऑपरेशन गंगा चलाया जा रहा है।

अपराध साबित होने तक नवाब मलिक से इस्तीफा मांगना अनिवार्य नहीं : पाटिल

पुणे ।

धनशोधन के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा गिरफ्तार किए गए महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक का बचाव कर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की राज्य इकाई के अध्यक्ष जयंत पाटिल ने कहा है, कि अपराध साबित होने तक किसी मंत्री से इस्तीफा मांगना अनिवार्य नहीं है। पाटिल ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधकर कहा कि महा विकास आघाडी (एमवीए) के मंत्रियों को संकट में डालने के प्रयास किए जा रहे हैं। वहीं विपक्षी दल भाजपा के महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने कहा था कि गिरफ्तारी के बावजूद मलिक के कैबिनेट मंत्री बने रहने पर उनकी पार्टी आगामी बजट सत्र को चलने नहीं देगी। पाटिल के बयान के संबंध में सवाल करने पर पाटिल ने कहा, भाजपा को सत्र के दौरान मलिक पर अपना रुख पेश करने दीजिए और उसका उचित जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा, यदि मंत्रियों के खिलाफ हर रोज कोई न कोई कदम उठाया जा रहा है,तब उनका इस्तीफा लेना अनिवार्य नहीं है।

यदि आरोप अभी साबित नहीं हुए हैं,तब व्यक्ति इस्तीफा क्यों देगा?'' जल संसाधन मंत्री पाटिल ने कहा, (पूर्व गृहमंत्री) अनिल देशमुख के मामले में, जब उन्हें गिरफ्तार किया गया था,तब हमने नासमझी में उनका इस्तीफा ले लिया था, लेकिन यह बाद में समझ आया कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप गलत थे। हमारे मंत्रियों को संकट में डालने के प्रयास किए जा रहे हैं। हमने एक इस्तीफा ले लिया है, लेकिन अब हमें लगता है कि अन्य लोगों का इस्तीफा लेने की आवश्यकता नहीं है।

उन्होंने यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों के बारे में कहा कि उन्हें निकालने और स्वदेश लाने के लिए मोदी सरकार को अतिरिक्त प्रयास करने की आवश्यकता है। जयंत पाटिल ने कहा, करीब ढाई सप्ताह पहले, मैंने और कई अन्य ने यक्रेन में फंसे छात्रों को बाहर निकालने का आग्रह किया था।

सर्राफा कारोबारी ने खुद को गोली मारी, घटनास्थल पर लाइसेंसी रिवाल्वर मिली

मेरठ ।

तनाव में चल रहे सर्राफा कारोबारी ने लाइसेंसी रिवाल्वर से खुद को गोली मार ली। जहां चिकित्सकों ने सर्राफ को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने रिवाल्वर को कब्जे में लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटनास्थल पर सर्राफ की लाइसेंसी रिवाल्वर मिली है। देहली गेट थाना क्षेत्र के ठठेरवाड़ा निवासी सुभाष वर्मा की सराफा बाजार में दुकान थी। घर में वह मां सावित्री देवी और भांजे करन वर्मा के साथ रहते थे। परिजनों के अनुसार मंगलवार शाम अपने कमरे में उन्होंने लाइसेंसी रिवाल्वर से सीने में गोली मार ली। आवाज सुनकर पहुंचीं मां ने भांजे को फोन कर बाजार से बुला लिया। स्वजन उन्हें लेकर मेडविन अस्पताल पहुंचे, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया।इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। देहली गेट पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आया है,कि सर्राफ सुभाष वर्मा ने दो करोड़ के जेवर शहर के आठ सर्राफा व्यापारियों को उधारी में दिए थे। जेवर लेने के बाद सर्राफा व्यापारियों ने उनके आभूषण वापस करने से इंकार कर दिया था। वहीं मोटी रकम भी फंसी हुई थी।

इसके चलते सुभाष टेंशन में चल रहे थे। पुलिस का कहना है कि सर्राफ व्यापारी सुभाष वर्मा के शव के पास लाइसेंसी रिवाल्वर पड़ी मिली। पुलिस को शक है कि इसी रिवाल्वर से सुभाष वर्मा की मौत हुई है। रिवाल्वर को पुलिस ने कब्जे में लेलिया है।

ऑपरेशन गंगा के तहत बीते घंटों में भारत के लिए छह उड़ानें रवाना हुई

नई दिल्ली ।

केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बताया कि यूक्रेन में फंसे भारतीयों को बाहर निकालने के भारत के अभियान 'ऑपरेशन गंगा के तहत पिछले 24 घंटों में भारत के लिए छह उड़ानें रवाना हुई हैं। 'ऑपरेशन गंगा के तहत भारतीयों को भू सीमाओं के द्वारा यूक्रेन से निकलने के बाद हंगरी, रोमानिया, पोलैंड और स्लोवाकिया से हवाई मार्ग से स्वदेश लाया जा रहा है। जयशंकर ने कहा कि पिछले 24 घंटों में भारत के लिए रवाना होने वाली उड़ानों में पोलैंड से पहली उड़ान भी शामिल हैं। पिछले कुछ दिनों में भारतीयों को यूक्रेन से बाहर निकालने के लिए बुखारेस्ट और हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट से उड़ान संचालित हो रही हैं। जयशंकर ने ट्वीट किया, पिछले 24 घंटों में छह उड़ानें भारत के लिए रवाना हुई हैं। इनमें पोलैंड से पहली उड़ान भी शामिल है। यूक्रेन से 1,377 से अधिक भारतीयों को वापस लाया गया है। यूक्रेनी वायु क्षेत्र को बंद होने से भारत भू-सीमाओं के द्वारा यूक्रेन से भारतीयों को निकाल रहा है। पहली निकासी उड़ान के जरिए बुखारेस्ट से 219 भारतीयों को मुंबई लाया गया था। विदेश सचिव हर्षवर्द्धन श्रृंगला ने कहा था कि आगामी तीन दिन में भारतीय नागरिकों को स्वदेश लाने के लिए 26 उड़ानें निर्धारित की गई हैं। उन्होंने कहा कि बुखारेस्ट और बुडापेस्ट के अलावा, पोलैंड और स्लोवाक गणराज्य के हवाई अड्डों का भी उपयोग निकासी उड़ानों के संचालन के लिए किया जाएगा।

यूपी चुनाव में अपनी हार को देखकर अखिलेश ने इंग्लैंड जाने की टिकट कर ली : योगी

गोरखपुर ।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भाजपा 10 मार्च को वोटों की गिनती वाले दिन प्रदेश विधानसभा चुनाव में 80 प्रतिशत सीटें जीतकर सरकार बनाएगी। अभी 3 और 7 मार्च को मतदान के दो चरण बाकी हैं। योगी ने कहा, उत्तर प्रदेश में भाजपा फिर से सरकार बनाएगी। 10 मार्च को हम 80 प्रतिशत सीटों पर विजयी होकर प्रचंड बहुमत से सरकार बनाएंगे.. सपा हारेगी। योगी ने कहा, लंका की तरह समाजवादी पार्टी का अंत नजदीक आ गया है।' रामायण में राक्षसी लंकिनी का जिक्र कर योगी ने कहा कि 'जिस तरह लंका की रक्षा करने वाली राक्षसी लंकिनी हनुमान का विशालकाय रूप देकर समझ गई कि अब लंका का अंत निश्चित है, वहीं हाल समाजवादी पार्टी का होने वाला है।' मुख्यमंत्री ने कहा, पहले दो चरणों में मुझे लगा था कि गठबंधन बढ़त बना सकता है, लेकिन मुझे ताज्जुब हुआ कि वहां पर भी भाजपा ने बहुत अच्छी बढ़त बनाई, खासकर तब जब देश और विदेश की सारी साजिशें लगी हुई थी, बीजेपी को पराजित करने की। आज स्थिति यह है कि बहुत से विपक्षी नेताओं ने अपनी टिकट बुकिंग कर ली है, बाहर जाने की, कोई इंग्लैंड, तब कोई ऑस्ट्रेलिया की टिकट बुकिंग करा रहा है,तब कई छुटभैया नेता नेपाल जाने की फिराक में हैं। हमारे द्वारा नेपाल से सीमा पर ज्वाइंट पेट्रोलिंग करवानी शुरु कर दी है, ताकि इन्हें जाने से अब थोडा रोको.... एक बार इनकी गर्मी को 10 मार्च तक शांत कर दें, उसके बाद अपना रास्ता चुनें.... उत्तर प्रदेश में अब माफियावादियों और पेशेवर अपराधियों के दिन लद चुके हैं। मुझे लगता है, कि 10 मार्च के बाद इनमें से कोई नज़र नहीं आएगा।' चुनाव से ठीक पहले बीजेपी सरकार से इस्तीफे देने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य जैसे मंत्रियों के बारे में योगी ने कहा, आप मेरी बात नोट कर लें। जो गए, सब हार रहे हैं। यो लोग अपनी जमानत बचा लें, तब पता चलेगा इलका कितना बड़ा जनाधार है। योगी ने कहा, 2017 में दो लड़कों (अखिलेश और राहुल गांधी) की जोड़ी आई।कभी कभी संगत का असर भी होता है। आपने देखा जनता ने दोनों को खारिज कर दिया। 2019 में महागठबंधन (सपा, बसपा, आरअलडी) बना, कुछ नहीं कर सके, चुनाव के बाद दोनों एक-दूसरे को कोसने लगाने वाले हैं। अब छुटभैयों का महागठबंधन किया है, उत्तर प्रदेश की जनता इन्हें जवाब दे रही है, देने जा रही है। आप देखना हैं,कि चुनाव के बाद इनमें कुश्ती होगी, मारपीट होगी, आरोप-प्रत्यारोप होगा, अधकचरे पहलवान एक दूसरे से भिड़ने वाले हैं। इंटरव्यू के दौरान एक सवाल पर कहा कि अगर राहुल अपनी बहन प्रियंका को यूपी के चुनाव में ला सकते हैं, तब क्या आप अपने परिवार के लिए कुछ भी नहीं कर सकते थे, योगी कुछ समय के लिये रुके, और रूंधे हुए गले से उत्तर दिया, मैं एक योगी हूं। मुझे पूरे प्रदेश का ध्यान रखना होता है। मुझे लगता है कि एक मुख्यमंत्री के रूप में मैने राष्ट्रधर्म की शपथ ली है, अपने परिवार की नहीं।' मेरे लिए पूरे उत्तरप्रदेश के 25 करोड़ लोग मेरा परिवार है। मैं उनके सुखदुख में सहाभागी हूं। उनके (अखिलेश) के लिए उनका परिवार प्रचार कर रहा है, मेरे लिये मेरा परिवार (यूपी की जनता) प्रचार कर रहा हैमैं तो जनता के बीच जाने की एक औपचारिकता निभा रहा हूं। मेरे लिए यहां (गोरखपुर की) विकास और सुशासन की गारंटी देने वाली सरकार चाहिए। यहां तो हमारे कार्यकर्ता स्वयं योगी बनकर वोट मांग रहे हैं।

दिल्ली में दो दिन बारिश की संभावना, फिर चलेगी ठंडी हवा

नई दिल्ली । मार्च का महीना शुरू होते ही राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत उत्तर भारत के राज्यों में मौसम एक बार फिर करवट बदलता नज़र आ रहा है। भारत मौसम विभाग विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिल्ली में 2-3 मार्च यानी दो दिन गरज के साथ हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है। मौसम पूर्वानुमान एजेंसी स्काईमेट के मुताबिक, बुधवार 2 मार्च से वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का असर पश्चिमी हिमालय क्षेत्र को प्रभावित करना शुरू करेगा। पश्चिमी विक्षोभ यानी वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के असर से देश की राजधानी दिल्ली, राजस्थान, पंजाब और हरियाणा में भी बारिश की हल्की गतिविधियां देखने को मिलेंगी। आईएमडी के मुताबिक, मार्च के पहले सप्ताह में दिल्ली में सुबह-शाम हल्की ठंड का अहसास होगा। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली में 4 मार्च को दिन में धूप के बीच बादलों की आवाजाही और हवाओं के चलते न्यूनतम तापमान में मामूली गिरावट आ सकती है। दिल्ली में 6-7 मार्च को आंशिक तौर पर बादल छाए रहने की संभावना है। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, मार्च के पहले ही हफ्ते में मौसम का मिजाज बदलेगा फिर उसके बाद तापमान में बढ़ोतरी होनी शुरू हो जाएगी। दिल्ली की हवा की गुणवत्ता यानी एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) अब मध्यम कैटेगरी में बनी हुई है। सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फोरकास्टिंग एंड रिसर्च (सफर) के अनुसार, 2 मार्च को सुबह करीब 9 बजे औसतन वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 145 दर्ज किया गया जो मध्यम श्रेणी में आता है। एक्यूआई को शून्य से 50 के बीच 'अच्छा', 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक, 101 से 200 के बीच 'मध्यम, 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 से 400 के बीच हरियाणा, उत्तर प्रदेश और बिहार समेत उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में मार्च से मई के दौरान अधिकतम तापमान सामान्य से कम रहने का अनुमान है।

जंग में यहूदियों से चुप्पी तोड़ने की अपील क्यों कर रहे है जेलेंस्की

कीव।

यूक्रेन-रूस में चल रही जंग के बीच यहूदी समुदाय का अचानक जिक्र होने लगा है। यूक्रेन के बेबिन यार में रूसी हमले के बाद राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने यहूदी समुदाय से चुप्पी तोड़ने की अपील की है। दरअसल बेबिन यार होलोकास्ट मेमोरियल पर यूक्रे न ने रूस पर मिसाइल हमला करने का आरोप लगाया है। यह स्मारक यहूदियों के नरसंहार की याद में बनाया गया था। इस पर अटैक को वोलोदिमीर जेलेंस्की ने यहूदियों के इतिहास को मिटाने की कोशिश बताया है। यही नहीं यहूदी समुदाय से इस पर समर्थन हासिल करने की कोशिश भी जेलेंस्की कर रहे हैं । उन्होंने बुधवार को यहूदी समुदाय की चुप्पी को लेकर कहा कि चुप रहने से ही नाजीवाद पनपता है। जेलेंस्की ने कहा, मैं अब दुनिया भर के यहूदियों को संबोधित कर रहा हूं। क्या आप नहीं देख रहे हैं कि यहां क्या हो रहा है? चुप्पी में ही नाजीवाद पैदा हो जाता है। इसलिए नागरिकों की हत्याओं पर चिल्लाइए। दरअसल बेबिन यार में ही दूसरे विश्व युद्ध के दौरान 30 हजार से ज्यादा यहूदियों की हत्या कर दी गई थी। इसलिए उनकी याद में ही यहीं पर स्मारक बनाया गया था। यूक्रेन में रहने वाले यहूदियों के अलावा दुनिया भर में यहूदी समुदाय के लोग इसे पवित्र स्थान मानते रहे हैं। यहूदी इतिहास के मुताबिक 1941 में नाजी फोर्स ने बेबिन यार पर कब्जा जमा लिया था। इसी दौरान उसने 33 हजार यहूदियों का कत्ल कर दिया था। ये हत्याएं हिटलर के शासन वाले जर्मनी के सैनिकों ने की थीं। ऐसे में इस स्थान पर मिसाइल गिरने को जेलेंस्की मुद्दा बना रहे हैं। वोलोदिमीर जेलेंस्की भी यहूदी धर्म का पालन करते हैं। हालांकि इस मसले पर अब तक दुनिया के एकमात्र यहूदी देश कहे जाने वाले इजरायल की ओर से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। अब तक इजरायल इस मसले पर तटस्थ भूमिका में ही नजर आया है।

आपदा में अवसर तलाश रहा पाक, इमरान ने रूस से किया गेहूं और गैस आयात का करार

इस्लामाबाद ।

यूक्रेन पर आक्रमण के बाद प्रतिबंधों का सामना कर रहे रूस को पाकिस्तान ने सहारा दिया है। इमरान खान ने रूस दौरे पर व्लादिमीर पुतिन के साथ गेहूं और प्राकृतिक गैस की डील की है। इमरान ने ऐलान किया कि उन्होंने पिछले गुरुवार को रूसी राष्ट्रपति से मिलने के बाद लगभग 20 लाख टन गेहूं और प्राकृतिक गैस का आयात करने का करार किया है। रूस-पाकिस्तान की इस डील को दोनों देशों के बीच बढ़ती नजदीकियों से जोड़कर देखा जा रहा है। इमरान ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को पाकिस्तान दौरे के लिए भी आमंत्रित किया है। रूस इस समय अंतरराष्ट्रीय अलगाव का सामना कर रहा है। इससे रूस की अर्थव्यवस्था को तगड़ा झटका लगने की आशंका है। यही कारण है कि चीन और पाकिस्तान रूस को बचाने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं। फरवरी में ही चीन ने रूस के साथ अरबों डॉलर के गैस की डील की है। यह डील खुद राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और शी जिनपिंग ने साइन की थी। माना जा रहा है कि पाकिस्तान ने भी गेहूं और गैस की डील चीन के कहने पर ही साइन की है। इमरान खान ने दो दिवसीय रूस यात्रा के बारे में कहा कि हम वहां गए क्योंकि हमें रूस से 2 मिलियन टन गेहूं आयात करना है। दूसरे, हमने प्राकृतिक गैस के आयात के लिए उनके साथ समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं क्योंकि पाकिस्तान के अपने गैस भंडार कम हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इंशाअल्लाह, समय बताएगा कि हमने बहुत चर्चा की है। अमेरिका समेत कई पश्चिमी देशों ने रूस के खिलाफ प्रतिबंधों की झड़ी लगा दी है। मामला यहां तक पहुंच गया है कि यूरोपीय देशों के रूस के विमानों के लिए अपनी हवाई सीमा को भी बंद कर दिया है। जर्मनी ने भी रूस के नॉर्ड स्ट्रीम-2 गैस पाइपलाइन परियोजना पर भी रोक लगा दी है। रूस इससे यूरोपीय देशों तक अपनी सस्ती गैसों को पहुंचाने की योजना पर काम कर रहा था।

पश्चिमी देशों को सोवियत संघ का हिस्सा रहे राष्ट्रों में सैन्य केंद्र नहीं स्थापित करने चाहिए : लावरोव

मास्को ।

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि पश्चिमी देशों को सोवियत संघ से टूट कर अस्तित्व में आए राष्ट्रों के क्षेत्र में सैन्य केंद्र स्थापित नहीं करने चाहिए जो नाटो के सदस्य नहीं हैं। इससे कुछ दिन पहले रूस ने यूक्रेन के खिलाफ सैन्य अभियान शुरू किया है। जिनेवा में हो रहे निरस्त्रीकरण सम्मेलन को वीडियो के माध्यम से संबोधित करते हुए रूस के शीर्ष राजनयिक ने इस बात पर जोर दिया कि मॉस्को का मानना है कि उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के सदस्यों से कानूनी तौर पर बाध्यकारी सुरक्षा गारंटी हासिल करना अहम है। लावरोव ने कहा हमारे पश्चिमी सहयोगियों ने अब तक रूस को दीर्घकालिक कानूनी रूप से बाध्यकारी सुरक्षा गारंटी देने की कोई इच्छा नहीं दिखाई है। हमारे लिए इन उद्देश्यों को प्राप्त करने का मौलिक महत्व है। लावरोव ने कहा, पश्चिमी देशों को सोवियत संघ का हिस्सा रहे राष्ट्रों के क्षेत्र में सैन्य केंद्र स्थापित करने से बचना चाहिए जो गठबंधन के सदस्य नहीं हैं, जिनमें किसी भी तरह की सैन्य गतिविधि करने के लिए उनकी अवसंरचना का इस्तेमाल भी शामिल है। रूस लंबे समय से यूक्रेन के यूरोपीय संघ और नाटो की ओर बढ़ने का विरोध करता रहा है। अपने संबोधन में रूसी विदेश मंत्री ने ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और अमेरिका (ऑकस) के उन्होंने कहा तीन देशों के बीच सैन्य गठबंधन परमाणु हथियार अप्रसार व्यवस्था को प्रभावित करता है।

विश्व में रूस का समर्थन करने वाला पहला देश बना पाकिस्तान

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान पैरिया व्लादिमीर पुतिन का समर्थन करने वाला पहला बड़ा देश बन गया, क्योंकि उसने यूक्रेन पर आक्रमण के बाद रूस के साथ पहले नए व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने पिछले गुरुवार को कहा था कि उनका देश रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मिलने के बाद रूस से लगभग 20 लाख टन गेहूं और प्राकृतिक गैस आयात करेगा। उसी दिन बाद में रूस ने पड़ोसी यूक्रे न के खिलाफ सैन्य हमला किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि रूस को अंतरराष्ट्रीय अलगाव का सामना करने और उसकी अर्थव्यवस्था को पंगु बनाने के लिए प्रतिबंधों का सामना करने के बावजूद खान ने क्रेमलिन के खजाने में संभावित अरबों की वृद्धि का बचाव किया है, यह कहते हुए कि पाकिस्तान के आर्थिक हितों को इसकी जरूरत है। इमरान खान ने दो दिवसीय यात्रा के बारे में कहा, 'हम वहां गए, क्योंकि हमें रूस से 20 लाख टन गेहूं आयात करना है। दूसरा, हमने प्राकृतिक गैस आयात करने के लिए उनके साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, क्योंकि पाकिस्तान के अपने गैस भंडार कम हो रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'इंशाअल्लाह समय बताएगा कि हमने बहुत चर्चा की है।' पुतिन ने रूस से बाहर निकलने वाली विदेशी कंपनियों को ब्लॉक करने का निर्देश दिया। उधर, बीपी और शेल ने यूक्रेन के हमले के बाद 20 अरब डॉलर के संयुक्त उपक्रम बेचने का वादा किया। रूसी प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्टिन ने घोषणा की कि राष्ट्रपति ने एक आदेश पर हस्ताक्षर किए किए हैं, क्योंकि पश्चिमी देशों ने प्रतिबंध बढ़ा दिया है, रूबल अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है और रूसी लोग बैंकों पर संकट के बीच एटीएम से नकदी निकालने के लिए ।

संक्षिप्त समाचार

रूसी राजदूत ने युद्ध में भारतीय छात्र की मौत पर जताया दुख

मास्को । यूक्रेन पर रूस के हमले जारी हैं। खारकीव में लगातार धमाकों की आवाजें आ रही हैं। 64 किलोमीटर लंबा रूसी सैन्य काफिला कीव के बाहर कब्जा जमाए हुए हैं। वहीं दक्षिण-पूर्व से भी एक अन्य सैन्य काफिले की बढ़ने की खबर आई है। वहीं खबर है कि यूक्रेन के आम लोग रूसी सेना से भिड़ गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कीव में अलर्ट के सायरन बजने की आवाजें भी सुनी जा रही हैं। भारत में रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव ने भारतीय छात्र की मौत पर दुख जाहिर किया और कहा कि रूस भारतीय छात्रों की सुरक्षा के लिए हर कदम उठाएगा। उन्होंने कहा कि रूस नागरिकों पर हमला नहीं करता है, इस मामले की जांच की जाएगी। भारतीय छात्रों की वतन वापसी के लिए भारतीय वायुसेना के दो विमान रोमानिया और हंगरी के लिए रवाना। रूस ने यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर पर हमले तेज कर दिए हैं। यहां पर रूस ने अपने एयरटूपर्स को उतारा है। इन एयरटूपर्स ने एक अस्पताल पर हमला बोल दिया है। जानकारी के मुताबिक, रूसी और यक्रे नी सैनिकों के बीच जंग जारी है। अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) ने यूक्रेन पर हमले के कारण रूस और बेलारूस के निशानेबाजों को अपनी सभी प्रतियोगिताओं से प्रतिबंधित कर दिया है। यह फैसला मिस्र के काहिरा में चल रहे विश्व कप के दौरान आया, जहां मंगलवार तक रूसी निशानेबाज प्रतिस्पर्धाओं में भाग ले रहे थे।

रूसी काफिला तबाह करने का यूक्रेन का दावा

कीव। आज यूक्रेन-रूस के बीच दूसरे दौर की मीटिंग होनी है। इसमें कुछ समाधान की उम्मीद जताई जा रही है, जिससे युद्ध रुके। आज सुबह अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि पुतिन ने यूक्रेन पर हमला करके बहुत बड़ी गलती की है। कीव से करीब 30 किलोमीटर दूर स्थित बुच की यह तस्वीर इसकी गवाह है। यहां रूसी सैनिकों को भारी नुकसान पहुंचाते हुए यूक्रेनियों ने क्षतिग्रस्त वाहनों का पहाड़ खड़ा कर दिया है। यूक्रेन का दावा है कि सुमी इलाके से अब रूसी सेना वापस रूस लौट रही है। कहा गया है कि ऐसा दोनों पक्षों के बीच लंबी बातचीत के बाद हुआ है। बदले में दोनों ने एक दूसरे के युद्धबंदियों को छोड़ा है। यूक्रेन के खारकीव शहर में रूसी हमले जारी है। शहर के गवर्नर का दावा है कि इन हवाई हमलों में 21 लोगों की मौत हुई है, वहीं 112 घायल हैं। इसके अलावा खारकीव में ही स्थित मिलिट्री अकेडमी पर भी रॉकेट से हमला हुआ था। वहां पिछले 9 घंटे से आग नहीं बुझ पाई है। यूक्रेन के गृह मंत्रालय के सलाहकार की तरफ से एक वीडियो भी जारी किया गया है। उनके मुताबिक, इस वीडियो में दिखाया गया है कि किस तरह वहां पुलिस विभाग की बिल्डिंग पर रूसी हमला हुआ। यूक्रेन के विदेश मंत्रालय की तरफ से एक ट्वीट किया गया है। इसमें लिखा है कि रूसी सेना ने प्रसूति गृह को तबाह कर दिया है। लिखा गया है कि अगर यह नरसंहार नहीं है तो क्या होगा? दूसरी तरफ यूक्रेनी मीडिया का दावा है कि खारकीव में अब लगातार धमाके हो रहे हैं। कुछ रॉकेट खारकीव स्थित मिलिट्री अकादमी पर भी गिरे थे। वहां पिछले 9 घंटे से आग लगी हुई है।

अमेरिकी लोगों के खिलाफ दांव लगाना कभी ठीक नहीं होगा : बाइडेन

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि उन्होंने अपने चीनी समकक्ष शी चिनफिंग से कहा कि अमेरिकी लोगों के खिलाफ दांव लगाना कभी ठीक नहीं होगा। उन्होंने कहा कि बाइडन प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है, कि अधिक हठी और सत्तावादी चीन का दीर्घकालिक मुकाबला करने का सबसे प्रभावी अमेरिकी तरीका अपने लोगों, अर्थव्यवस्था और लोकतंत्र पर निवेश है। बाइडन ने कहा, मैंने चिनफिंग को कह दिया कि अमेरिकी लोगों के खिलाफ दांव लगाना कभी ठीक नहीं होगा। हम लाखों अमेरिकियों के लिए अच्छे रोजगार सृजित करने वाले हैं , सड़कों, हवाई अड्डों, बंदरगाहों और जलमार्गों का आधुनिकीकरण करेगा। बाइडन ने कहा कि देश में इलेक्ट्रिक वाहनों के चार्जिंग के लिए देश में पांच लाख चार्जिंग स्टेशनों का जाल बिछाया जाएगा, हर बच्चे और हर अमेरिकी को घर में साफ पानी की आपूर्ति करने के लिए जहरीले सीसे (लीड) से बनी पाइपों को बदलने की शुरुआत होगी, हर अमेरिकी चाहे वह शहरी, अर्धशहरी, ग्रामीण या आदिवासी समुदाय का है उसे वहनीय कीमत पर उच्च गति की इंटरनेट सुविधा दी जाएगी। उन्होंने कहा, चार हजार परियोजनाओं की पहले ही घोषणा की जा चुकी है। बाइडन ने घोषणा की कि इस साल अमेरिका 65 हजार मील लंबे राजमार्गों और 1,500 सेतु की मरम्मत करेगा। राष्ट्रपति ने कहा, जब हम करदाताओं के धन का इस्तेमाल अमेरिका के पुनर्निमाण के लिए कर रहे हैं,तब हम अमेरिकी से, अमेरिकी उत्पाद खरीदने जा रहे हैं, ताकि अमेरिकी नौकरियों को समर्थन मिले।'' बाइडन ने इस दशक को अवसंरचना दशक घोषित करते हुए कहा कि यह अमेरिका को बदलने और देश 21 सदी में दुनिया से जिस तरह आर्थिक प्रतियोगिता का सामना कर रहा है, खासतौर पर चीन से उसे जीतने के लिए हमें सही दिशा देगा। राष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि उनका प्रशासन अमेरिकी उपकरणों को खरीदेगा ताकि सुनिश्चित किया जा सके कि विमानवाहक पोत से लेकर राजमार्ग बनाने के लिए।

रूसी परमाणु पनडुब्बियों ने बेरेंट सागर में शुरू किया युद्धाभ्यास, मोबाइल मिसाइल लांचर भी दिखा

मास्को । रूसी परमाणु पनडुब्बियों ने बेरेंट सागर में उतरकर अभ्यास की शुरुआत कर दी है। इस अभ्यास के दौरान बर्फ से ढंके साइबेरियाई क्षेत्र में मोबाइल मिसाइल लॉन्चर की भी चहलकदमी देखी गई। यूक्रेन पर हमले के बाद पश्चिमी देशों से तनाव बढ़ने को लेकर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा अपने देश के परमाणु बलों को हाई-अलर्ट पर रहने के आदेश देने के बाद यह अभ्यास किए जा रहे हैं। रूस के उत्तरी बेड़े ने एक बयान में कहा कि उसकी कई परमाणु पनडुब्बियां अभ्यास में शामिल रहीं, जिसका मकसद इन्हें विपरीत परिस्थितियों में सैन्य साजोसामान को लाने-जाने के लिए प्रशिक्षित करना है।रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रणनीतिक मिसाइल बलों की इकाई ने पूर्वी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रणनीतिक मिसाइल बलों की इकाई ने पूर्वी साइबेरिया के इरकुत्स्क प्रांत के जंगलों में अंतरमहाद्वीपीय विध्वंसक मिसाइल लांचर तैनात किए हैं। हालांकि रूसी सेना की तरफ से इस बात की पुष्टि नहीं की गई कि ये अभ्यास रविवार को पुतिन द्वारा यूक्रेन युद्ध के मद्देनजर परमाणु बलों को अलर्ट पर रखने से संबंधित हैं या नहीं।

चीन की खुली धमकी, अमेरिका ने ताइवान का समर्थन किया तो भारी कीमत चुकायेगा

बीजिंग।

रूस ने यूक्रेन में युद्ध छेड़ा हुआ है, तो ताइवान पर चीन ने अमेरिका को आंखें दिखाई हैं। अमेरिकी अधिकारियों का दल ताइवान की राजधानी ताइपे पहुंचा है। अब चीन ने खुली धमकी दी है कि अगर अमेरिका ताइवान की आजादी का समर्थन करता है तो उसे भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वेन वेनबिन ने कहा है कि ताइवान के लिए अपने तथाकथित समर्थन का प्रदर्शन करने के लिए किसी को भी भेजने के अमेरिकी कोशिश बेकार है। हम अमेरिका से एक-चीन के सिद्धांत का पालन करने के लिए कहते हैं। अमेरिका के ज्वाइंट चीफ्ट ऑफ स्टाफ के पूर्व अध्यक्ष माइकल मुलेन समेत पांच सदस्यों का दल ताइपे पहुंचा है। इस दल का ताइवान के विदेश मंत्री जोसेफ वू ने स्वागत किया है। ये दल दो दिन में राष्ट्रपति साई इंग वेन समेत दूसरे अधिकारियों से मुलाकात करेगा। अमेरिका ने ये दल ताइवान के साथ समर्थन जताने के लिए भेजा है। वहीं, अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री माइक पोम्पियो भी चीन पहुंच रहे हैं। चीन को ये बात चुभ रही है। चीन ने इसे लेकर अमेरिका को कड़ी चेतावनी दी है। वेन वेनबिन ने कहा, अगर अमेरिका ताइवान की आजादी को बढ़ाने की कोशिश करता है तो हम उसे चेतावनी देना चाहेंगे कि इससे केवल ताइवानी की आजादी चाहने वालों का नुकसान होगा। अमेरिका को अपने जोखिम भरे कामों लिए भारी कीमत चुकानी होगी। दरअसल अमेरिका को ताइवान में यूक्रेन जैसे हमले की आशंका सता रही है।

बीते कुछ महीनों में चीन ने अपनी सैन्य तैयारियां तेज की हैं। चीन बार-बार लड़ाकू जेट्स को ताइवान की सीमा पर भेजता है। कई बार चीनी युद्धपोत ताइवान की जलसीमा में भी दाखिल हो चुके हैं। चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता रहा है। अमेरिका ने एक वक्त में चीन की इसी नीति का समर्थन भी किया था, लेकिन बाद में बदल गया।

रूसी सैनिकों ने खारकीव के अस्पताल व टीवी टावर को बनाया निशाना, यूक्रेनी सैनिकों ने दिया मुंहतोड़ जवाब

कीव ।

यूक्रे न और रूस के बीच भीषण युद्ध छिड़ा हुआ है। इस बीच यूक्रेन की राजधानी कीव में रूसी सेना ने जमकर हमला किया। इस दौरान कई इमारतों के क्षतिग्रस्त होने की खबर है। इसके अलावा कीव में रातभर एयर साइरन बजता रहा। बताया जाता है कि खारकीव में रूसी सैनिक दाखिल हो चुके हैं और उनके हमले में एक अस्पताल क्षतिग्रस्त हो गया है। रूस ने दावा किया है कि वह सिर्फ सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बना रहा है। जबकि, ऐसे दावे गलत साबित होते दिखाई दे रहे हैं क्योंकि अस्पताल और टीवी टॉवर को भी निशाना बनाया गया है। यूक्रेन की सरकारी आपात स्थिति सेवा ने बताया कि टीवी टॉवर पर हमलों में 5 लोगों की मौत हो गई है तथा 5 अन्य जख्मी हुए हैं। यक्रे न के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने खारकीव में फ्रीडम स्क्वेयर पर हुए संग्राम के बाद कहा कोई इसे नहीं भूलेगा। इसे कोई माफ नहीं करेगा। इसी बीच 40 मील दूरी तक फैला रूसी टैंकों और अन्य वाहनों का काफिला धीरे-धीरे कीव की ओर बढ़ रहा है। देश की राजधानी कीव में करीब 30 लाख लोग रहते है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की यूक्रेनी सरकार को अपदस्थ करके रूसी समर्थक सत्ता की स्थापना करने की कोशिश में है। यूक्रेन में हुए युद्ध में मारे गए लोगों की संख्या अभी स्पष्ट नहीं है। हालांकि एक वरिष्ठ पश्चिमी खुफिया अधिकारी ने अनुमान जताया है कि 5,000 से अधिक रूसी सैनिक या तो कैद में हैं या मारे गए हैं। यूक्रेनी सेना को हुए नुकसान की अभी कोई जानकारी नहीं है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने बताया कि उसने 136 आम नागरिकों की मौत दर्ज की है, लेकिन मृतकों की वास्तविक संख्या इससे कहीं अधिक बताई जा रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन पर यूक्रेन के खिलाफ पूर्व नियोजित तथा अकारण युद्ध छेड़ने का आरोप लगाया है।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अमेरिका उनके द्वारा पेश की गई चुनौतियों का सामना करने को तैयार है। अपने पूरे इतिहास से हमने यह सबक सीखा है कि जब तानाशाह को अपनी आक्रामकता की कीमत नहीं चुकानी पड़ती तो वे और अधिक अराजकता फैलाने लगते हैं। वे आगे बढ़ते रहते हैं और अमेरिका तथा विश्व के लिए खतरा बढ़ता जाता है। जो बाइडेन ने स्टेट ऑफ द यूनियन संबोधन में कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूरोप में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) का गठन किया गया। आपको बता दें कि अमेरिका समेत 29 अन्य देश नाटो के सदस्य हैं और इसमें अमेरिकी कूटनीति मायने रखती है। राष्ट्रपति बाइडेन ने कहा कि पुतिन का युद्ध पूर्व नियोजित और अकारण है। उन्होंने कूटनीति के प्रयासों को खारिज कर दिया। उन्होंने सोचा था कि पश्चिमी देश और नाटो इसका जवाब नहीं देंगे। उन्हें लगा था कि वह हमारे घर में ही हमें बांट सकते हैं। पुतिन गलत थे।

पुतिन की धमकी के बाद रूस ने शुरू किया परमाणु अभ्यास

मास्को । रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के परमाणु मिसाइलों को अलर्ट किए जाने के बाद रूसी नौसेना ने सबमरीन और जमीन से दागे जाने वाली मिसाइलों के साथ परमाणु अभ्यास शुरू किया है। पुतिन के यूक्रेन पर हमले के बाद से ही रूसी सेना युद्ध के लिए तैयार स्थिति में है। रूस की नौसेना के उत्तरी फ्लीट ने बताया कि कई परमाणु सबमरीन को इस अभ्यास में शामिल किया गया है। इस दौरान तूफानी स्थिति में हमला करने का अभ्यास किया जा रहा है। रूसी नौसेना ने कहा कि कई जंगी जहाजों को देश के पश्चिमोत्तर इलाके में स्थित कोला प्रायद्वीप की रक्षा करने की जिम्मेदारी दी गई है, वे भी इसमें शामिल हो रही हैं। रूस के रक्षा मंत्रालय ने इस बात की पुष्टि की है कि घातक अंतरमहाद्वीपीय मिसाइल को गुप्त अभ्यास के दौरान साइबेरिया के इर्कूट्स्क इलाके से दागा गया है। हालांकि अभी रूसी रक्षा मंत्रालय ने यह नहीं बताया कि यह अभ्यास देश के सामान्य परमाणु प्रशिक्षण गतिविधियों में बदलाव को बताता है। इस पूरे इलाके में पूरे साल अब तक कई बार इस तरह के अभ्यास हो चुके हैं। यह परमाणु अभ्यास ऐसे समय पर हुआ है जब रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगू ने कहा था कि सभी रूसी परमाणु सैनिकों के काम के घंटे को बढ़ा दिया गया है। इससे पहले पुतिन ने रूस की परमाणु सेना को हाई अलर्ट पर करने का आदेश दिया था। अधिकारियों ने कहा कि उत्तरी और प्रशांत बेड़े की रणनीतिक मिसाइल फोर्स और लंबी दूरी तक मार करने वाली एविएशन कमांड जंग में उतरने को तैयार है। इससे पहले रूस के राष्ट्रपति कार्यालय के प्रवक्ता दमित्री पेस्कोव ने आरोप लगाया था कि नाटो देश उकसावे वाले बयान दे रहे हैं जो स्वीकार नहीं है।

यूक्रेन की एजोव रेजिमेंट ले रही रूस के सैनिकों से लोहा

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी कर चुके हैं सराहना

कीव।

रूस-यूक्रेन जंग सातवें दिन में प्रवेश कर चुकी है। 40 मील दूरी तक फैला रूसी टैंकों और अन्य वाहनों का काफिला धीरे-धीरे कीव की ओर बढ़ रहा है। लेकिन यूक्रेन के सैनिक रूस की ताकतवर सेना के डटकर मुकाबला कर रहे हैं। रूस-यूक्रे न जंग के बीच एक मिलिट्री रेजीमेंट की खूब सराहना हो रही है। यक्रेन की इस सेना की यूनिट का नाम एजोव रेजिमेंट है। इस रेजीमेंट को लेकर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी बयान दे चुके हैं। एजोव रेजिमेंट वॉलिंटियर इन्फैन्ट्री यूनिट है और इसकी शुरूआत मई 2014 में हुई थी। एजोव रेजिमेंट में करीब 900 सदस्य शामिल हैं। यूनिट में शामिल सभी सदस्य अति-राष्ट्रवादी होते हैं और इन पर नव-नाज़ी और श्वेत वर्चस्ववादी विचारधारा को शरण देने का आरोप लगाया गया है। इसे यूक्रे न गैंग के अति-राष्ट्रवादी देशभक्त और एक बटालियन के रूप में इस एजोव रेजिमेंट ने यूक्रेन के पूर्वी क्षेत्र डोनेट्स्क में रूसी समर्थक अलगाववादियों के खिलाफ फ्रंट लाइन में लड़ाई लड़ी थी। नव-नाजी सोशल नेशनल असेंबली (एसएनए) समूह से एक स्वयंसेवी समूह के रूप में गठित किया गया था। एक बटालियन के रूप में इस एजोव रेजिमेंट ने यूक्रेन के पूर्वी क्षेत्र डोनेट्स्क में रूसी समर्थक अलगाववादियों के खिलाफ फ्रंट लाइन में लड़ाई लड़ी थी। रूसी समर्थित अलगाववादियों से रणनीतिक बंदरगाह शहर मारियुपोल पर फिर से कब्जा करने के कुछ महीनों बाद यूनिट को आधिकारिक तौर पर 12 नवंबर, 2014 को यूक्रेन के नेशनल गार्ड में एकीकृत किया गया था और तत्कालीन राष्ट्रपति पेट्रो पोरोशेंको से तारीफ करते हुए कहा था कि ये हमारे सबसे अच्छे योद्धा हैं। इस यूनिट का नेतृत्व एंड्री बिलेत्स्की ने किया। उन्होंने यूक्रेन के पैट्रियट (2005 में स्थापित) और एसएनए (2008 में स्थापित) दोनों के नेता के रूप में कार्य किया। एसएनए को यूक्रेन में अल्पसंख्यक समूहों पर हमले करने के लिए जाना जाता है।

सुविचार — जो अप्राप्त वस्तु के लिए चिंता नहीं करता और प्राप्त वस्तु के लिए सम रहता है, वह संतुष्ट कहा जा सकता है। - महोपनिषद

संपादकीय

बिगड़ते हालात

सोमवार को बेलारूस सीमा पर जब युद्धरत रूस और यूक्रेन के प्रतिनिधियों की बातचीत शुरू हुई थी, तब एक उम्मीद बंधी थी कि शायद और अनर्थ होने से बचने की कोई सूरत निकल आए और खून-खराबे का दौर थम जाए। लेकिन वार्ता की नाकामी के बाद यह जंग अब एक बदसूरत मोड़ ले चुकी है। खबर है कि बेलारूस के हमले के साथ इसमें तीसरे पक्ष का प्रवेश हो चुका है और यह लड़ाई विश्व युद्ध की ओर बढ़ चली है। नाटो देश पहले ही प्रच्छन्न रूप से हथियारों व दूसरे संसाधनों से यूक्रेन की मदद कर रहे थे, अब यदि कोई देश सीधे उतर आया है, तो नाटो देशों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाएगी। जाहिर है, दुनिया के तमाम देशों को अपनी रणनीति नए सिरे से बनानी पड़ेगी, क्योंकि काफी सारे देश संयुक्त राष्ट्र से पृथक तरह-तरह के समझौतों में हितों की साझेदारी करते हैं। भारत जैसे देशों के लिए संतुलन साधने की चुनौती और अधिक उलझ गई है। रूस हमारा भरोसेमंद मित्र देश है और यूक्रेन से मधुर रिश्तों की गवाही हजारों छात्रों की वहां मौजूदगी देती है। ऐसे में, यूक्रेन के दूसरे बड़े शहर खारकीव में भारतीय छात्र नवीन शेखरप्पा की मौत बेहद दुखद है और देश अपने उन बच्चों की सलामती के लिए दुआएं मांग रहा है, जो अभी वहां फंसे हुए हैं। सोमवार को ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय बैठक में सरकार ने 'ऑपरेशन गंगा' को युद्ध-स्तरीय स्वरूप देने और यूक्रेन से लगे चार पड़ोसी देशों में अपने चार वरिष्ठ मंत्रियों को भेजने का फैसला किया था, ताकि उन सरकारों के सहयोग से अपने लोगों को सुरक्षित निकाला जा सके। यूक्रेनमें रह रहे भारतीयों के लिए दूतावास ने कल एक एडवायजरी भी जारी की थी कि वे जल्द से जल्द राजधानी कीव छोड़ दें, पर दुर्योग से कीव और खारकीव के हालात तेजी से बिगड़ते चले गए और तमाम अप्रिय समाचारों में एक पीड़ादायक सूचना नवीन के बारे में हमें मिली। यकीनन, इस खबर के बाद सरकार पर जल्द से जल्द वहां से सभी भारतीयों को निकालने का दबाव बढ़ गया है। चिंता की बात यह है कि यह काम अब कहीं अधिक जटिल हो चुका है। रूसी सेना ज्यादा आक्रामकता के साथ आगे बढ़ रही है और खारकीव के गवर्नर के मुताबिक, वह नागरिक ठिकानों को भी निशाना बना रही है। किसी भी युद्ध में दावों-प्रतिदावों की प्रामाणिकता हमेशा संदिग्ध होती है, और सच्चाई सिर्फ भुक्तभोगियों के साथ होती है। यह युद्ध भी थमेगा, मानवता को गहरे जख्म देकर, लेकिन इसके दुष्प्रभाव वर्षों तक दुनिया को सिहरन देते रहेंगे। कोरोना महामारी ने संसार भर के मुल्कों में गरीबों और कम आय वाले लोगों की जिंदगी मुश्किल बना रखी है। अब इस युद्ध के बाद एक बार फिर देशों के बीच अपनी फौजों को मजबूत करने की होड़ मचेगी, और जन-सरोकार के विषयों को हाशिये पर धकेला जाएगा। भारत जैसे देश के लिए तो चुनौती इसलिए भी गंभीर हो गई है कि हमारे पड़ोस में दो देश दशकों से हमारी परेशानियां बढ़ाते रहे हैं। कहते हैं, कठिन स्थितियों में ही किसी देश के राजनय की परीक्षा होती है। केंद्र सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारे बच्चे और कोई नुकसान उठाए बगैर यूक्रेन से सुरक्षित स्वदेश लौटें। इस युद्ध में भारत का रुख अब तक संतुलित रहा है, मगर आने वाले दिन उसके कठिन इम्तिहान के होंगे।

आज के कार्टुन

सही धर्म

श्रीराम शर्मा आचार्य

आज के समय में लोगों ने धर्म को मजहब या संप्रदाय का पर्यायवाची मान लिया है। वे 'धर्म' शब्द सुनते ही किसी मत-पंथ या संप्रदाय से समझते हैं। यह नितांत भूल है। इसी भूल के चलते धर्म की गरिमा संदिग्ध हो गई है और मनुष्य धार्मिक कहलाने में गर्व अनुभव करने के बदले संकोच अनुभव करता है। इस भ्रम को दूर करना जरूरी है। 'धर्म' कोई संप्रदाय नहीं, कोई मत-पंथ नहीं, बल्कि वह एक ऐसी रीति-नीति है, जो मानव को महामानव बनाकर खड़ा करती है। वह धारण करने की वस्तु है, न कि रटने भर की। उसे धारण करने पर ही वह अपेक्षित अनुदान दे सकने में समर्थ होता है। केवल रटने भर के धर्म में कोई ताकत नहीं होती जो किसी को कुछ दे दे। सृष्टि निर्माण में मानवी चेतना के प्रादुर्भाव के साथ ही कर्त्तव्य-अकर्त्तव्य की भावना ने सामाजिक प्राणी मानव के समक्ष धर्म का स्वरूप प्रस्तुत कर दिया। धर्म-भावना ईश्वरवादी सृष्टि से भी ऊंची है। संसार में कोई भी राष्ट्र, कोई भी प्राणी अधार्मिक होकर जी नहीं सकता। क्योंकि प्राणी मात्र के कल्याण के लिए जो कुछ भी संभव हो सकता है, वह सब धर्म की सीमाओं में रहकर ही हो सकता है। मनुष्य का धर्म यह है कि वह बाह्य व्यवहार एवं आन्तरिक वृत्तियों का परिशोधन करे, अपने मूल रूप को जीवन में व्यक्त करे। यही शुद्ध स्वरूप ज्ञान 'आत्मवत् सर्व भूतेषु' की श्रेष्ठतम भावनाओं को स्फुरित कर लोकमंगल को सहज साध्य बना सकता है। स्थूल स्तर पर हम धर्म को दो रूपों में देख सकते हैं। एक रूप वह जो देश, काल, पात्र के अनुरूप आचार संहिता प्रस्तुत करता है और आवश्यकतानुसार यथोचित परिवर्तन के साथ लोकमंगल की दिशाए सक्रिय बनाता है। धर्म का यह स्वरूप देश, काल और पात्र का सापेक्ष होता है। दूसरा स्वरूप वह है जो मूल तत्त्व है, शात है, अजर, अमर, अपरिवर्तनीय व अविनाशी है। यह मानवी आध्यात्मिक शक्तियों का उस चरम बिन्दु तक का विकास है, जहां धरती पर स्वर्ग और मनुष्य में देवत्व का अवतरण हो जाता है। अर्थात् मानव का बाह्य आचरण एवं आंतरिक विचारणा मानव मात्र के कल्याण की दिशा में उन्मुख हो जाते हैं। धर्म का यह स्वरूप सार्वभौम, सार्वकालिक एवं सर्वजनीन होता है।

चीन की आक्रामक नीति को गंभीरता से लेने की जरूरत

- ललित गर्ग

चीन की आक्रामक नीति भारत के लिये गंभीर खतरा है, लेकिन विश्व शांति एवं संतुलित विश्व-व्यवस्था के लिए एक बड़ा खतरा है, अशांति का कारण है। दुनिया के अधिकांश देश अब चीन की इस मंशा से वाकिफ हैं। भारत चीन के साथ सौहार्दपूर्ण संबंधों की लगातार कोशिश करता है, लेकिन तनाव लगातार बढ़ता ही जा रहा है, इस तनाव की जड़ सीमा विवाद तो है ही, लेकिन उसका अहंकार, सत्ता की महत्वाकांक्षा, स्वार्थ एवं स्वयं को शक्तिशाली-शांतिप्रिय दिखाने की इच्छा भी बड़े कारण हैं। इनसे भी बड़ी मुश्किल यह खड़ी हो गई है कि वह अक्सर ही ऐसे लिखित समझौतों को ताक पर रखकर षडयंत्रपूर्ण हरकतों को अंजाम देने में जरा नहीं हिचकिचा रहा जो भारत को उकसाने वाली होती हैं। ऐसी ही एक हरकत चीनी वेबसाइट पर हाल में ही प्रकाशित आठ हजार शब्दों के एक लेख में 1962 के भारत-चीन युद्ध का संशोधित इतिहास अंतरराष्ट्रीय प्रेक्षकों का ध्यान खींच रहा है जिसमें यह सिद्ध करने की कोशिश की गई है कि वह चीन का आक्रमण नहीं बल्कि भारत द्वारा किए गए हमले के जवाब में की गई कार्रवाई भर था। जाहिर है, यह चीन के उस दुष्प्रचार अभियान का हिस्सा है, जिसके तहत वह खुद को ऐसे शांतिप्रिय देश के रूप में पेश करता है, जिसने कभी किसी पर हमला नहीं किया और न ही किसी के क्षेत्र में घुसपैठ की। चीन की ओर से भारत के खिलाफ पेश की जा रही लगातार चुनौतियों के लिये सर्तक एवं सावधान रहने की अपेक्षा है। चीन की हर हरकत पर लगाम लगाना जरूरी है और उसके लिये विश्व की शक्तियों को सही तथ्यों से अवगत करते हुए चीन की आक्रामकता एवं विस्तारवादी गतिविधियों के प्रति सावधान करने की भी अपेक्षा है। भारत हमेशा से विश्व शांति का पक्षधर रहा है। मानवता गुलामी में न बंध जाए, भूगोलों की अपनी स्वतंत्रता कायम रहे, इसके लिये भारत द्वारा चीन की आक्रामकता की पोल दुनिया के सामने खोलना जरूरी है। म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने यही सफल एवं सार्थक कोशिश की है। उन्होंने कहा कि चीन के द्वारा सीमा समझौतों का उल्लंघन करने के बाद उसके साथ भारत के संबंध 'बहुत कठिन दौर' से गुजर रहे हैं। जयशंकर ने रेखांकित किया कि 'सीमा की स्थिति संबंधों की स्थिति का निर्धारण करेगी।' विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने चीन के रवैए को लेकर जो चिंता और नाराजगी जताई है, वह बेवजह नहीं हैं, उसकी गंभीरता को समझने की जरूरत है। पिछले दो वर्षों में तो चीन ने सारी हदें पार कर दीं। सीमा पर शांति बनाए रखने के लिए नए-पुराने सभी समझौतों की धज्जियां उड़ाते हुए गलवान जैसे गंभीर विवाद खड़े कर दिए। आखिर कौन भूल सकता है कि चीनी सैनिकों ने सीमा का उल्लंघन करते हुए भारतीय जवानों पर हमला कर दिया था और हमारे चौबीस जवान शहीद हो गए थे। लेकिन अब ज्यादा चिंता की बात यह है कि चीन गलवान विवाद को खत्म करने के बजाय और बढ़ाने पर ही तुला है। अब तक तेरह दौर की वार्ताओं में उसके रवैए से यही सामने आया है। ऐसे में भारत चिंतित होना लाजिमी है और अपनी सुरक्षा के लिए हरसंभव कदम भी उठाएगा ही। म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में विदेश मंत्री ने दो टूक शब्दों में दुनिया को उचित ही बताया है कि चीन किसी भी समझौते को मान नहीं रहा है और उसी का नतीजा है कि दोनों देशों के बीच रिश्ते बेहद खराब हो गए हैं। इसी महीने मेलबर्न में क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों के सम्मेलन और आस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री के साथ द्विपक्षीय वार्ता में भी भारत ने अपना पक्ष रखा। चीन के रवैया से भारत ही नहीं, सभी देशों की चिन्ता तो बढ़ ही रही है, बड़ी चुनौती का कारण भी बनी है। साथ ही क्षेत्रीय शांति भी खतरे में पड़ती जा रही है। चीन हरसंभव वह कोशिश कर रहा है जिससे भारत जबावी कार्रवाही करें और फिर विवाद खड़े हो। लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा के करीब हजारों सैनिकों को तैनात कर उसने मोर्चाबंदी शुरू कर दी। पिछले साल अगस्त में बड़ी संख्या में चीनी सैनिक उत्तरांखड के बाड़ाहोती सेक्टर में घुस आए थे और तीन घंटे तक वहां तोड़फोड़ करते रहे। अरुणाचल प्रदेश से लगती सीमा पर ऐसी घटनाएं आम हैं। गलवान विवाद से पहले लगभग साढ़े चार दशक तक भारत-चीन सीमा पर शांति बनी रही थी। भारत की ओर से कभी भी ऐसा कोई अनुचित कदम नहीं उठाया गया जो अशांति पैदा करता। लेकिन पिछले दो दशकों में चीन जिस तेजी से विस्तारवादी नीतियों पर बढ़ चला है और वह भारत से लगती लगभग चार हजार किलोमीटर लंबी सीमा पर ऐसी ही गतिविधियां जारी रखे हुए है, जिन पर भारत को सख्त एतराज रहा है। जबकि सीमा पर शांति बनी रहे, इसके लिए भारत और चीन के बीच 1996 में समझौता हुआ था। इस समझौते के अनुच्छेद-6 में साफ कहा गया है कि कोई भी पक्ष वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के दो किलोमीटर के दायरे में गोली नहीं चलाएगा। इतना ही नहीं, समझौते के मुताबिक इस क्षेत्र में बंदूक, रासायनिक हथियार या विस्फोटक ले जाने की अनुमति भी नहीं है। लेकिन चीन इन सब समझौता शर्तों को नजरअंदाज कर विश्व को भटकाने एवं तनाव पैदा करने की कोशिश कर रहा है। विश्व को गुमराह करने के लिये ही उसने अपनी वेबसाइट पर वास्तविक इतिहास को इस तरह तोड़मरोड़ कर सत्य को झूठा नकाब पहनाया है कि इसे पचाना किसी भी समझदार व्यक्ति के लिए संभव नहीं। जाहिर है, इतिहास को झूठलाना, अपनी आक्रामक नीतियों पर परदा डालना किसी शांतिप्रिय देश का लक्षण नहीं हो सकता। जहां तक 1962 युद्ध को लेकर बनाई जा रही नई धारणा का सवाल है तो इस लेख में कही गई बातें और इसमें दिए गए तथ्य ही इसके खिलाफ गवाही दे रहे हैं। वैसे भी 1962 युद्ध से जुड़े साक्ष्य आधारित विवरण मौजूद हैं, जो इस तरह के नए दावों की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करते हैं। इस तरह के झूठे, गुमराह करने वाले एवं भ्रामक इतिहास की प्रस्तुति से चीन को कुछ हासिल होने वाला नहीं है। चांग शियाकांग, जो पूर्व सैन्य कमांडर जनरल चांग ग्वोहुवा की बेटी हैं, वही यह 'संशोधित इतिहास' लेकर सामने आई हैं, उसने चीन को एक शांतिप्रिय देश ठहराने के लिये यह हरकत की है। चीन किस तरह का शांतिप्रिय देश है उसका अनुमान इन घटनाक्रम पर एक नजर डालने से ही पता चल जाता हैं। चीन हांगकांग के सवाल पर ब्रिटेन से, व्यापार को लेकर ऑस्ट्रेलिया से, ईस्ट चाइना सी के सेंकाकू द्वीपों के स्वामित्व के मसले पर जापान से, सैन्य शक्ति प्रदर्शन को लेकर अमेरिका से और साउथ चाइना सी पर नियंत्रण के सवाल पर साउथ ईस्ट एशियन देशों से पंगेबाजी करता रहा है। ताइवान और हांगकांग पर कब्जा करने की चीन की कोशिश, पाकिस्तान के गवाहदार सी पोर्ट पर विकास के नाम पर कब्जा लेना, पाकिस्तानी हुक्मरानों का मुंह पैसा देकर बंद करवा देना, नेपाल की शासकीय कम्युनिस्ट पार्टी को पैसे और सुरक्षा के लालच देकर नेपाल को चीन के हाथों गिरवी रखवा देना, यह सब चीन की विस्तारवादी नीति और तानाशाही सोच के उदाहरण है। चीन की क्रूरता पर रोक लगाना भारत, एशिया और पूरे विश्व का कर्तव्य है। चीन की बढ़ती महत्वाकांक्षाओं, पड़ोसी देशों की सीमाओं पर निरंतर अतिक्रमण करने और विश्व में अशांति फैलाने के विस्तारवादी, आसुरी और तानाशाही चरित्र को दुनिया जाने, यह अपेक्षित है। जब कोई बड़ा देश लिखित समझौतों का अनादर करने लगे तो यह पूरी अंतरराष्ट्रीय बिरादरी के लिए जायज चिंता की बात हो जाती है। इन कारणों से टकराव और युद्ध की संभावनाएं बढ़ रही है। भारत जैसे कुछ एशियाई देशों के समक्ष आने वाले सालों में काफी चुनौतियां होंगी, लेकिन समय रहते इससे निपटने के लिए उपाय एवं उपचार कर लेना अब नितांत जरूरी हो गया है और इसी से चीन की घेरेबंदी करना संभव होगा।

रूस-यूक्रेन युद्ध से भारत भी होगा प्रभावित, बढ़ सकती है महंगाई

- सतीश सिंह

भारत का रूस और यूक्रेन, दोनों के साथ कारोबारी संबंध है। साथ ही, हजारों की संख्या में भारतीय भी वहां रहते हैं। यूक्रेन में ज्यादातर लोग पढ़ाई करने जाते हैं, जबकि रूस में भारतीय पढ़ाई, नौकरी और कारोबार करने जाते हैं। यूक्रेन में फिलहाल लगभग 20 हजार छात्र फंसे हुए हैं, जिनमें अधिकांश मेडिकल के छात्र हैं, वहीं रूस में लगभग 14 हजार भारतीय फंसे हुए हैं। भले ही रूस ने यूक्रेन पर हमला कर दिया है, लेकिन अभी इस युद्ध में अमेरिका या अन्य देश सीधे तौर पर शामिल नहीं हुए हैं। सीधे युद्ध की जगह अमेरिका और नाटो ने रूस पर प्रतिबंध लगाने का रास्ता चुना है, लेकिन रूस पर लगाए गए प्रतिबंध बहुत प्रभावशाली नहीं हैं। रूस और प्रतिबंधों का सामना करने के लिए तैयार है। ऐसा लग रहा है कि रूस ने पूरी तैयारी के बाद ही यूक्रेन पर हमला करने का फैसला किया है। ऐसे में वैश्विक स्तर पर तनाव बने रहने और विभिन्न उत्पादों की आपूर्ति बाधित रहने की आशंका है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमत में लगभग 17 प्रतिशत की वृद्धि हो चुकी है, लेकिन भारत में पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों की वजह से अभी तेल की कीमतों में वृद्धि नहीं की जा रही है, लेकिन चुनाव परिणाम के बाद इसकी कीमत में निश्चित रूप से वृद्धि की जाएगी। अनुमान के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमत में बढ़ोतरी के अनुरूप भारत में भी तेल की कीमत में 15 से 20 रुपये तक की वृद्धि की जा सकती है। उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमत में एक डॉलर प्रति बैरल की वृद्धि से भारत में आयात होने वाले तेल की कुल लागत में लगभग 8,000 से 10,000 करोड़ रुपये की वृद्धि होती है। रूस और यूक्रेन की लड़ाई से भारत के तेल आयात का आंशिक रूप से प्रभावित होना तय है और इससे भारत के तेल आयात की लागत में बढ़ोतरी होगी, जिससे देश की विदेशी मुद्रा भंडार में कमी आ सकती है। हालांकि, भारत के पास अभी पर्याप्त मात्रा में विदेशी मुद्रा का भंडार है, लेकिन अगर युद्ध कुछ और दिनों तक या महीनों तक चलता है, तो उसके लिए मुश्किलें बढ़ जाएंगी। भारत की कुल ईंधन खपत में प्राकृतिक गैस की हिस्सेदारी लगभग छह प्रतिशत है और इसकी आपूर्ति के लिए वह पूरी तरह से आयात पर निर्भर है। भारत लाकर इसे पीएनजी और सीएनजी में परिवर्तित किया जाता है। फिर इसका इस्तेमाल कारखानों, बिजली घरों, सीएनजी वाहनों और रसोई घरों में होता है। घरेलू प्राकृतिक गैस की कीमत में एक डॉलर की बढ़ोतरी होने पर सीएनजी की कीमत भारत में लगभग पांच रुपये प्रति किलो बढ़ जाती है। युद्ध की वजह से भारत में सीएनजी की कीमत में 15 से 20 रुपये प्रति किलो तक वृद्धि हो सकती है। ट्रेडिंग इकोनॉमिक्स के आंकड़ों के अनुसार, भारत ने वर्ष 2020 में यूक्रेन से 1.45 अरब डॉलर का खाद्य तेल आयात किया था। युद्ध शुरू हो जाने से आपूर्ति श्रृंखला बाधित हो गई है और भारत में खाद्य तेल की कीमत में उछाल आने की आशंका है। इधर, भारत में वर्ष 2020 की तुलना में वर्ष 2021 में खाद्य तेल की कीमत में दोगुनी से भी ज्यादा की वृद्धि हो चुकी है। ऐसे में आम जनता की मुश्किल बढ़ सकती है। अलबत्ता युद्ध के कारण भारत से गेहूं का निर्यात बढ़ सकता है। रूस दुनिया के सबसे बड़े गेहूं निर्यातक देशों में से एक है, जबकि यूक्रेन विश्व में गेहूं का चौथा सबसे बड़ा निर्यातक देश है। दोनों देशों के गेहूं निर्यात को मिला दें, तो यह कुल वैश्विक निर्यात का लगभग एक चौथाई हिस्सा है। वहीं, भारत विश्व में गेहूं उत्पादन के मामले में दूसरा सबसे बड़ा देश है। इसलिए, कयास लगाए जा रहे हैं कि जो देश अभी रूस एवं यूक्रेन से गेहूं आयात कर रहे थे, वे अब भारत से गेहूं का आयात कर सकते हैं। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहा युद्ध जल्द खत्म होता नजर नहीं आ रहा है। ऐसे में भारत की मुश्किलें आगामी दिनों में बढ़ने की आशंका है। खास करके आम भारतीयों के लिए, क्योंकि वे पहले से ही महंगाई से त्रस्त हैं और मौजूदा युद्ध से देश में ईंधन की कीमत के साथ-साथ खाद्य उत्पादों, सब्जियों और अन्य सभी उत्पादों की कीमत में इजाफा होने की आशंका है।

सू-दोकू नवताल 2058

		6	4		5	8		
9				1				7
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
3				8				9
		8	6		9	5		

सू-दोकू -2057 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2058

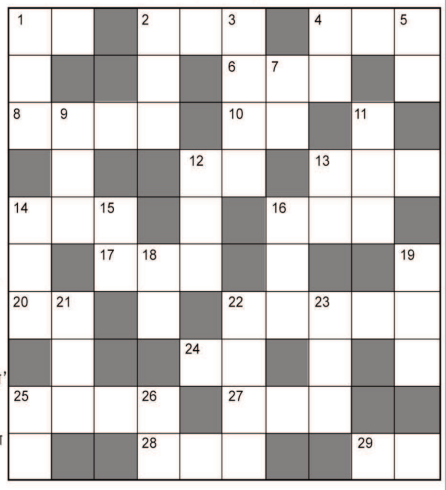

बायें से दायें:-

1. मनोज बाजपेयी, अरशद, तब्बू, की 'बाब मेरी ये' गीत वाली फिल्म-2
2. 'जीवन से भरी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-3
4. सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की 'हैलो हैलो बोलके' गीत वाली फिल्म-3
6. 'ऐसा मिलन कल हो ना' गीत वाली सैफअली, काजोल की फिल्म-3
8. कुमार गौरव, विजयेता की 'याद आ रही है' गीत वाली फिल्म-2,2
10. 'आँखें' ती नायिका कौन थी-2
12. 'दिल में छुपाके प्यार' गीत वाली दिलीपकुमार, निम्मी की फिल्म-2
13. दिलीपकुमार, मीना की 'राधा ना बोले ना' गीत वाली फिल्म-3
14. 'किसी से तुम' गीत वाली लारा दत्ता, प्रियंका, अक्षय की फिल्म-3
16. राजकपूर, राजेंद्र, वैजयंती की 'मैं क्या करूंराम' गीत वाली फिल्म-3
17. 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली अमिताभ, अमजद, नीतू की फिल्म-3
20. फिल्म 'कहानी किस्मत की' में धर्मेंद्र के साथ नायिका कौन थी-2
22. नसीर, आमिर, सौनाली, उपासना की 'जो हाल दिल' गीत वाली फिल्म-5
24. 'दिल में जागी धड़कन' गीत वाली लकी अली, गौरी की फिल्म-2
25. अशोककुमार के गाये बालगीत 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' वाली फिल्म-4
27. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी देओल, अमीषा की फिल्म-3
28. संजयदत्त, मनीषा की 'कसम से कसम से' गीत वाली फिल्म-3
29. अजय, अभिषेक, रानी, एशा की 'कभी नीम नीम' गीत वाली फिल्म-2

ऊपर से नीचेः-

1. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-3
2. संजयदत्त, जूही चावला की 'आलारे पाउस अला' गीत वाली फिल्म-3
3. आशुतोष गोवारीकर की बहुचर्चित फिल्म 'लगान' के संगीतकार कौन हैं-4
4. जीतेंद्र, रीना रामेश्वरी की फिल्म-2
5. संजय खान, मुमताज की 'ऐ हसीनों नाजनीनों' गीत वाली फिल्म-2
7. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, ट्विंकल की फिल्म-2
9. फिल्म 'मन की आँखें' की नायिका थी-3
11. शाहरूख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-3
12. 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली जैकी, जूही, अमृता की फिल्म-3
13. राजकपूर, नर्गिस की 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली फिल्म-2
14. 'तन्हा तन्हा दिल धड़के' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली की फिल्म-3
15. 'अभिमान' में अमिताभ की नायिका-2
16. राज बब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो' गीत वाली फिल्म-3
18. राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-2
19. 'बेचारा दिल क्या करे' गीतवाली फिल्म-3
21. धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-3
22. 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-4
23. अमिताभ, संजीव, शर्मिला की फिल्म-3
25. 'मैं तो हूँ पागल मुंडा' गीत वाली फिल्म-2
26. संजयदत्त, सलमान, रवीना की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2057

ध	ड़	क	न	■	को	■	सें	स	र
मां	■	र्ज	■	मो	ह	रा	■	द	■
■	कं	■	आ	■	रा	ज	कु	मा	र
अ	प	ना	प	न	■	■	ली	■	न
■	नी	■	की	■	ओ	म	■	हि	■
चे	■	ता	क	त	■	म	हा	रा	जा
त	ब्बू	■	स	■	दा	ता	■	स	■
ना	■	प्रे	म	रो	ग	■	सौ	त	न
■	द	म	■	श	■	स	दा	■	ग
म	र्द	■	जा	न	व	र	■	हे	मा

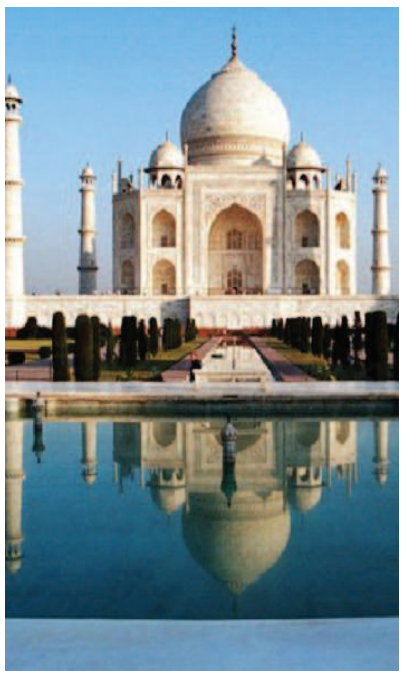

अगर आपने ताजमहल नहीं देखा तो अब देर न करिए

ताजमहल दुनिया के 7 अजूबों में से एक है। ताजमहल की खूबसूरती को देखने के लिए दुनियाभर से लोग आते हैं और अगर आप भारत में रहकर भी अब तक ताजमहल नहीं देख पाए हैं तो अब और देर न करिए। जितनी जल्दी हो सके जाएं और देखकर आएं, इस ऐतिहासिक इमारत की खूबसूरती ने दुनियाभर के लोगों को अपना दीवाना बनाकर रखा है। इससे पहले की आप ताजमहल घूमने का प्लान बनाएं, हम यहां आपको इससे जुड़ी कुछ जरूरी बातें बता देना चाहते हैं, जिससे की आपकी यह यात्रा बिना किसी परेशानी बिल्कुल आराम से बीते...

ताजमहल कैसे पहुंचें?

आगरा भारत का एक प्रमुख शहर है। इसलिए हवाई मार्ग हो या रेल मार्ग हो या फिर सड़क मार्ग। आगरा भारत वर्ष के सभी प्रमुख शहरों से सभी मार्ग द्वारा भलीभांति जुड़ा है।

हवाई मार्ग

अगर आप हवाई मार्ग द्वारा आगरा जा रहे है तो आगरा का पंडित दीनदयाल उपध्याय हवाई अड्डा ताज महल से 16 किमी की दूरी पर स्थित है। यहां से आप आसानी से टैक्सी या आटो द्वारा आसानी से ताजमहल पहुंच सकते है। महानगर होने के नाते यहा काफी ट्रैफिक रहता है। जिसके कारण आपको आगरा एयर पोर्ट से ताजमहल पहुंचने में लगभग 40 मिनट लग सकते हैं, अगर ट्रैफिक न हो तो यह मार्ग सिर्फ 20-25 मिनट का है।

रेल मार्ग

यदि आप रेल मार्ग द्वारा आगरा जा रहे हैं तो आगरा फोर्ट रेलवे स्टेशन से ताजमहल की दूरी लगभग 2.5 किमी है। रेलवे स्टेशन से ताजमहल के लिए ऑटो और रिक्शा वालों की काफी भीड़ लगी रहती है। अगर आपके पास भारी लगेज नही है तो आप आगरा के किले का बाहरी भाग के दर्शन करते हुए किले के सामने से होते हुए शिवाजी चौक से ताजमहल पहुंच सकते हैं। शिवाजी चौक से ताजमहल का सेप्रेट रास्ता गया है, जो पश्चिमी गेट पर जाता है। कार, टैक्सी या ऑटो से आने वाले यात्री भी इसी मार्ग से जाते हैं। इसी सेपरेट मार्ग पर कुछ दूरी पर ताजमहल कार पार्किंग है।

सड़क मार्ग

अगर आप कार द्वारा दिल्ली से आगरा जा रहे हैं तो नोयडा आगरा एक्सप्रेस वे से जा सकते हैं। यह सुविधाजनक एवं फास्टेट रूट है। इसके आलावा आप दिल्ली से मथुरा होते हुए पुराने हाइवे से भी आगरा पहुंच सकते हैं।

कार पार्किंग

ताजमहल कार पार्किंग से ताजमहल की दूरी लगभग 700-800 मीटर है। आप चाहे एयर पोर्ट से टैक्सी से जाएं या रेलवे स्टेशन से ऑटो से जाएं या फिर अपनी कार से जाएं पहुंचना आपको कार पार्किंग में ही है। कार पार्किंग पर पहुंचते ही आपको ऊंट गाड़ी और बैट्री गाड़ी वाले घेर लेंगे, क्योंकि कार पार्किंग से ताजमहल के बीच की इस दूरी में बैट्री गाड़ियां व ऊंट गाड़ियां चलती हैं, जो बीस से तीस रुपए प्रति सवारी लेते हैं। कार पार्किंग से आगे किसी भी तरह के प्राइवेट वाहनों के जाने की अनुमति नहीं होती है। आप कार पार्किंग से ताजमहल गेट तक पैदल भी जा सकते हैं। 700 मीटर की दूरी कोई ज्यादा नहीं होती है।

अमानती घर

मार्ग के रास्ते में स्थित अमानती घर में आप अपना सामान रख सकते हैं, क्योंकि ताजमहल के अंदर किसी भी प्रकार का अटैची, बेग (हैंड बेग को छोड़कर) किसी भी तरह का खाने-पीने का सामान खाना, बिस्कुट, चिप्स, पान, बीड़ी, सिगरेट (पानी की बोतल को छोड़कर) किसी भी तरह का हथियार चाकू व नशीले पदार्थ आदि अंदर ले जाना मना है। मोबाइल और कैमरा ले जा सकते हैं। बाकी आपके पास जो सामान है, उसे आप अमानती घर में सुरक्षित रख सकते हैं।

शूज कवर

यही टिकट खिड़की के पास ही आपको शूज कवर बेचने वाले भी मिल जाएंगे। उनसे आप बीस रुपए देकर शूज कवर खरीद लें, क्योंकि ताजमहल के संगमरमर के चबूतरे पर जूते-चप्पल लेकर जाना मना है। वही टिकट खिड़की के पास आपको गाइड और फोटोग्राफर घेर लेंगे, जो आपको कई तरह के प्रलोभन भी देंगे (जैसे - सॉटकट से अंदर ले जाना का) क्योंकि एंट्री गेट पर चैकिंग प्वाइंट पर काफी लंबी कतार होती है या तो आप उनसे सही एवं पहले ही मोल-भाव कर तय कर लें या फिर टिकट कांटर से पर्यटन विभाग द्वारा गाइड हायर कर सकते हैं। चैकिंग प्वाइंट पर महिला, पुरुष व विदेशियों की अलग-अलग लाइनें होती हैं। यहां ज्यादा समय नही लगता 20-25 मिनट में आप अंदर पहुंच सकते हैं।

अलग-अलग प्रवेश द्वार

ताजमहल में एंट्री करने के लिए तीन गेट्स हैं, जो पूर्व, पश्चिम और दक्षिण में मौदूद हैं। इन तीनों गेट्स में जिस गेट पर लोगों की भीड़ सबसे कम होती है वह है इसका पश्चिमी गेट। इस गेट से आप आसानी से ताजमहल के परिसर में एंट्री कर सकते हैं।

शुक्रवार को न जाएं ताजमहल

आमतौर पर ताजमहल रोजाना सुबह 6 से शाम 7 बजे तक खुला रहता है, लेकिन शुक्रवार को इसे नमाज के लिए बंद रखा जाता है। पूर्णमासी के दिन ताजमहल के गेट्स रात 8.30 बजे से 12.30 बजे तक खुले रहते हैं। चांद की रोशनी में ताजमहल बेहद खूबसूरत लगता है। यहां ध्यान रखने वाली बात यह है कि रमजान के पवित्र महीने में आप रात के वक्त ताजमहल का दीदार नहीं कर सकते।

आगरा घूमने आए हैं तो ताजमहल को लास्ट में देखें

यहां हम आपको एक ट्रिक बता रहे हैं, जिससे आप ताजमहल के टिकट पर थोड़ा डिस्काउंट प्राप्त कर सकते हैं। अगर आप आगरा में दो-तीन दिन के लिए हैं तो ताजमहल घूमने का प्लान अपनी यात्रा के आखिरी दिन रखिए। दरअसल अगर आगरा के किसी और टूरिस्ट डेस्टिनेशन जैसे आगरा फोर्ट से ताजमहल की टिकट खरीदते हैं तो आपको इस पर कुछ छूट मिल सकती है। यहां आपको इस बात का ध्यान रखना है कि जारी किए गए टिकट पर उसी दिन का स्टैंप हो जिस दिन आपको ताजमहल जाना है।

अलग लोगों के लिए अलग कीमत

अगर आप भारतीय हैं तो आपको ताजमहल देखने के लिए 50 रुपए की टिकट खरीदनी पड़ेगी। 15 साल से कम के बच्चों के लिए एंट्री फ्री है। विदेशी पर्यटकों के लिए टिकट का दाम 1100 रुपए है। आप इन टिकटों को एक दिन अडवांस में सुबह 10 से शाम 6 बजे के बीच आर्केलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के ऑफिस से ले सकते हैं।

क्या लेकर नहीं जा सकते ?

सुरक्षा कारणों से कुछ ऐसी चीजे हैं, जिनके साथ आप ताजमहल के अंदर नहीं जा सकते। ट्राईपॉड, मोबाइल फोन चार्जर, खाने-पीने की वस्तुएं व तंबाकू जैसी चीजें यहां बैन है। हालांकि यहां एक लॉकर रूम है, जहां आप अपने सामान को सुरक्षित तरीके से जमा कर सकते हैं और वापस लौटने पर यहां से अपने सामान को ले सकते हैं।

यह है बेस्ट सीजन

अगर मुमकिन हो तो ठंड के मौसम में ताजमहल घूमने का प्लान न बनाएं, क्योंकि कोहरे के कारण इसकी खूबसूरती खिल के बाहर नहीं आती। ताजमहल घूमने का बेस्ट सीजन होता है मार्च से जून। अगर आप ताजमहल घूमने का प्लान बना रहे हैं तो बस ऊपर बताई गई इन टिप्स का ध्यान रखें और अपनी ताज यात्रा को यादगार बनाएं।

ताजमहल के बारे में रोचक बातें, जो आपको नहीं होंगी पता

ताजमहल मुगल वास्तुकला का सबसे उत्कृष्ट नमूना है। मोहब्बत की इस निशानी को शाहजहां ने अपनी बेगम मुमताज के लिए बनाया था। दुनियाभर से करोड़ों की संख्या में पर्यटक ताजहमल देखने के लिए आगरा आते हैं। हर प्रेमी जोड़े की ख्वाहिश होती है कि वह ताजमहल जाकर अपनी प्रेमिका के साथ तस्वीर खिंचवाए। इश्क की इस निशानी को निहारे, संगमरमर की इमारत की खूबसूरती को अपनी स्मृतियों में कैद कर लें। आइए आपको ताजमहल के बारे में 10 रोचक बातें बताते हैं जो आपको सोचने पर मजबूर कर देंगी।

- ताजमहल के निर्माण में 22 साल लगे थे।
- 22,000 से ज्यादा मजदूरों ने ताजमहल के निर्माण में काम किया था।
- 1,000 हाथियों के जरिए ताजमहल के निर्माण सामग्री को लाया गया था।
- ताजमहल के निर्माण में उस वक्त 3.2 करोड़ रुपए का खर्च आया था।
- ताजमहल के निर्माण के लिए विभिन्न एशियाई देशों से बहुमूल्य पत्थरों को लाया गया था।
- 28 तरह के रत्नों को श्रीलंका से लेकर चीन और भारत के विभिन्न राज्यों से लाया गया था।
- संगमरमर के सफेद पत्थर को राजस्थान से लाया गया था।
- तिब्बत से नीला रत्न, श्रीलंका से पन्ना, पंजाब से जैस्पर और क्रिस्टल को चीन से मंगाया गया था।
- ताजमहल की वास्तु शैली में फारसी, तुर्क, भारतीय और इस्लामी वास्तुकला का मिश्रण है।
- ताजमहल का निर्माण 1632 ईश्वी में शुरू हुआ था और 1653 में गुम्बद बनकर तैयार हुआ।
- अगर आप भी मुहब्बत की इस सबसे विश्व प्रसिद्ध निशानी को देखना चाहते हैं तो ताजमहल जरूर जाएं।
- आप दिल्ली में रहते हैं तो सिर्फ ताज एक्सप्रेस हाईवे से सिर्फ साढ़े तीन घंटे में आगरा पहुंच सकते हैं।

बड़ी अद्भुत है ताजमहल के निर्माण की कहानी

यमुना नदी के किनारे सफेद पत्थरों से निर्मित अलौकिक सुंदरता की तस्वीर ताजमहल आज न केवल भारत में, बल्कि पूरे विश्व में अपनी पहचान बना चुका है। प्यार की इस निशानी को देखने के लिए दूर देशों से हजारों सैलानी यहां आते हैं। प्यार का प्रतीक माने जाने वाले ताजमहल की खूबसूरती जितनी चर्चा में रहती है, उतनी ही इसके बनने की कहानियां चर्चा में रहती हैं। ताजमहल को बनाने को लेकर अलग-अलग मिथ हैं। कहा जाता है कि मुमताज की याद में बनायी गई इस खूबसूरत इमारत जैसी कोई और इमारत न बने, इसलिए शाहजहां ने कारीगरों के हाथ कटवा दिए थे। ताजमहल को बनाने में करीब 20 हजार मजदूरों ने योगदान दिया था। और इसका काम करीब 22 साल तक चला।

हालांकि कारीगरों के हाथ कटवाने की एक और भी कहानी बताई जाती है। माना जाता है कि शाहजहां ने कारीगरों के हाथ नहीं कटवाए थे, बल्कि उनसे ताउम्र काम न करने का वादा लिया था, जिसके बदले में उन्हें जिंदगी भर वेतन दिया गया था। वहीं एक मिथक ये भी है कि शाहजहां ने ताजमहल ख्वाब में देखकर बनवाया था, लेकिन ताजमहल के नक्शे के हिसाब से इतिहासकारों की मानें तो इसके डिजाइन के लिए पूरी दुनिया के वास्तुशास्त्रों की मदद ली गई थी, लेकिन इसका सटीक डिजाइन किसने तैयार किया था, इसके बारे में कोई सबूत नहीं है। ताजमहल को लेकर ऐसे ही कई मिथक हैं जिनके बारे में कई तरह की कहानियां कही जाती हैं। बता दें कि ताजमहल शाहजहां की तीसरी बेगम मुमताज महल की मजार है। मुमताज के

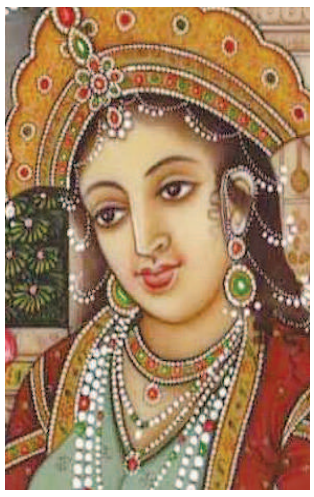

गुजर जाने के बाद उनकी याद में शाहजहां ने ताजमहल बनवाया था। कहा जाता है कि मुमताज महल ने मरते वक्त मकबरा बनाए जाने की ख्वाहिश जताई थी, जिसके बाद शाहजहां ने ताजमहन बनावाया। ताजमहल को सफेद संगमरमर से बनवाया गया है। इसके चार कोनों में चार मीनारें हैं। शाहजहां ने इस अद्भुत चीज को बनवाने के लिए बगदाद और तुर्की से कारीगर बुलवाए थे। माना जाता है कि ताजमहल बनाने के लिए बगदाद से एक कारीगर बुलवाया गया, जो पत्थर पर घुमावदार अक्षरों को तराश सकता था।

इसी तरह बुखारा शहर से कारीगर को बुलवाया गया था, वह संगमरमर के पत्थर पर फूलों को तराशने में दक्ष था। वहीं गुंबदों का निर्माण करने के लिए तुर्की के इस्तम्बुल में रहने वाले दक्ष कारीगर को बुलाया गया और मिनारों का निर्माण करने के लिए समरकंद से दक्ष कारीगर को बुलवाया गया था और इस तरह अलग-अलग जगह से आए करीगरों ने ताजमहल बनाया था।

आगरा के अन्य दर्शनीय स्थल

आगरा में ताजमहल के अलावा अन्य दर्शनीय स्थल हैं, जो बरबस यहां आने वाले पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। इनमें प्रमुख हैं-

आगरा का लाल किलाः जिस स्थान पर आगरा का किला स्थित है, बहुत समय पहले यहां बादलगढ़ का किला हुआ करता था। हालांकि समय के साथ-साथ वह किला नष्ट हो गया था। मुगल सम्राट अकबर ने 1563 ई. से 1573 ईस्वी तक लगभग 8 वर्षों में बादलगढ किले के ध्वंस अवशेषों पर इस किले का निर्माण करवाया था। मुगल सम्राट अकबर ने इस किले में अकबरी महल, जहांगीरी महल, प्राचीर तथा प्रवेश द्वार अकबर ने बनवाए थे, जबकि शीश महल, खास महल, दीवाने आम और दीवाने खास तक मोती मस्जिद का निर्माण अकबर के पोते सम्राट शाहजहां ने करवाया था। इस किले में दिल्ली दरवाजा, अमरसिंह दरवाजा, दरियाई दरवाजा तथा दर्शनी दरवाजा नामक चार दरवाजे हैं। पर्यटको के लिए प्रवेश द्वार के रूप में अमर सिंह दरवाजा ही खुला होता है। किले के अंदर तीन मस्जिदें भी हैं – मीना मस्जिद, शाही मस्जिद और नगीना मस्जिद जो दर्शनीय है।

रामबागः यह बाग अपनी हरियाली और सुंदरता से यहां आने वाले पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। बाबर द्वारा बनाए गए इस बाग के बारे में कहा जाता है कि यह भारत का पहला मुगल उद्यान था। इस बाग के सौंदर्य को पास बहती यमुना नदी और भी मनमोहक बना देती है।

प्यार की निशानी ताजमहल की ये 5 बातें आपको कर देंगी हैरान

ताजमहल, उसकी खूबसूरती और उससे जुड़ी खूबसूरत यादों के बारे में सभी बातें करते हैं। मगर इस धरोहर के बारे में जितना सुनों उतना कम ही लगता है, परंतु इसमें से कुछ हकीकत और कुछ फसाना भी हैं। हम यहां आपको ताजमहल से जुड़ी ऐसी 5 बातें बता रहे हैं, जो संभवतः आप नहीं जानते होंगे-

आगरा में नहीं बनना था ताजमहल

ताजमहल का निर्माण आगरा में नहीं होने वाला था, मुमताज महल जिसके लिए ताजमहल बनवाया गया था, उनकी मौत दरअसल आगरा में हुई ही नहीं थी, उनकी मौत बुरहानपुर में हुआ था, जो आज के समय में मध्य प्रदेश में है। शाहजहां ने ताज महल के लिए बुरहानपुर में ताप्ती नदी के ठीक किनारे एक जगह पसंद की थी, लेकिन बुरहानपुर में जरूरत के अनुसार सफेद मार्बल नहीं पहुंच सके, इसलिए बाद में ताजमहल आगरा में बनाने का फैसला किया गया। बुरहानपुर में ताप्ती नदी के किनारे आज भी वह जगह विरान पड़ी है।

क्या सच है कि काला ताजमहल भी होता ?:

ताजमहल के बारे में कहा जाता है कि शाहजहां यमुना के किनारे काले संगमरमर में ताजमहल की प्रतिकृति बनाना चाहते थे। शाहजहां को यह विचार जीन-बैप्टिस्ट टैवर्नियर नाम के एक यूरोपीय यात्री ने दिया था, जो 1665 में आगरा में था। दावा यह भी किया जाता है कि औरंगजेब के कारण शाहजहां की योजना पूरी नहीं हो सकी, क्योंकि औरंगजेब ने अपने पिता शाहजहां को कैद कर लिया था। यमुना नदी से लगे महताब बाग में कुछ काले मार्बल देखे भी गए थे, लेकिन बाद में जांच परख के बाद इतिहासकारों और आर्केलॉजिस्ट सोसाइटी ने इस बात का खुलासा किया कि दरअसल महताब बाग में मिले काले मार्बल गंदगी के कारण काले पड़ गए हैं। वह मूल रूप से सफेद ही थे, इसलिए यह बात अफवाह से कम नहीं कि शाहजहां काले ताजमहल भी बनवाना चाहता था।

क्या सचमुच कारीगरों के हाथ काटे गए थे?

ताजमहल के बारे में यह कहा जाता है कि उसने ताजमहल बनाने वाले सभी कारीगरों के हाथ काट दिए थे और कुछ को मार भी दिया था, लेकिन इतिहास में कहीं भी इस बात का साक्ष्य नहीं पाया गया।

ताजमहल को उजाड़ना चाहते थे अंग्रेज?

ताजमहल से जुड़ी कहानियों में एक नाम और आता है, भारत के गर्वनर जनरल लॉर्ड विलियम बेनटिंक का। कहा जाता है कि लॉर्ड ताजमहल को गिराना चाहता था और उसके मार्बल की नीलामी करना चाहता था। इस बात के भी कहीं सबूत नहीं पाए गए। हालांकि उसके बायोग्राफर जॉन रोसेली ने अपनी किताब में एक जगह लिखा है कि आगरा फोर्ट को बनाने के बाद बचे हुए मार्बल्स को लॉर्ड ने नीलाम कर दिया था।

ताजमहल में लगा है एक लैंप

ताजमहल में एक लैंप लगा हुआ है। कहा जाता है कि इसे बनाने में दो वर्ष का वक्त लगा था। इसे खास ताजमहल की नक्काशी को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया था। इसे मिश्र के कुछ कलाकार और टोड्रोस बदीर नाम के आर्टिस्ट ने मिलकर बनाया था।

ताजमहल के रहस्य

- आपको यह जानकर हैरानी होगी की ताजमहल का आधार (नीव) लकड़ी पर टिकी है। इस लकड़ी की खासियत यह है कि यह लकड़ी जितनी पानी में रहती है, उतनी ही ज्यादा मजबूत होती है। यमुना नदी का पानी आज भी इस लकड़ी को मजबूत करता है।
- ताजमहल की छत में एक छेद है, जिसमें से बरसात के समय आज भी पानी टपकता है। इसके बारे में एक दंतकथा प्रचलित है कि शाहजहां ने ताजमहल बनने के बाद सभी कारीगरों के हाथ कटवाने का ऐलान कर दिया था। ऐसा माना जाता है कि शाहजहां चाहते थे कि ऐसी खूबसूरत इमारत दोबारा न बनाई जा सके। शाहजहां के इस फैसले से कारीगर नाराज हो गए, जिसके फलस्वरूप कारीगरों ने जानबूझकर ताजमहल के गुंबद में एक छेद छोड़ दिया था। हालांकि इस कहानी का कोई ऐतिहासिक सत्य नहीं है। ताजमहल का इतिहास में बस यह एक प्रचलित कथा है।
- सन् 1983 में ताजमहल को यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर घोषित किया गया।
- ताजमहल का इतिहास का सबसे बड़ा पुरस्कार है कि ताजमहल दुनिया के सात अजूबो में शामिल है।
- ताजमहल में लगे फव्वारे किसी भी पाइप लाईन से नही जुड़े हैं। बल्कि हर फव्वारे के नीचे एक तांबे का टैंक बना हुआ है, जो सभी एक ही समय पर भरते हैं और दबाव बनने पर एक साथ सभी फव्वारे चल जाते हैं।
- ताजमहल वर्ल्ड में एक दिन में सबसे ज्यादा देखी जानी वाली इमारत है। ताजमहल को एक दिन में लगभग 12000 सैलानी देखते हैं।
- ताजमहल की कलाकृति में 28 तरह के कीमती पत्थरों को लगाया गया है।
- ताजमल की चारों मीनारें एक दूसरे की ओर झुकी हुई हैं।
- शाहजहां ने जब पहली बार ताजमहल का दीदार किया तो उसने कहा कि ये सिर्फ प्यार की कहानी बयां नहीं करेगा, बल्कि उन सबको दोष मुक्त भी करेगा, जो इस पाक जमीं पर अपने कदम रखेंगे और चांद सितारे इसकी गवाही देंगे।
- द्वितीय विश्व युद्ध 1971 भारत-पाक युद्ध के समय इस भव्य इमारत को सुरक्षा की दृष्टि से ताजमहल के चारों ओर बांस का सुरक्षा घेरा बनाकर उसे हरे रंग की चादर से ढक दिया गया था।

भारतपे ने अशनीर ग्रोवर को कंपनी से हटाया

नई दिल्ली । वित्तीय-प्रौद्योगिकी कंपनी भारतपे ने बुधवार को कहा कि उसके सह-संस्थापक अशनीर ग्रोवर को कंपनी में सभी पदों से हटा दिया गया है। भारतपे ने कंपनी के कोष में बड़े पैमाने पर अनियमितता में ग्रोवर के परिवार और संबंधियों की लिप्तता भी पाई है। कंपनी ने कहा` कि निदेशक मंडल ग्रोवर परिवार के निंदनीय आचरण से भारतपे, इसके मेहनती कर्मचारियों और विश्व स्तरीय प्रौद्योगिकी की प्रतिष्ठा को धूमिल नहीं होने देगा। ग्रोवर अपने गलत कामों की वजह से अब कंपनी के संस्थापक या निदेशक या कर्मचारी तक नहीं हैं। ग्रोवर ने प्रबंध निदेशक के पद से मंगलवार को इस्तीफा दे दिया था। बयान के मुताबिक ग्रोवर परिवार और उनके संबंधी कंपनी के कोष में बड़े पैमाने पर अनियमितता में लिप्त रहे हैं।

श्रीराम ऑटोमॉल ने एक दिन में 7,900 पुराने वाहन बेचे

मुंबई । श्रीराम ऑटोमॉल इंडिया लिमिटेड (सामिल) ने कहा कि उसने अपने सालाना नीलामी आयोजन में एक दिन में ही 7,900 पुराने वाहनों एवं अन्य संपत्तियों की नीलामी कर 215 करोड़ रुपए के लेनदेन किए। कंपनी ने कहा कि 26 फरवरी को अपने सालाना ऑनलाइन नीलामी कार्यक्रम के दौरान उसने एक ही दिन में 7,900 पुराने वाहनों की नीलामी की। इस नीलामी से 215 करोड़ रुपए मूल्य के लेनदेन किए गए। कंपनी के मुताबिक उसके पास 14,500 पुराने वाहन एवं वाहन उपकरण नीलामी के लिए पंजीकृत थे। इनमें कारें, ट्रक, निर्माण एवं खेती उपकरण, दोपहिया एवं तिपहिया वाहन भी शामिल थे।

व्हाट्सऐप ने जनवरी में 18.58 लाख भारतीय खाते प्रतिबंधित किए

नई दिल्ली । व्हाट्सऐप ने जनवरी 2022 में 18.58 लाख भारतीयों के खातों पर रोक लगाई है। कंपनी ने अपनी मासिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। कंपनी ने नियमों का उल्लंघन करने वालों को रोकने और उनका पता लगाने के लिए अपने शिकायत विभाग तथा अपने तंत्र के जरिए उपयोगकर्ताओं से प्राप्त शिकायतों के आधार पर यह कार्रवाई की है। व्हाट्सऐप को 495 भारतीय खातों के खिलाफ शिकायतें मिलीं, जिसमे से 285 खातों को बंद करने की अपील की गई थी और उसमें से 24 को प्रतिबंधित कर दिया गया। भारतीय खातों के खिलाफ शिकायतें मिलीं, जिसमे से 285 खातों को बंद करने की अपील की गई थी और उसमें से 24 को प्रतिबंधित कर दिया गया। रिपोर्ट के अनुसार 18.58 लाख खातों में से ज्यादातर को कंपनी ने अपने संसाधनों के जरिये हानिकारक व्यवहार के आधार पर प्रतिबंधित किया है।

बजाज ऑटो की बिक्री फरवरी में 16 फीसदी घटी

नई दिल्ली । वाहन विनिर्माता कंपनी बजाज ऑटो की कुल बिक्री फरवरी में 16 फीसदी गिरकर 3,16,020 इकाई रह गई। कंपनी ने फरवरी 2021 में 3,75,017 वाहन बेचे थे। बजाज ऑटो ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में बताया कि पिछले महीने घरेलू स्तर पर बिक्री 32 फीसदी घटकर 1,12,747 इकाई रही। दो पहिया वाहनों की कुल बिक्री 16 फीसदी गिरकर 2,79,337 इकाई रही जो पिछले साल फरवरी में 3,32,563 इकाई थी। व्यावसायिक वाहनों की कुल बिक्री 14 फीसदी गिरकर 36,683 इकाई रही जो पिछले महीने समान अवधि में 42,454 इकाई थी। कंपनी ने कहा कि निर्यात जो पिछले साल फरवरी में 2,10,206 इकाई था वह पिछले महीने तीन फीसदी गिरकर 2,03,273 इकाई रह गया।

एनएसई मामले में सेबी के अधिकार क्षेत्र के दायरे में रहते हुए कार्य किया: त्यागी

मुंबई ।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के निवर्तमान प्रमुख अजय त्यागी ने बुधवार को कहा कि पूंजी बाजार नियामक ने एनएसई मामले में अपने अधिकार क्षेत्र के दायरे में रहते हुए कार्य किया। उन्होंने इस मामले में आदेशों को कमजोर किए जाने की बात से इनकार किया। पांच साल का कार्यकाल समाप्त होने के बाद नियामक प्रमुख पद से हटने के बाद त्यागी ने कहा कि कई अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियां भी इस मामले की जांच कर रही हैं। त्यागी ने कहा` कि अब तक जो तथ्य और निष्कर्ष सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं वे सेबी की खोजबीन पर आधारित हैं जिनका उसने अपने आदेश में खुलासा किया था। हमें अन्य एजेंसियों की जांच का भी इंतजार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सेबी अन्य एजेंसियों के साथ सहयोग कर रहा है और उनके द्वारा मांगी गई जानकारी भी उपलब्ध करवा रहा है। माधवी पुरी बुच को कार्यभार सौंपने के बाद त्यागी ने कहा कि एनएसई का मामला 2010-2015 के बीच हुए घटनाक्रमों से जुड़ा है और सेबी ने उनके नेतृत्व में पूरी गंभीरता से जांच शुरू की। त्यागी ने कहा` कि हमने अपने कार्यक्षेत्र के दायरे में रहते हुए और अपनी समझ के अनुसार आदेश दिए। यह नहीं कहा जा सकता कि नियामक ने आदेशों को कमजोर किया।

रॉयल एनफील्ड की घरेलू बिक्री में 20 फीसदी की गिरावट

मुंबई । रॉयल एनफील्ड की फरवरी 2022 में कंपनी की घरेलू बिक्री में 20 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, वहीं निर्यात में 55 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। इससे पहले फरवरी 2021 में कंपनी ने घरेलू बाजार में 65,114 और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में 4,545 की बिक्री की थी। कंपनी ने पिछले महीने घरेलू बाजार में अपनी रिकवरी जारी रखी और जनवरी 2022 में सुधार दर्ज किया है। कंपनी का चेन्नई में प्रोडक्शन यूनिट है। कंपनी ने कहा कि सेमीकंडक्टर चिप्स की कमी बनी हुई है और कंपनी के लिए टाइमली डिलीवरी करना अभी भी एक बड़ी समस्या है। बीते महीने के दौरान सेमीकंडक्टर चिप्स की कमी के कारण सप्लाई चेन की समस्याएं बरकरार हैं। रॉयल एनफील्ड आखिरकार मार्च के पहले सप्ताह में भारत में अपनी आगामी रॉयल एनफील्ड स्क्रैम 411 मोटरसाइकिल लांच करने के लिए तैयार है। नए मॉडल की लांच डेट की आधिकारिक तौर पर घोषणा कर दी है। जानकारी के अनुसार यह बाइक 7 मार्च लांच होगी।

कैलिफोर्निया में 10 लाख से ज्यादा है इलेक्ट्रिक कारें

नई दिल्ली । क्या आपको पता है कि अमेरिकी शहर कैलिफोर्निया में 10 लाख से ज्यादा सिर्फ इलेक्ट्रिक कारें हैं। जी हां, अपने देश में बमुश्किल एक लाख इलेक्ट्रिक कारें होंगी, लेकिन अमेरिका के पॉपुलर शहर कैलिफोर्निया में ही 10 लाख से ज्यादा इलेक्ट्रिक कारें हैं और यह अन्य अमेरिकी शहरों से काफी ज्यादा है। इसका सीधा मतलब है कि ऑटोमोबाइल कंपनियां इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की तरह काफी तेजी से बढ़ रही हैं। लोग भी अब फ्यूल पावर्ड कारों की बजाय इलेक्ट्रिक कार खरीदने पर जोर दे रहे हैं। बीते कुछ वर्षों में अमेरिका समेत दुनिया के अन्य देशों में जैसे ही इलेक्ट्रिक मोबिलिटी पर जोर पड़ने लगा, वैसे ही खासकर कैलिफोर्निया जैसे राज्यों में लोग धड़ल्ले से इलेक्ट्रिक कार खरीदने लगे और आज स्थिति यह है कि यह दुनिया का पहला ऐसा राज्य है, जहां 10 लाख से ज्यादा इलेक्ट्रिक कारें हैं। साल 2021 की चौथी तिमाही में कैलिफोर्निया ने यह उपलब्धि हासिल की। हालांकिइह उपलब्धि हासिल की। हालांकि, इस आंकड़े में कुछ हाइड्रोजन फ्यूल सेल कारें भी हैं। , इस आंकड़े में कुछ हाइड्रोजन फ्यूल सेल कारें भी हैं। बता दें कि अमेरिका में कुल 24 लाख इलेक्ट्रिक कारें हैं, ऐसे में कैलिफोर्निया राज्य में ही 40 फीसदी से ज्यादा इलेक्ट्रिक कारें हैं। बता दें कि कैलिफोर्निया अमेरिका के सबसे अमीर राज्यों में से एक है यह भी हो गई है कि लोग अब इलेक्ट्रिक कारों पर जोर देने लगे हैं।

नई महिंद्रा स्कॉर्पियो जल्द होने वाली है लांच

भारत के एसयूवी मार्केट में मचेगा बवाल

नई दिल्ली ।

स्वदेसी कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा एक और धांसू एसयूवी लॉन्च करने की तैयारी में है। हम बात कर रहे है 2022 नई महिंद्रा स्कॉर्पियो की, जिसकी काफी समय से टेस्टिंग हो रही है और यह एसयूवी कई बार दिख चुकी है। अपडेटेड महिंद्रा स्कॉर्पियो बेहतर लुक और फीचर्स के साथ ही अडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम से भी लैस हो सकती है, जिसके कि राइडिंग एक्सपीरियंस और जबरदस्त हो जाएगा। आप भी लॉन्च से पहले नई महिंद्रा स्कॉर्पियो की संभावित कीमत और खासियत देखें। नेक्स्ट जेनरेशन महिंद्रा स्कॉर्पियो के लुक, डिजाइन और फीचर्स की बात करें तो यह मॉडल मौजूदा मॉडल के मुकाबले ज्यादा बड़ी होगी और इस 7 सीटर एसयूवी में थर्ड रो सीटिंग सेटअप देखने को मिलेगा, जिससे लोगों को पीछे बैठने में ज्यादा दिक्कत नहीं होगी। इसके फ्रंट और रियर में कई तरह के कॉस्मेटिक बदलाव देखने को मिलेंगे। नई महिंद्रा स्कॉर्पियो में नए डिजाइन के बंपर और ग्रिल के साथ ही बेहतर हेडलैंप और टेललैंप देखने को मिलेंगे। 2022 नई महिंद्रा स्कॉर्पियो के इंजन और पावर की बात करें तो इसमें 2.2 लीटर का एमहॉक डीजल इंजन और 2.0 लीटर का एमस्टालीन टर्बो पेट्रोल इंजन देखने को मिलेगा।

यह एसयूवी 4गुणा4 ड्राइवट्रेन के साथ आ रही है। नई स्कॉर्पियो को 6 स्पीड मैनुअल के साथ ही 6 स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन ऑप्शन में पेश किया जा सकता है। बता दें कि महिंद्रा इस साल भारत में अपडेटेड स्कॉर्पियो के साथ ही महिंद्रा एक्सयूवी300 इलेक्ट्रिक और केयूवी100 इलेक्ट्रिक जैसी एसयूवी लॉन्च करने वाली है।नई स्कॉर्पियो के इंटीरियर की बात करें तो इसमें सेंट्रली माउंटेड स्पीकर, ऐनालॉग इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, बड़ा टचस्क्रीन इन्फोनेटमेंट सिस्टम, डुअल टोन लेदरेट अपहोल्स्ट्री, मल्टी फंक्शनल स्टीयरिंग व्हील्ज, वायरलेस चार्जिंग, रियर एसी वेंट्स, डुअल जोन क्लाइमेट कंट्रोल, इंजन स्टार्ट/स्टॉप बटन, एयर बैग्स के साथ ही कनेक्टेड कार टेक्नॉलजी और 360 डिग्री पार्किंग कैमरा जैसे स्टैंडर्ड और सेफ्टी फीचर्स देखने को मिलेंगे।

भारत के लिए हमारी दीर्घकालिक रणनीति, नहीं होगा बदलाव: हुआवे

नई दिल्ली। चीनी दूरसंचार उपकरण निर्माता हुआवे ने भारत में मौजूदा हालात के बावजूद यहां के लिए बनाई अपनी दीर्घकालिक रणनीति में कोई बदलाव नहीं करने का दावा किया है। हुआवे के एशिया-प्रशांत कारोबार के उपाध्यक्ष जे चेन ने एक ऑनलाइन गोलमेज सम्मेलन में कहा कि उनकी कंपनी अपनी सभी पहलों में भारत को शामिल करेगी। उन्होंने कहा कि भारत का बाजार काफी बड़ा है जिसमें काफी संभावनाएं मौजूद हैं। हुआवे की भारत में दीर्घकालिक रणनीति है। हम मौजूदा कारोबारी हालात को समझ रहे हैं लेकिन कुछ समय बाद हालात में बदलाव होना मुमकिन है। हालांकि हमारी रणनीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है और इस बाजार में हमारा भरोसा बरकरार है। हुआवे की भारत में दीर्घकालिक रणनीति है। कुछ समय बाद हालात में बदलाव होना मुमकिन है। हालांकि हमारी रणनीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है और इस बाजार में हमारा भरोसा बरकरार है। उनका यह बयान भारत में 5जी प्रौद्योगिकी कारोबार से हुआवे को बाहर रखने के सरकार के फैसले के संदर्भ में आया है। सरकार ने हुआवे के दूरसंचार उपकरणों की खरीद को भरोसेमंद नहीं माना है। यह कदम भारत और चीन के बीच लद्दाख में सैन्य तनाव बनने के बाद उठाया गया है।

फरवरी में यूपीआई से 8.27 लाख करोड़ का लेनदेन: एनपीसीआई

नई दिल्ली ।

देश में फरवरी 2022 के दौरान एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) के जरिए 8.27 लाख करोड़ रुपए का नकद रहित खुदरा लेनदेन हुआ। यह आंकड़ा इससे पिछले महीने की तुलना में थोड़ा कम है। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने यह जानकारी दी। एनपीसीआई के अनुसार फरवरी 2022 में यूपीआई के जरिए कुल 452 करोड़ (4.52 अरब) लेनदेन हुए। वहीं जनवरी 2022 के दौरान देश में भीम यूपीआई के जरिए नकद रहित खुदरा लेनदेन 8.32 लाख करोड़ रुपए का रहा था। इस दौरान यूपीआई के जरिए कुल 461 करोड़ लेनदेन हुए थे। एनपीसीआई ने बताया कि एनईटीसी फास्टैग तकनीक के जरिए टोल प्लाजा पर स्वचालित संग्रह में मूल्य के हिसाब से फरवरी 2022 में मामूली वृद्धि हुई है। इस दौरान 3,631.22 करोड़ रुपए के 24.36 करोड़ लेनदेन हुए। इसके अलावा तत्काल भुगतान सेवा (आईएमपीएस) के माध्यम से तत्काल धन हस्तांतरण पिछले महीने घटकर 3.84 लाख करोड़ रुपए रह गया,

जो जनवरी में 3.87 लाख करोड़ रुपए था। जो जनवरी में 3.87 लाख करोड़ रुपए था। एनआईपीएल के सीईओ रितेश शुक्ला ने कहा` कि हमें विश्वास है कि यह पहल एनआईपीएल की तकनीकी क्षमताओं और वैश्विक स्तर पर अपनी बेमिसाल पेशकश को बढ़ाने में मददगार होगी। यूपीआई ने 2021 में 940 अरब डॉलर के 3,900 करोड़ वित्तीय लेनदेन को सक्षम किया, जो भारत के सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 31 फीसदी के बराबर है।

आईईए के सदस्य 6 करोड़ बैरल तेल जारी करने को तैयार

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के सभी 31 सदस्य देशों ने अपने रणनीतिक भंडारों से 6 करोड़ बैरल तेल जारी करने को लेकर सहमत हो गए हैं। उन्होंने कहा` कि रूस के यूक्रेन पर हमले से तेल आपूर्ति में कोई कमी नहीं होगी। आईईए ने बताया कि अमेरिकी ऊर्जा मंत्री जेनिफर ग्रानहोल्म की अध्यक्षता में हुई ऊर्जा मंत्रियों की असाधारण बैठक में आईईए निदेशक मंडल ने यह निर्णय किया। संयुक्त राज्य अमेरिका के अलावा जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन, जापान और कनाडा भी इसमें शामिल हैं। आईईए के सदस्यों के पास 1.5 अरब बैरल तेल का आपातकालीन भंडार है। जारी की जाने वाली मात्रा इस भंडार का चार प्रतिशत यानी 30 दिनों तक करीब 20 लाख बैरल प्रतिदिन है। आईईए के कार्यकारी निदेशक फतीह बिरोल ने कहा` कि ऊर्जा बाजारों में स्थिति बहुत गंभीर है वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा खतरे में है, यह स्थिति विश्व अर्थव्यवस्था को उस समय जोखिम में डाल रही है, जब वह सुधार के नाजुक दौर में है। वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा खतरे में है, यह स्थिति विश्व अर्थव्यवस्था को उस समय जोखिम में डाल रही है, जब वह सुधार के नाजुक दौर में है।'' यह निर्णय ऐसे समय लिया गया है जब मंगलवार को अमेरिकी मानक कच्चे तेल का दाम 100 डॉलर प्रति बैरल को पार गया है। यह 2014 के बाद तेल के मूल्य का उच्च स्तर है।

4 महीने में टाटा पंच की बिकी 32,000 से ज्यादा यूनिट्स

नई दिल्ली ।

लॉन्चिंग के 4 महीने के भीतर ही टाटा मोटर्स कंपनी टाटा पंच की 32,000 से ज्यादा यूनिट्स बेचने में सफल रही है। इस बारे में टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स के वाइस प्रेसिडेंट (सेल्स, मार्केटिंग एंड कस्टमर केयर) राजन अंबा ने बताया, पंच ने लॉन्च के चार महीनों के भीतर कुल मिलाकर 32,000 यूनिट्स की बिक्री की है। यह दिखाता है कि पंच को देश भर में बेहतरीन रिस्पॉन्स मिल रहा है। नेक्सॉन के बाद टाटा पंच के बाद कंपनी की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार है। साथ ही यह टाटा की सबसे छोटी स्पोर्टस यूटीलीटी व्हीकल है। यह कंपनी के अल्फा- एआरसी प्लेटफॉर्म (अल्ट्रोज के समान) पर आधारित है, जिसका डिजाइन कुछ हद तक टाटा हेरीयर से मिलता-जुलता है। कंपनी ने टाटा पंच को 7 कलर ऑप्शन में पेश किया है। इसमें ऑटोमेटिक ऑरिंज, कालीप्सो रेड, डेटोना ग्रे, मेटयोर ब्रांज, आरकस व्हाइट, टोरनाडो ब्ल्यू और ट्रॉपीकल मिस्ट कलर पेंट शामिल हैं। टाटा मोटर्स ने हाल ही में भारत में अपनी पॉपुलर कार टाटा पंच समेत नेक्सॉन, हेरीयर और सफारी का स्पेशल काजीरंगा एडिशन लॉन्च किए हैं। इसमें ऑटोमेटिक ऑरिंज, कालीप्सो रेड, डेटोना ग्रे, मेटयोर ब्रांज, आरकस व्हाइट, टोरनाडो ब्ल्यू और ट्रॉपीकल मिस्ट कलर पेंट शामिल हैं। टाटा मोटर्स ने हाल ही में भारत में अपनी पॉपुलर कार टाटा पंच समेत नेक्सॉन, हेरीयर और सफारी का स्पेशल काजीरंगा एडिशन लॉन्च किए हैं। काजीरंगा एडिशन का डिजाइन एक सींग वाले गैंडा की तर्ज पर बनाया गया है, जो असम के काजीरंगा नेशनल पार्क में पाया जाता है। टाटा पंच काजीरंगा एडिशन की कीमत 8.59 लाख रुपये, नेक्सॉन काजीरंगा एडिशन (पेट्रोल) की 11.79 लाख रुपये है। टाटा पंच को भारत में चार ट्रिम स्तरों जैसे , एडवेंचर, अकोम्पलीशेड और क्रेटिव में पेश किया है। इस सब-कॉम्पैक्ट एसयूवी की कीमत 5.64 लाख रुपये से शुरू होती है । और दिल्ली में एक्स-शोरूम 8.98 लाख रुपये तक जाती है।

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के सदस्य 6 करोड़ बैरल तेल जारी करने को राजी

नई दिल्ली।

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के सभी 31 सदस्य देशों ने अपने रणनीतिक भंडारों से 6 करोड़ बैरल तेल जारी करने पर सहमति जताई है। उन्होंने तेल बाजार को यह संकेत देने के लिए कदम उठाया है कि रूस के यूक्रेन पर हमले से तेल आपूर्ति में कोई कमी नहीं होगी। आईईए ने मंगलवार को इस फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि अमेरिकी ऊर्जा मंत्री जेनिफर ग्रानहोल्म की अध्यक्षता में हुई ऊर्जा मंत्रियों की असाधारण बैठक में आईईए निदेशक मंडल ने यह निर्णय किया। संयुक्त राज्य अमेरिका के अलावा जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन, जापान और कनाडा भी इसमें शामिल हैं। आईईए के सदस्यों के पास 1.5 अरब बैरल तेल का आपातकालीन भंडार है। जारी की जाने वाली मात्रा इस भंडार का चार प्रतिशत यानी 30 दिनों तक करीब 20 लाख बैरल प्रतिदिन है। आईईए के कार्यकारी निदेशक फतीह बिरोल ने कहा, ''ऊर्जा बाजारों में स्थिति बहुत गंभीर है वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा खतरे में है, यह स्थिति विश्व अर्थव्यवस्था को उस समय जोखिम में डाल रही है, जब वह सुधार के नाजुक दौर में है।'' यह निर्णय ऐसे समय लिया गया है जब मंगलवार को अमेरिकी मानक कच्चे तेल का दाम 100 डॉलर प्रति बैरल को पार गया है। यह 2014 के बाद तेल के मूल्य का उच्च स्तर है।

पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं

कच्चा तेल 110 डॉलर प्रति बैरल के पार

नई दिल्ली ।

रूस और यूक्रेन के बीच लड़ाई तेज होने के साथ ही कच्चे तेल की कीमत में बढ़ोतरी देखी जा रही है। बुधवार को कारोबार के दौरान ब्रेंट क्रूड पांच फीसदी बढ़कर 110 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया जो इसका सात साल का उच्चतम स्तर है। इसी तरह डब्ल्यूटीआई भी 4.88 फीसदी तेजी के साथ 108.64 डॉलर पर पहुंच गया। यूक्रेन और रूस की लड़ाई अब तेल क्षेत्रों में भी फैल गई है जिससे सप्लाई के प्रभावित होने की आशंका पैदा हो गई है। जानकारी के मुताबिक अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाए हैं जिसका व्यापक असर हो सकता है। माना जा रहा है कि इससे रूस से निर्यात प्रभावित हो सकता है। रूस दुनिया की तीसरा सबसे बड़ा तेल उत्पादक देश है। पूर्वी यूरोप में संघर्ष तेज होने से तेल की कीमतों पर दबाव बढ़ गया है। इस बीच महामारी से उबर रही ग्लोबल इकॉनमी में मांग बढ़ रही है। यही वजह है कि कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आ रही है। दुनिया के कई देशों में पेट्रोल और डीजल की कीमत रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है लेकिन भारत में दिवाली से इसमें कोई बदलाव नहीं आया है। माना जा रहा है पांच राज्यों में चल रहे विधानसभा चुनावों के बात पेट्रोल-डीजल की कीमत में भारी इजाफा हो सकता है। दिल्ली में अभी पेट्रोल की कीमत 95.41 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत 86.67 रुपए लीटर है दिल्ली में अभी पेट्रोल की कीमत 95.41 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत 86.67 रुपए लीटर है लेकिन अगले कुछ दिनों में इसमें 12 से 15 रुपए प्रति लीटर का इजाफा हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक देश में पेट्रोल एवं डीजल की खुदरा बिक्री दरें 82-83 डॉलर प्रति बैरल के कच्चे तेल भाव के अनुरूप हैं। इससे तेल कंपनियों की रोजाना भारी नुकसान हो रहा है। कच्चे तेल की कीमत में एक डॉलर की बढ़ोतरी से इस हिसाब से देखें तो कच्चे तेल की कीमत में इस दौरान करीब 27 डॉलर का इजाफा हो चुका है। यानी पेट्रोल और डीजल की कीमत में करीब 15 रुपए की बढ़ोतरी देखी जा सकती है।

टोयोटा लांच करेगी ग्लांझा का अपडेट मॉडल

नई दिल्ली । ऑटोमोबाइल क्षेत्र की कंपनी टोयोटा जल्द ही अपनी पॉपुलर हैचबैक कार ग्लांझा के अपडेट मॉडल को लॉन्च करने जा रही है। हालांकि, कंपनी की ओर से अब तक कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है। हाल ही में इसकी लास्ट फेस की टेस्टिंग के दौरान फोटो सामने आई हैं। इन फोटो में ग्लांझा का नया लुक सामने आया है। नई ग्लांझा में रियर और फ्रंट लुक को देखकर लगता है कि यह इस बार हाल ही में लॉन्च हुई मारुति की न्यू बलेनो से थोड़ी अलग होने वाली है। ग्लैंजा में अपडेट रियर बम्पर, नए फेंडर और टेलगेट देखने को मिलेंगे। ऑटोकार की रिपोर्ट के मुताबिक, नई ग्लांझा फ्रंट बंपर के लिए अलग डिजाइन और डीआरएल के लिए अलग स्टाइल के साथ आएगी। उम्मीद है कि टोयोटा एक अलग ग्रिल डिजाइन को स्पोर्ट करेगी।अपहोल्स्ट्री के कलर्स को छोड़कर, इंटीरियर में यह नई बलेनो के जैसी ही रहेगी। इसका मतलब है कि कार में नई बलेनो की तरह फ्री-स्टैंडिंग टचस्क्रीन, बदला हुआ कंट्रोल सरफेस और नए इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर डायल मिलेंगे। उम्मीद कर सकते है कि ग्लैंज़ा में बलेनो की तरह हेड-अप डिस्प्ले, 360 डिग्री कैमरा और 6 एयरबैग जैसे फीचर्स मिलेंगे। बलेनो की तुलना में ग्लांझा को लंबी स्टैंडर्ड वारंटी के साथ भी पेश किया जाएगा। नई बलेनो की तरह टोयोटा ग्लांझा के इंजन में थोड़े बहुत बदलाव के साथ पेश करेगी। ग्लांझा को नया नॉन-हाइब्रिड 1.2-लीटर डुअलजेट पेट्रोल इंजन मिलेगा, जो 5-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स और एएमटी गियरबॉक्स विकल्प में पेश किए जाने की उम्मीद है। टोयोटा ग्लैंजा मारुति की बलेनो के वीएक्सआई और झेडएक्सआई वेरिएंट्स पर ही आधारित रहेगी। यानी इसकी शुरुआती कीमत मारुति से थोड़ी ज्यादा होगी। टोयोटा मौजूदा ग्लैंजा के समान व्यवस्था का पालन कर सकती है। ग्लांझा को नया नॉन-हाइब्रिड 1.2-लीटर डुअलजेट पेट्रोल इंजन मिलेगा, जो 5-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स और एएमटी गियरबॉक्स विकल्प में पेश किए जाने की उम्मीद है। टोयोटा ग्लैंजा मारुति की बलेनो के वीएक्सआई और झेडएक्सआई वेरिएंट्स पर ही आधारित रहेगी। यानी इसकी शुरुआती कीमत मारुति से थोड़ी ज्यादा होगी। टोयोटा मौजूदा ग्लैंजा के समान व्यवस्था का पालन कर सकती है। यह मॉडल केवल पूरी तरह से लोड और मिडिल-स्पेक वेरिएंट में उपलब्ध है। वर्तमान हैचबैक में बलेनो सिग्मा और डेल्टा समकक्ष की कमी थी। इसका मतलब यह होगा कि कीमत बलेनो के ऊपर शुरू होती हैं, पूरी तरह से भरी हुई मॉडल के साथ भी मारुति की तुलना में थोड़ा अधिक बैठने की उम्मीद है।

आईपीएल में गुजरात टाइटंस से खेल सकते हैं रैना

नई दिल्ली । अनुभवी बल्लेबाज सुरेश रैना को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में किसी भी टीम ने नहीं खरीदा है पर अब ऐसे संकेत मिले हैं कि रैना नई टीम गुजरात टाइटंस से खेल सकते हैं। इसका कारण रैना का सोशल मीडिया पर आ रहा एक विडियो है। इसमें रैना टाइटंस की ड्रेस में नजर आ रहे हैं। इसके बाद से ही यह अटकलें तेज हो गयी हैं कि रैना को गुजरात टाइटंस टीम में जगह मिल सकती है। इसका एक कारण इंग्लैंड के बल्ले लेबाज जेसन रॉय का आईपीएल से हटना भी है। जेसन को गुजरात टीम ने खरीदा था। अब उनके हटने से टीम को एक बल्लेबाज की जरुरत है। रैना के प्रशंसक उनकी टाइटंस की जर्सी वाली तस्वीर साझा कर रहे हैं। रॉय ने बायो बबल में लंबे समय तक रहने से होने वाली थकावट के कारण टूर्नामेंट से नाम वापस लिया है। रॉय के हटने से रैना के नाम पर ही इसलिए चर्चा हो रही है क्योंकि वह गुजरात टीम की कप्तानी कर चुके हैं। गौरतलब है कि स्पॉट फिक्सिंग के कारण जब राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स पर दो साल के लिए प्रतिबंध लगाया गया था। उस समय 2 साल के लिए गुजरात लायंस टीम को आईपीएल में जगह मिली थी। तब रैना लायंस के कप्तान रहे थे। इसी कारण से जेसन के नाम वापस लेने के बाद रैना को टीम में जगह मिलने की अटकलें लगीं।

मोहाली में भारतीय टीम जीती तो बनेगा नया विश्व रिकार्ड

भारत में अब तक एक भी टेस्ट नहीं जीती है श्रीलंका

मुम्बई । भारत ओर श्रीलंका के खिलाफ यहां मोहली में टेस्ट सीरीज का पहला मैच खेला जाएगा। इस मैच में कई रिकार्ड बन सकते हैं। मोहाली में भारतीय टीम श्रीलंका को हराकर उसके खिलाफ 21वीं जीत दर्ज करना चाहेगी। इस प्रकार भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ 21 टेस्ट जीतने वाली पहली टीम बन जाएगी। भारत और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट मैच 1982 को खेला गया था। श्रीलंका ने भारत के अपने इस दौरे में एकमात्र टेस्ट मैच की सीरीज खेली थी जो ड्रा रही थी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली इस मैच में उतरने के साथ ही अपना 100वां टेस्ट खेलेंगे। वहीं टेस्ट कप्तान बनाये जाने के बाद रोहित शर्मा की यह पहली टेस्ट सीरीज रहेगी। ऐसे में वह भी जीत से शुरुआत करना चाहेंगे। मेहमान टीम श्रीलंका इस मैच को जीतकर भारत में अपनी पहली टेस्ट जीत दर्ज करना चाहेगी। दोनों ही टीमों के बीच भारत में अब तब 20 टेस्ट मैच खेले गए हैं जिसमें भारत को 11 में जीत मिली है जबकि 9 टेस्ट मैच ड्रा रहे हैं। गौरतलब है कि टेस्ट क्रिकेट में दोनों टीमों के बीच कुल 44 मैच खेले गए हैं जिसमें 20 में भारत को और 7 में श्रीलंका को जीत मिली है जबकि 17 टेस्ट मैच ड्रा रहे हैं। दोनो ही टीमों के बीच अब तक कई अहम रिकार्ड बने हैं। साल 1997 में श्रीलंका ने भारत के खिलाफ टेस्ट मैच की एक पारी में 952/6 रन बनाकर पारी घोषित कर दी। जो सबसे बड़ा स्कोर है। साल 1990 में भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ 82 रन पर ऑलआउट हो गई थी। जो दोनों देशों के बीच खेले गए टेस्ट मैच में टीम द्वारा बनाया गया सबसे कम स्कोर है। सचिन तेंदुलकर भारत-श्रीलंका टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। सचिन ने 1995 रन श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में बनाए हैं , सचिन ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं। सचिन ने 9 शतक लगाये थे। तेंदुलकर भारत-श्रीलंका टेस्ट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं। सचिन ने 9 शतक लगाये थे। वहीं 340 रन सनथ जयसूर्या ने बनाए थे जो एक पारी में बनाया गया बल्लेबाज द्वारा सर्वोच्च स्कोर है। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो मुरलीधरन भारत-श्रीलंका टेस्ट में सबसे ज्यादा 105 विकेट विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

बुमराह ने चुप रहकर जश्न मानाने पर कहा- मैं काम पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करता हूं

स्पोर्ट्स डेस्क । 2018 में अपने टेस्ट डेब्यू के बाद से जसप्रीत बुमराह तेजी से भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ बन गए हैं। दाएं हाथ का यह गेंदबाज अपने कौशल से शानदार रहा है और दुनिया भर में अपनी टीम के लिए शीर्ष योगदानकर्ता रहा है। बुमराह को अकसर कई क्रिकेट विद्वानो और पूर्व खिलाड़ियों ने एक ऐसे व्यक्ति के रूप में देखा है जो एक संभावित कप्तान बनने की क्षमता रखता है। केएल राहुल की अनुपस्थिति में श्रीलंका के खिलाफ टी20 और टेस्ट दोनों में उप-कप्तान बनाया गया था। बुमराह ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट से पूर्व कहा कि मैं इसे एक विशेष स्थिति के रूप में नहीं देखता, जैसे कि एक स्पिनर या एक तेज गेंदबाज, या बल्लेबाज एक कप्तान है। टीम के एक वरिष्ठ सदस्य के रूप में आपको खिलाड़ियों की हर संभव मदद करनी होगी।

जैसा कि मैं पहले भी बोल चुका हूं मेरे लिए यह सिर्फ एक पोस्ट है। हां, यह एक महान अवसर है जिसने खुद को प्रस्तुत किया है और मुझे ऐसा करने में बहुत खुशी हो रही है। उन्होंने कहा कि जब मैं छोटा था मैं बहुत उत्सव करता था, अति उत्साहित होता था और मैं वास्तव में योजना भी करता था(जब मैं छोटा था, मैं बहुत जश्न मनाता था। मैं अति उत्साहित हो जाता था और वास्तव में अपने उत्सव की योजना बनाता था। इसलिए मैं हाथ में काम पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करता हूं और हां जब खेल खत्म हो जाता है और टीम जीत जाती है तो जश्न मनाने के लिए पर्याप्त समय होता है। इसलिए जब तक मेरा काम नहीं हो जाता, मेरा ध्यान टीम को जिताने पर होता है। भारत 4 मार्च से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज़ में श्रीलंका से भिड़ेगा। टीम का नेतृत्व नवनियुक्त कप्तान रोहित शर्मा करेंगे।

पाकिस्तान में टेस्ट श्रृंखला में क्लीन स्वीप करना ऑस्ट्रेलिया का लक्ष्य : लियोन

इस्लामाबाद । अनुभवी ऑफ स्पिनर नाथन लियोन ने कहा कि 1998 के बाद पहली बार पाकिस्तान के दौरे पर आस्ट्रेलियाई टीम का लक्ष्य तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला में क्लीन स्वीप करना है। लियोन ने पिंडी क्रिकेट स्टेडियम में पहले टेस्ट मैच से दो दिन पूर्व कहा, 'यह बहुत बड़ी चुनौती होगी लेकिन मैं यह सोचकर इस टेस्ट श्रृंखला में उतर रहा हूं कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके इसमें 3-0 से जीत दर्ज करेंगे। उन्होंने कहा, 'हमने 2019 से विदेशों में कोई टेस्ट मैच नहीं खेला है। हम यहां काफी युवा टेस्ट टीम लेकर आये हैं और हम घरेलू श्रृंखलाओं में शानदार प्रदर्शन करके यहां आये हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम रविवार को यहां पहुंची और उसे पहले टेस्ट मैच से पूर्व अभ्यास के लिये केवल तीन सत्र ही मिलेंगे। उसे 22 दिन के अंदर तीन टेस्ट मैच खेलने हैं जो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा हैं। टेस्ट श्रृंखला के बाद ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच तीन वनडे और एक टी20 मैच खेले जाएंगे। पाकिस्तान के बीच तीन वनडे और एक टी20 मैच खेले जाएंगे। लियोन ने कहा, 'हमारे पास सभी विभागों में अच्छे खिलाड़ी हैं। हम जो भी टीम उतारेंगे मुझे पूरा विश्वास है कि वह अच्छी और सकारात्मक क्रिकेट खेलेगी।

विश्वकप से पहले अपनी फॉर्म को लेकर हरमनप्रीत ने दिया बड़ा बयान

तोरंगा । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा है कि उनके द्वारा खेली पिछली दो वनडे पारियों ने उन्हें आत्मविश्वास दिया है। खराब दौर से गुजर रही हरमनप्रीत ने 24 फरवरी को न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवें और आखिरी वनडे मैच में 63 रन की अर्धशतकीय पारी और 27 फरवरी को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले महिला विश्व कप 2022 अभ्यास मैच में 103 रन की शतकीय पारी खेली थी। वह हालांकि कलाई में दर्द के कारण वेस्ट इंडीज के खिलाफ दूसरा अभ्यास मैच नहीं खेल पाईं थीं। हरमनप्रीत ने उन लोगों का शुक्रिया अदा किया है, जिन्होंने मुश्किल दौर से गुजरने के दौरान उन्हें आत्मविश्वास दिया। उन्होंने कहा कि मुग्धा बावरे मैम ने मेरी बहुत मदद की है। मैं न्यूजीलैंड के खिलाफ मैचों के दौरान एक शेल में जा रही थी और उन्होंने मुझसे बात की और महसूस किया कि मैं सच में उन समाधानों की तलाश कर रही हूं जो उन्होंने मुझे दिए थे। मेरे दिमाग में यह चल रहा था, लेकिन उनके साथ बात करने से मुझे स्पष्ट विचार मिले जिससे मुझे मदद मिली। मेरे दिमाग में बहुत सी चीजें थीं, मुझे स्पष्ट विचारों की जरूरत थी, जो मुझे मुग्धा बावरे मैम के साथ बातचीत से मिले और फिर परिणाम आए। सभी ने मेरी मदद की है। उन्हें ध्यान में रखूंगा और फॉर्म जारी रखूंगी। न्यूजीलैंड से एकमात्र टी-20 और पांच मैचों की वनडे सीरीज में 1-4 से हार पर हरमनप्रीत ने कहा कि हमने एक टीम के रूप में पिछले तीन मैचों में हमारा टीम संयोजन और लय प्राप्त की है। उम्मीद है कि हम इसे जारी रखेंगे। बेशक मेरे प्रदर्शन में उतार-चढ़ाव रहे हैं, लेकिन अभ्यास मैच में 100 और न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवें वनडे ने मुझे आत्मविश्वास दिया है। मुझे जो लय चाहिए थी, वह मुझे मिल गई है। मुझे खुद से उम्मीदें हैं। मैं टीम में अपनी भूमिका के महत्व को जानती हूं। हर बार जब मैं अच्छा करना चाहता हूं, तब कभी-कभी चीजें काम नहीं करतीं। मेरे करीबी लोगों ने मुझे बहुत आत्मविश्वास दिया है, इसके लिए मैंच सच में उनकी आभारी हूं। इस बीच भारतीय टीम ने एक आश्चर्यजनक फैसला लेते हुए ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा को बल्लेबाजी लाइन-अप में तीसरे स्थान पर पदोन्नत किया है, जिस पर आमतौर पर कप्तान मिताली राज बल्लेबाजी करती हैं और उनके बाद हरमनप्रीत चौथे नंबर पर हैं। हरमनप्रीत ने विश्व कप में उनकी बल्लेबाजी की स्थिति के बारे में पूछे जाने पर कहा कि मैं नंबर चार पर बल्लेबाजी करने में अधिक सहज हूं, लेकिन टीम की जो भी मांग है, हमें उसके अनुसार बल्लेबाजी करने की जरूरत है। अभी के लिए मैं सिफ 'पांच नंबर पर खेलूंगी, लेकिन अगर जरूरत पड़ी तो हम उल्लेखनीय है कि भारत छह मार्च को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से अपना विश्व कप अभियान शुरू करेगा।

संक्षिप्त समाचार

ऑल इंडिया सिविल सर्विसिज लॉन टैनिस टूर्नामैंट के ट्रायल इस तारीख से

चंडीगढ़ । सैंट्रल सिविल सर्विसिज कल्चरल एंड स्पोर्टस बोर्ड द्वारा ऑल इंडिया सिविल सर्विसिज लॉन टैनिस (पुरुष/महिला) टूर्नामैंट लेक स्पोर्टस काम्पलैक्स चंडीगढ़ में 9 मार्च से 14 मार्च तक करवाया जा रहा है। इस सम्बन्ध ट्रायल सरकारी मल्टीपर्पज सीनियर सैकेंडरी स्कूल, पटियाला में तारीख 3 मार्च को सुबह 10 बजे निश्चित किए गए हैं। इसलिए इच्छुक खिलाड़ी सरकारी कर्मचारी (रैगुलर) अपने-अपने विभागों से एन.ओ.सी. प्राप्त करके इन ट्रायलों में भाग ले सकते हैं। इस टूर्नामैंट में आने/जाने, रहने और खाने-पीने और आने वाले खर्च की अदायगी खिलाड़ी द्वारा निजी तौर पर की जाएगी। इसकी जानकारी खेल विभाग पंजाब के डायरैक्टर परमिन्दर पाल सिंह संधू द्वारा दी गई।

विश्व ताइक्कांडो ने पुतिन से वापस ली ब्लैक बेल्ट की उपाधि

सियोल । विश्व ताइक्कांडो ने यूक्रेन पर रूस के लगातार हमलों के बीच मंगलवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मानद ताइक्कांडो ब्लैक बेल्ट की उपाधि वापस ले ली। विश्व ताइक्कांडो ने रूस के यूक्रेन पर हमले को लेकर विरोध जताया है और इसकी कड़ी निंदा की है तथा इसे विश्व शांति के लिए एक गंभीर संकट बताया है। उल्लेखनीय है कि पुतिन को साल 2013 में ब्लैक बेल्ट की उपाधि दी गई थी। विश्व ताइक्कांडो ने रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर जारी एक बयान में कहा, विश्व ताइक्कांडो यूक्रेन पर रूस के हमले की कड़ी निंदा करता है, जिस तरह से वहां आम लोगों की जान जा रही है, वो एक क्रूरता है। विश्व ताइक्कांडो का उद्देश्य हमेशा ही शांति और हिष्णुता को बढ़ावा देना रहा है। विश्व ताइक्कांडो को लगता है कि जो यक्रेन में हो रहा है, वो उसके मूल्यों के खिलाफ जाता है। ऐसे में हमने व्लादिमीर पुतिन को दी गई ब्लैक बेल्ट वापस लेने का फैसला लिया है। वहीं विश्व ताइक्कांडो ने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के साथ एकजुटता दिखाते हुए कहा कि विश्व ताइक्कांडो इवेंट्स में किसी भी रूसी या बेलारूसी राष्ट्रीय ध्वज प्रदर्शित नहीं किया जाएगा और न ही राष्ट्रगान बजाय जाएगा। वहीं विश्व ताइक्कांडो और यूरोपीय ताइक्कांडो संघ रूस और बेलारूस में ताइक्कांडो टूर्नामेंटों के आयोजन को मान्यता नहीं देंगे। उल्लेखनीय है कि इससे पहले अंतरराष्ट्रीय जूडो महासंघ(आईजेएफ) ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को आईजेएफ के मानद अध्यक्ष पद से बर्खास्त कर दिया था। आईजेएफ ने रविवार को पुतिन को मानद अध्यक पद के साथ-साथ आईजेएफ के एंबेसडर पद से भी हटा दिया था। इससे पहले अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति भी रूस के खिलाड़ियों पर प्रतिबंध लगा चुकी है। वहीं फीफा और यूईएफए ने भी अगले आदेश तक रूस के फुटबॉल क्लबों और राष्ट्रीय फुटबॉल टीमों पर प्रतिबंध लगा दिए हैं।

14 करोड़ में खरीदे गए दीपक चाहर आईपीएल 2022 से हो सकते हैं बाहर!

नई दिल्ली । चोटिल दीपक चाहर चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आईपीएल 2022 के अधिकांश मैचों से चूक सकते हैं। चाहर को सीएसके ने आईपीएस 2022 मेगा ऑक्शन के दौरान 14 कोरड़ रुपए में खरीदा था। कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ अंतिम टी20 मैच में भारत की ओर से खेलते हुए चाहर को दाहिने क्वाड्रिसेप्स में चोट लग गई थी और श्रृंखला से बाहर हो गए थे। चाहर आगे के प्रबंधन और चोट से उबरने के लिए राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में हैं। रिपोर्ट्स में मिली जानकारी के मुताबिक चाहर, जिन्हें पिछले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में क्वाड्रिसेप्स में चोट का सामना करना पड़ा था, को ठीक होने में कई सप्ताह लगने की संभावना है। इसका मतलब है कि वह आईपीएल को मिस कर सकते हैं जो 26 मार्च से 29 मई के बीच खेला जाएगा। यह समझा जाता है कि सुपर किंग्स बेंगलुरू में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी से अंतिम मूल्यांकन का इंतजार कर रहे हैं, जहां चाहर वर्तमान में अपने पुनर्वास के दौर से गुजर रहे हैं। चाहर भारतीय टीम के साथ अपने प्रदर्शन से काफी उत्साहित थे। उन्होंने केपटाउन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अंतिम एकदिवसीय मैच में 2/54 विकेट लिए और 54 रनों की तेज पारी खेली जिसमें भारत 4 रन से हार गया था। वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए दो एकदिवसीय मैचों में चाहर ने गेंद से 2/53 और 2/41 लेने के अलावा बल्ले से 54 और 38 रन बनाए। लेने के अलावा बल्ले से 54 और 38 रन बनाए। चोटिल होने से ठीक पहले चाहर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अंतिम टी20 मैच में दो विकेट लिए थे। भारतीय टीम के लिए प्रभावशाली प्रदर्शन की वजह से आईपीएल मेगा नीलामी में 14 करोड़ रुपए की भारी भरकम राशि में खरीदा गया। चाहर के लिए सबसे पहले सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स ने बोली लगाई। चाहर की वैल्यू 10 करोड़ के स्तर को पार कर जाने के बाद दोनों फ्रेंचाइजी ने पूरी ताकत झोंक दी। हैदराबाद फिर पीछे हट गया और चेन्नई ने मैदान में प्रवेश किया। राजस्थान रॉयल्स 13.25 करोड़ की देर से बोली में शामिल हुआ लेकिन चेन्नई 14 करोड़ रुपए में चाहर को वापस खरीदने में सफलता हासिल की। यह पहली बार था जब चेन्नई ने किसी खिलाड़ी को शामिल करने पर 10 करोड़ रुपए से अधिक खर्च किए।

आईएसएसएफ ने रूस और बेलारूस के निशानेबाजों पर लगाया प्रतिबंध

म्यूनिख । अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) ने यूक्रेन पर हमले के कारण रूस और बेलारूस के निशानेबाजों को अपनी सभी प्रतियोगिताओं से प्रतिबंधित कर दिया है। यह फैसला मिस्र के काहिरा में चल रहे विश्व कप के दौरान आया, जहां मंगलवार तक रूसी निशानेबाज प्रतिस्पर्धाओं में भाग ले रहे थे। आईएसएसफ के बयान से संकेत मिलता है कि वे अब इस प्रतियोगिता में आगे भाग नहीं ले पाएंगे। आईएसएसएफ ने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के कार्यकारी बोर्ड के फैसले और आईओसी अध्यक्ष के साथ बैठक के बाद आईएसएसएफ ने निर्णय किया कि रूसी महासंघ और बेलारूस के खिलाड़ियों को आईएसएसएफ चैंपियनशिप में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसमें कहा गया, 'यह फैसला एक मार्च 2022 को केंद्रीय यूरोपीय समयानुसार दोपहर बाद चार बजे (भारतीय समयानुसार रात आठ बजकर 30 मिनट) से लागू हो गया है तथा अगले नोटिस तक लागू रहेगा। दिलचस्प बात यह है कि आईएसएसएफ के अध्यक्ष व्लादिमीर लिसिन और महासचिव अलेक्सांद्र रैटनर दोनों ही रूसी हैं। आईओसी ने खेल महासंघों से रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों और अधिकारियों को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने से रोकने की अपील की थी जिसके बाद यह कदम उठाया गया।

विराट ओर रोहित के लिए अहम रहेगा मोहली टेस्ट

नई दिल्ली । भारत और श्रीलंका के बीच शुक्रवार से यहां शुरु हो रहा पहला क्रिकेट टेस्ट मैच भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली और नये कप्तान रोहित शर्मा के लिए बेहद अहम रहेगा। विराट इस मैच में उतरते ही जहां अपना 100वां टेस्ट खेलेंगे। वहीं रोहित की कप्तानी में यह पहली टेस्ट सीरीज होगी। यह एक अजब संयोग है है कि मोहाली में रोहित टेस्ट कप्तान के तौर पर अपने पहले मैच में उतरेंगे। वहीं विराट ने भी मोहाली के मैदान पर ही पहली बार टेस्ट कप्तानी की थी। तब पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने के कारण साल 2014 में हुई बॉर्डर गावस्कर सीरीज से विराट ने टेस्ट कप्तानी की शुरुआत की थी। मोहाली में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारतीय टेस्ट टीम की कप्तानी करते हुए विराट दोनों ही पारियों विफल रहे थे। ऐसे में अब रोहित कप्तान के तौर पर अपने पहले ही मैच में बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे। कप्तान के तौर पर विराट अपने करियर में भारतीय टीम को विश्व की शीर्ष टीम बनाने में तो सफल रहे पर वह कोई आईसीसी खिताब नहीं जीत पाये। विछले कुछ समय में विराट को तीनो ही प्रारुपों की कप्तानी से हटना पड़ा है। पहले उन्होंने टी20 की कप्तानी छोड़ी इसके बाद उन्हें एकदिवसीय कप्तानी से हटा दिया गया।

ईनामी राशि से लेकर रिकॉर्ड्स तक महिला वनडे विश्वकप से जुड़ी हर अहम जानकारी

स्पोर्ट्स डेस्क । महिला वनडे विश्वकप शुरू होने जा रहा है। इस विश्वकप के लिए एक बार फिर भारत सहित कई देशों की टीमें खिताब जीतने के लिए जोर लगाएंगी। न्यूजीलैंड में होने जा रहे महिला वनडे विश्वकप को लेकर हम आपको हर वह जानकारी बताने जा रहे हैं जो आपके लिए जरूरी हो। इस महिला वनडे विश्वकप में 8 टीमें हिस्सा ले रही हैं। न्यूजीलैंड को मेजबान होने के कारण सीधा क्वालीफाइ कर लिया है। जबकि बाकी टीमें ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और भारत ने 2017 और 2021 के बीच महिला चैम्पियनशिप में शीर्ष पांच टीमों में शामिल होकर क्वालीफाई किया है। बाकी की तीन टीमों का निर्णय क्वालीफायर से होगा। कोरोना महामारी के कारण कई देशों यात्रा करने पर बैन था जिस कारण जो नवंबर-दिसंबर 2021 में जिम्बाब्वे में खेले जाने वाले क्वालीफायर को रद्द करना पड़ा था। नतीजतन आईसीसी वनडे रैंकिंग द्वारा अंतिम तीन स्थानों का फैसला किया गया। जिससे पाकिस्तान, वेस्टइंडीज और बांग्लादेश ने क्वालीफाई कर लिया और श्रीलंका को बाहर होना पड़ा। यह पहली बार है जब बांग्लादेश की टीम महिला विश्व कप में हिस्सा ले रहीहै। चिर प्रतिद्वंदी टीमें भारत और पाकिस्तान 6 मार्च को एक-दूसरे से भिड़ेंगी। वहीं ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की टीम 5 मार्च को एक दूसरे का सामना करेंगी। 13 मार्च को न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया का मुकाबला होगा। 28 मार्च को भारत द. अफ्रीका की टीम से भिड़ेगा। यह विश्वकप रॉबिन राउंड में खेला जाएगा। सेमीफाइनल 30 और 31 मार्च को खेले जाएंगे और फाइनल मैच 3 अप्रैल को खेला जाएगा। सेमीफाइनल और फाइनल के लिए रिजर्व डे रखा गया है। अगर रिजर्व डे पर फैसला नहीं आता तो ट्रॉफी को साझा किया जाएगा। आईसीसी महिला वनडे विश्वकप रॉबिन राउंड फॉर्मेट में खेला जाएगा। जहां हर एक टीम दूसरी टीम से एक बार खेलेगी। टॉप चार टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाइ करेंगी। पहले सेमीफाइनल में शीर्ष पर रहने वाली टीम चौथे स्थान पर रहने वाली टीम से खेलेगी। जबकि दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम दूसरे सेमीफाइनल में भिड़ेंगी। अगर भारत टॉप चार में रहता है तो वह दूसरा सेमीफाइनल खेलेगा जो क्राइस्टचर्च में एक डे-नाईट मैच होगा। मैच जीतने पर हर टीम को दो प्वाइंट मिलेंगे जबकि मैच टाइ होने पर दोनों टीमों में एक-एक अंक बांटे जाएंगे। रॉबिन राउंड फॉर्मेट के दौरान सुपर ओवर का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। अगर रॉबिन राउंड के खत्म होने के बाद दो टीमों के एक समान अंक होंगे तो उसका फैसला नेट रन रेट से होगा। जिस टीम का रन रेट बेहतर होगा वह टीम क्वालीफाई कर जाएगी। सुपर ओवर का इस्तेमाल सेमीफाइनल और फाइनल में ही किया जाएगा। अगर फाइनल मैच में सुपर ओवर भी टाई होता है तो तब मैच खेला जाएगा जब तक नतीजा ना निकले। न्यूजीलैंड में खेले जाने वाले महिला वनडे विश्वकप में 31 मैच खेले जाएंगे। ये मैच ऑकलैंड के ईडेन पार्क, क्राइस्टचर्च के हैगली ओवल में, डुनेडिन के यूनिवर्सिटी ओवल में, हैमिल्टन के सेडन पार्क में, माउंट मॉन्गानुई के बे ओवल और वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व मैदान में खेले जाएंगे। सेमीफाइनल मैच वेलिंगटन में खेले जाएंगे और फाइनल मैच क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा। जी,हां। इस विश्वकप में डीआरएस का इस्तेमाल किया जाएगा। यह दूसरा मौका होगा कि जब महिला वनडे विश्वकप में डीआरएस का इस्तेमाल किया जाएगा। हर टीम को प्रत्येक पारी के दौरान सिर्फ दो ही डीआरएस मिल सकते हैं।

गुजरात विधानसभा के बजट सत्र की शुरुआत, पहले ही दिन कांग्रेस ने किया जमकर हंगामा

अहमदाबाद। गुजरात विधानसभा के बजट सत्र की आज से शुरूआत हो गई है और सत्र के पहले ही दिन कांग्रेस ने विभिन्न मुद्दों को लेकर सदन में जमकर हंगामा किया। विधानसभा में राज्यपाल का अभिभाषण शुरू होते ही कांग्रेस सदस्यों ने सरकार पर आरोपों की बौछार करते हुए हंगामा शुरू कर दिया। कांग्रेस के कई सदस्य अपनी सीट छोड़ सदन के बीचों बीच पहुंचकर हंगामा करने लगे। कानून व्यवस्था को लेकर गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी पर आरोप लगाते हुए कांग्रेसी सदस्यों ने उनके इस्तीफे की मांग की। कांग्रेस ने सदन में 'भाजपा तेरे राज में ड्रग्स माफिया का राज' जैसे नारे लगाए। कांग्रेस सदस्यों का हंगामा देखते हुए राज्यपाल आचार्य देवव्रत संक्षिप्त अभिभाषण कर सदन से रवाना हो गए। विधानसभा की कार्यवाही से पूर्व ही कांग्रेस विधायक इमरान खेडावाला ने अहमदाबाद की बंद टेक्सटाइल मिलों के संदर्भ में हाथ बेनर्स और बेनर के साथ सदन में पहुंचे। उन्होंने कहा कि एक समय था, जब टेक्सटाइल मिलों के कारण अहमदाबाद मान्चेस्टर माना जाता था। लेकिन प्रदूषण के कारण मिलें बंद करवाने से अहमदाबाद के भव्य भूतकाल नष्ट हो गया और कामगार बेरोजगार हो गए। खेडावाला ने मांग की है कि सरकार इस संदर्भ में ठोस कानून बनाए और जिन मिलों के पास लाइसंस नहीं है, उनके लिए समय मर्यादा तय कर कामगारों को रोजगार मिले ऐसे प्रयास करे। बता दें कि राज्य के वित्त मंत्री कनु देसाई गुरुवार को अपना पहला बजट पेश करेंगे। मौजूदा सत्र में 8 शनिवार-रविवार और 18 मार्च को होली समेत 9 अवकाश छोड़ 22 सदन की कार्यवारी होगी। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल सरकार का यह पहला बजट है और इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय, सशक्तिकरण और कृषि ग्रांट में इजाफा किया जा सकता है। खासकर आगामी विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार लोगों के लिए कल्याणकारी योजनाओं से भरपूर बजट पेश करती है। सरकारी योजनाओं में लाभार्थियों के लिए आय मर्यादा भी बढ़ाए जाने की उम्मीद है। बजट सत्र के दौरान राज्य सरकार द्वारा नए और संशोधन विधेयक पेश किए जाने की संभावना है। जिसमें लैंड ग्रेबिंग संशोधन विधेयक, नया कृषि यूनिवर्सिटी, विधेयक, ऑनलाइन जुआ जैसी गैम पर नियंत्रण विधेयक, मॉल-सिनेमा जैसे सार्वजनिक स्थलों पर सीसीटीवी के एक्सेस को मंजूरी देने वाला विधेयक, आवारा पशुओं पर नियंत्रण संबंधी विधेयक और अशांत क्षेत्र धारा संशोधन विधेयक शामिल हैं।

युवक ने दो नाबालिग लड़कियों के साथ किया दुष्कर्म, तीन आरोपी गिरफ्तार

देवभूमि द्वारका। जामखंभालिय में एक युवक द्वारा दो नाबालिग लड़कियों के साथ दुष्कर्म किए जाने की घटना सामने आई है। युवक की हवस का शिकार हुई दोनों लड़कियां सगी बहनें हैं। इस मामले में पुलिस ने युवक समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरू की है। जानकारी के मुताबिक देवभूमि द्वारका जिले के जामखंभालिया में रहनेवाले करीब 17 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ निकेश चंदू प्रजापति नामक युवक ने बहला-फुसलाकर दोस्ती की। बाद में उसे अलग अलग जगहों पर ले जाकर उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। जनवरी से शुरू हुए इस सिलसिले के अंतर्गत गत 27 फरवरी को निकेश ने लड़की से कहा कि वह अपना प्रेग्नन्सी टेस्ट करवा ले। जिसके बाद लड़की अपनी 14 वर्षीय सगी बहन को लेकर युवक के बताए स्थल पर पहुंच गई। जहां निकेश ने पीड़ित की छोटी बहन को अलग कमरे में बुलाया। लेकिन बड़ी बहन ने छोटी बहन को अकेले कमरे में भेजने से इंकार कर दिया। जिसके बाद निकेश प्रजापति के साथ आए आशीष आहिर और महेश चावडा ने बड़ी बहन के हाथ-पैर दुपट्टे से बांध दिया और चाकू दिखाकर धमकी दी कि अगर उसने शोर मचाया तो जान से मार देंगे। बाद में निकेश ने पीड़ित की छोटी बहन के साथ दुष्कर्म किया। दो नाबालिग लड़कियों के पिता की शिकायत के आधार पर खंभालिया पुलिस ने आरोपी निकेश प्रजापति समेत उसकी मदद करनेवाले आशीष आहिर और महेश चावडा को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की है।

युक्रेन से वापस आए सूरत के विद्यार्थियों और उनके परिवार से अधिकारियों ने की मुलाकात

सूरत। यूक्रेन के युद्ध ग्रस्त विचारों में फंसे हुए भारत के और अन्य राज्यों सहित गुजरात के विद्यार्थियों को एयर इंडिया की खास फ्लाइट द्वारा किसी तरह वापस लाया गया। जिसमें सूरत के 6 विद्यार्थियों को खास वाहन से सूरत लाया गया विद्यार्थियों से पुन: मिलन होते ही माता-पिता ने चैन की सांस ली। ऐसे में 2 मार्च को स्टैंप ड्यूटी विभाग के कलेक्टर श्री आर.बी. भोगायता साथ ही अड़ाजन के मामलतदार कल्पना आर. पटेल, नायब मामलतदार कल्पना जगताप, तथा स्टैंप ड्यूटी क्लर्क नयन वी. वाघेला ने विद्यार्थियों के घर जाकर मुलाकात की और उनसे इस विकट परिस्थिति में यूक्रेन से भारत आने की यात्रा के बारे में जानकारी ली।

नायब कलेक्टर श्री आरबी भोगायता ने बताया कि,ज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार के विदेश मंत्रालय और उड्डयन मंत्रालय के लगातार संपर्क में रहकर यूक्रेन से भारत के नागरिक और विद्यार्थियों को अपने देश वापस लाने का कठिन कार्य चल रहा है ऐसे में सूरत की 5 लड़की और एक लड़का सहित 6 विद्यार्थी पिछले रविवार को वापस आए। इसके उपरांत सरकार अन्य विद्यार्थियों को जल्द से जल्द सही सलामत भारत वापस लाने की कार्य में जुटी हुई है ऐसा बताते हुए उन्होंने यूक्रेन में फंसे हुए विद्यार्थियों के अभिभावकों से सरकार के रेस्क्यू अभियान पर विश्वास रखने का अनुरोध किया।

गुजरात के एक शहर और 8 जिलों में कोरोना का एक भी एक्टिव केस नहीं

अहमदाबाद। गुजरात में कोरोना अंतिम सांसे गिनने लगा है। बुधवार को राज्यभर में कोरोना के 116 नए केस सामने आए, वहीं 334 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज कर दिया। जबकि 1 मरीज की कोरोना से मौत हो गई। राज्य के 8 जिले और 1 कॉर्पोरेशन में कोरोना का एक भी एक्टिव केस नहीं है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में कोरोना के सबसे अधिक 47 नए मामले सामने आए। वहीं वडोदरा कॉर्पोरेशन में 17 और वडोदरा में 9 केस दर्ज हुए हैं। आणंद, बनासकांठा, कच्छ और सूरत में 4-4, दाहोद, गांधीनगर कॉर्पोरेशन और खेडा में 3-3, महीसागर, मेहसाणा, पाटन, राजकोट कॉर्पोरेशन और सुरेन्द्रनगर में 2-2, छोटाउदेपुर, मोरबी, नवसारी, पंचमहल, राजकोट, साबरकांठा, सूरत कॉर्पोरेशन और तापी में 1-1 समेत 116 नए केस पिछले 24 घंटों में दर्ज हुए हैं। अहमदाबाद, अमरेली, अरवल्ली, भरुच, भावनगर, भावनगर कॉर्पोरेशन, बोटाद, डांग, देवभूमि द्वारका, गांधीनगर, गिर सोमनाथ, जामनगर, जामनगर कॉर्पोरेशन, जूनागढ़, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन, नर्मदा, पोरबंदर और वलसाड में कोरोना का एक भी केस पिछले 24 घंटों में दर्ज नहीं हुआ। राज्य के अरवल्ली, बोटाद, देवभूमि द्वारका, जामनगर, जूनागढ़, नर्मदा, पोरबंदर, वलसाड समेत 8 जिले और जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में कोरोना का एक भी एक्टिव केस नहीं है। पिछले 24 घंटों में 334 लोगों को डिस्चार्ज करने के साथ ही राज्य में एक्टिव केसों की संख्या 1428 रह गई है, जिसमें 1414 स्टेबल हैं और 14 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। राज्य में अब तक 1210545 लोग कोरोना को मात देकर से स्वस्थ हो चुके हैं जबकि 10933 मरीजों की मौत हो चुकी है। बुधवार को राज्य में 79461 नागरिकों का टीकाकरण किया गया। जिसमें 16 हेल्थ केयर वर्कर और फ्रंट लाइन वर्कर को पहला और 15 को कोविड का दूसरा डोज दिया गया। 45 वर्ष से अधिक आयु के 1300 लोगों को पहला और 4678 लोगों को दूसरा टीका लगाया गया। 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के 5659 को पहला और 26106 नागरिकों को दूसरा डोज दिया गया। 15 से 18 वर्षीय 1222 किशोरों को पहली और 29185 को कोविड की दूसरी वैक्सीन लगाई गई। जबकि 10680 नागरिकों को प्रीकॉशन डोज दिया गया। राज्य में अब तक 1030948 26 नागरिकों को वैक्सीनेट किया जा चुका है।

कोवेस्ट्रो के लिए 2021 का शक्तिशाली वर्ष

कोवेस्ट्रो के लिए वित्तीय वर्ष 2021 एक सफल वर्ष रहा। समूह को मजबूत वैश्विक माँग और उत्साहजनक आय से पूरे वर्ष में लाभ प्राप्त हुआ। विक्रय की गयी मूल मात्रा में वर्ष में 10 प्रतिशत वर्ष के हिसाब से वृद्धि हुई, जो मुख्यत: डीएसएम से अधिग्रहण किये गये रेसिन और फ़ंक्शनल सामग्री (आरएफ़एम) के व्यवसाय के कारण रही। विशेष तौर पर, अधिक माँग के आधार पर बिक्री की मूल्यों में वृद्धि का निष्कर्ष यह निकला कि समूह की बक्रि 48.5 प्रतिशत तक बढ़कर 15.9 बिलियन यूरो पहुँच गयी (जो पिछले वर्ष थी 10.7 बिलियन यूरो) ङ्क जो कोवेस्ट्रो के अब तक के इतिहास में सर्वोच्च है।

सार भर में ईबीआईटीडीए दो गुने से अधिक हो गया और वित्तीय वर्ष 2021 में यह 3.1 बिलियन यूरो हो गया (पिछले साल यह 1.5 बिलियन यूरो था), जो विशेष रूप से बहुत ज़्यादा लाभ के कारण हुआ। शुद्ध आय पिछले साल की आय से तीन गुने से अधिक बढ़कर 1.6 बिलियन यूरो हो गयी (पिछले साल 459 मिलियन यूरो थी), जबकि मुक्त संचालय नकदी प्रवाह (एफ़ओसीएफ़) 1.4 बिलियन यूरो था और इस तरह पिछले साल के आँकड़े से 530 मिलियन यूरो की वृद्धि हुई। नियोजित पूँजी पर रिटर्न (आरओसीई) 19.5 प्रतिशत तक बढ़ गयी (जो पिछले साल 7.0 प्रतिशत) थी।

"पिछले वर्ष हमने चक्रीय अर्थव्यवस्था की तरफ़ सफ़ल क़दम बढ़ाये। वित्तीय वर्ष 2021 में हमारे बेहतरीन परिणाम ने एक बार फ़िर से इस तरफ़ ज़ोर दिया कि हम अपने नये रणनीतिक ढाँचे के साथ सही दिशा में बढ़ रहे हैं," कोवेस्ट्रो के सीईओ डॉ मार्कस स्टीलमैन ने कहा। "अब हम अपना अगला क़दम हमारे लाभप्रद और वातावरण पर प्रभाव न डालने वाले भविष्य की ओर बढ़ा रहे हैं। कुल मिलाकर, एक बात स्पष्ट है- हमारे उत्पादों के बिना,1.5 डिग्री लक्ष्य के पेरिस समझौते पर नहीं पहुँचा जा सकता।"

आदर्श स्थिति में मौजूदगी: नयी रणनीति और समूह संरचना, आरएफ़एम का सफल एकीकरण

फरवरी 2021 में अपनी नयी रणनीति "टिकाऊ भविष्य" पेश करने के बाद, कोवेस्ट्रो ने वित्तीय वर्ष के दौरान इसे लागू करने में महत्वपूर्ण मील के पत्थर हासिल किये। इस रणनीति के मूल में ग्राहक पर केन्द्रित होना और टिकाऊ विकास है। इसी के एक भाग के रूप में, समूह ने जुलाई 2021 में अपनी संस्था का पुनर्गठन किया और अपने व्यवसायों को व्यक्तिगत बाजारों की आवश्यकताओं पर तथा ग्राहकों की जरूरतों पर और भी अधिक केंद्रित किया। कोवेस्ट्रो तब से दो रिपोर्ट करने योग्य हिस्सों परफ़ॉर्मेंस मैटेरियल और सॉल्यूशन एण्ड स्पेशिलिटीज में विभाजित हो गया है। सॉल्यूशन एण्ड स्पेशिलिटीज वाले हिस्से में डीएसएम से अधिग्रहित रेजिन और फ़ंक्शनल सामग्री व्यवसाय का एकीकरण सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहा है।

पश्चिम रेलवे ने फरवरी, 2022 में माल लदान में 7.25 मिलियन टन की उपलब्धि हासिल की

अहमदाबाद । पश्चिम रेलवे ने अपने राजस्व को बढ़ाने के लिए सर्वोत्तम संभव प्रयास किए हैं और इसकी गति को बनाए रखना जारी रखा है। कोविड-19 महामारी से उत्पन्न सबसे कठिन चुनौतियों के बावजूद पश्चिम रेलवे ने असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन किया। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए पश्चिम रेलवे ने फरवरी, 2022 में 7.25 मिलियन टन माल लदान हासिल किया। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, फरवरी, 2022 में 7.25 मिलियन टन का लदान हासिल किया गया, जो पिछले वर्ष के इसी महीने में 6.63 मिलियन टन की तुलना में 9.4% अधिक है। उल्लेखनीय है कि यह उपलब्धि पिछले 7 वर्षों में फरवरी महीने के लिए अब तक की सबसे अच्छी लोडिंग करके मिली है। पिछला सर्वश्रेष्ठ माल लदान फरवरी, 2015 में 7.00 मिलियन टन था। पश्चिम रेलवे ने फरवरी, 2022 में प्रति दिन 5096 वैगन लोड किए जो कि फरवरी, 2021 में प्रतिदिन 4771 वैगनों की तुलना में 6.8% अधिक है। 1 अप्रैल, 2021 से 28 फरवरी, 2022 की अवधि में पश्चिम रेलवे ने 79.62 मिलियन टन माल लदान किया है जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 73.37 मिलियन टन की तुलना में 8.5% अधिक है। इसके परिणामस्वरूप फरवरी, 2022 के महीने में 9839 करोड़ रुपये से अधिक का कुल माल राजस्व प्राप्त हुआ है। पश्चिम रेलवे ने नमक (390 वैगन/दिन) और पीयू रिलीज (4726 वैगन/प्रतिदिन) में अब तक की सर्वश्रेष्ठ लोडिंग हासिल की है एवं फरवरी, 2022 में उच्चतम BOXN रिलीज़ (प्रतिदिन 26.9 रेक) भी हासिल किया। ठाकुर ने आगे बताया कि नीतियों में बदलाव और विभिन्न क्षेत्रों में पश्चिम रेलवे द्वारा आक्रामक विपणन प्रयासों से राजस्व में निरंतर वृद्धि हुई है। 1 अप्रैल, 2021 से 14 फरवरी, 2022 की अवधि के दौरान पश्चिम रेलवे ने अपनी 794 पार्सल विशेष ट्रेनों के माध्यम से 3.06 लाख टन से अधिक वजन वाली वस्तुओं का परिवहन किया है, जिनमें कृषि उत्पाद, दवाएं, चिकित्सा उपकरण, मछली, दूध आदि मुख्य रूप से शामिल हैं। इस परिवहन के माध्यम से लगभग 109 करोड़ रुपये राजस्व प्राप्त किये गये। पश्चिम रेलवे द्वारा 1.20 लाख टन से अधिक भार और वैगनों के 100% उपयोग के साथ 168 दुग्ध विशेष ट्रेनें चलाई गईं। इसी तरह अत्यावश्यक वस्तुओं के परिवहन के लिए 35,000 टन से अधिक भार वाली 173 कोविड-19 विशेष पार्सल ट्रेनें भी चलाई गईं। इसके अलावा लगभग 1.02 लाख टन माल परिवहन हेतु 276 इंडेंटेड रेक भी 100% उपयोग के साथ चलाए गए। किसानों को उनकी उपज के लिए नए बाजार खोजने में मदद करने तथा इसके किफायती और तेज परिवहन के लिए विभिन्न मंडलों से इस अवधि के दौरान 48,700 टन से अधिक भार वाली 177 किसान रेलें भी चलाई गई हैं।

नेस्ले ने भारत मैगी स्पाइस प्लान के माध्यम से भारत में मसाला किसानों की और भी मदद करने का संकल्प लिया

मसालों और जड़ी-बूटियों में किसी भी व्यंजन को स्वादिष्ट भोजन में बदलने और सरलतम तैयारी में भी जान फूंकने की शक्ति होती है। नेस्ले के उत्पाद पोर्टफोलियो में मसाले महत्वपूर्ण हैं और कई उत्पादों, विशेष रूप से मैगी में उपयोग किए जाते हैं। मसाला किसानों की आर्थिक स्थिरता में सुधार करने में मदद करने के लिए, नेस्ले मैगी ने मसालों के लिए एक सक्षम सोर्सिंग कार्यक्रम लागू किया है। ट्रेसबिलिटी और जिम्मेदार सोर्सिंग के आधार पर बनाए गए कार्यक्रम का लक्ष्य आपात स्थिति में पारदर्शिता सुनिश्चित करना और कृषक समुदायों को इसकी मसाला आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करना है। पर्यावरण और व्यापार पर प्रगतिशील सकारात्मक प्रभाव डालना। मैगी मसाला योजना की मध्यस्थता के प्रमुख क्षेत्र- उत्कृष्ट मिट्टी के स्वास्थ्य को बनाए रखता है, पानी की बर्बादी को कम करता है, कीटनाशक अवशेषों को नहीं, बुवाई का अर्थशास्त्र और मसालों की खेती जैव विविधता में सुधार सुनिश्चित करती है।

कार्यक्रम के पीछे के विचार पर बोलते हुए, नेस्ले - इंडिया के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री सुरेश नारायण ने कहा कि मसाले भारत के लिए, भारतीयों के लिए और इसलिए मैगी पोर्टफोलियो के लिए महत्वपूर्ण हैं। नेस्ले इंडिया में हम हमेशा अपने हितधारकों के लिए मूल्य निर्माण करने का लक्ष्य रखते हैं, जिसमें वे समुदाय भी शामिल हैं जहां हम काम करते हैं। कार्यक्रम तीन पहलुओं से बना है, जिसमें पृथ्वी, लोग और लाभ (किसानों के लिए) शामिल हैं। इसके माध्यम से हम मसाला किसानों को सर्वोत्तम कृषि पद्धतियों को दिखाकर उनकी आजीविका में योगदान देना चाहते हैं और उनके लिए सुरक्षित रहने और काम करने की स्थिति सुनिश्चित करते हुए उत्कृष्ट उत्पाद विकसित करने में उनकी मदद करना चाहते हैं।

पहला फाउंडेशन मिर्च, हल्दी, धनिया, जीरा, सौंफ, मेथी जायफल सहित सात मसालों का पता लगाने पर केंद्रित है, जिनका उपयोग मैगी के उत्पादों में किया जाता है। मसाला खाद्य श्रृंखला में, खाद्य ट्रेसबिलिटी यह स्थापित करने के लिए महत्वपूर्ण है कि मसाले कीटनाशकों, योजक और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से मुक्त हैं। परियोजनाओं ने 2020 में आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, राजस्थान और गुजरात सहित 39 गांवों और 7 राज्यों में फैले लगभग 1300 किसानों के जीवन को छुआ है और 2022 के अंत तक लगभग 15त्न बढ़ने की उम्मीद है। जिम्मेदार सोर्सिंग की दूसरी नींव को चार क्षेत्रों को संबोधित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें लचीला आजीविका सुनिश्चित करना, जैव विविधता वाले किसानों के लिए सुरक्षित रहने और काम करने की स्थिति और पर्यावरण की दृष्टि से व्यवहार्य खेती का रखरखाव शामिल है।

हमारी साझेदारी और पिछले कुछ वर्षों में मसाला किसानों में हमने जो विश्वास बनाया है, उसने नेस्ले - इंडिया को अन्य कृषि-वस्तुओं के साथ-साथ जहां हम शामिल हैं, ऐसे प्रयासों को दोहराने की संभावना देखने के लिए प्रेरित किया है।

लोनटेप ने नए डिजिटल लैंडिंग मॉडल के लिए अर्का फिनकैप लिमिटेड और मास फाइनेंशियल सर्विसेज के साथ साझेदारी की घोषणा की

सूरत। अग्रणी फिनटेक डिजिटल लेंडिंग प्लेटफॉर्म, लोंटेप का लक्ष्य अपने वित्तीय वर्ष 2022 को जल्द से जल्द समाप्त करना है क्योंकि यह गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) - अर्का फिनकैप लिमिटेड (अर्का) के साथ एक व्यावसायिक साझेदारी की घोषणा करता है। इसके अलावा, लोनट-ेप ने MSME खंड के लिए पेरोल और सह-उधार मॉडल में RBI पंजीकृत NBFC, मास फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (MAS) के साथ भागीदारी की है।

साझेदारी से लोनटेप को अपनी तकनीक और त्वरित प्रक्रियाओं का उपयोग करने में मदद मिलेगी ताकि बड़े ग्राहक आधार तक पहुंच सकें और इस साझेदारी के माध्यम से ऋण वितरित करने में मदद मिल सके।

आशीष जैन, सीएफओ कहते हैं, "लोनटेप अपनी स्थापना के समय से ही भारत में 100त्न डिजिटल समावेशन हासिल करने में सबसे आगे रहा है और इसे साकार करने के लिए सक्रियता से पहल कर रहा है। ये सहयोग इसके मिशन के लिए प्रशंसापत्र हैं क्योंकि यह साझेदारी लोंटेप को एक बड़े ग्राहक आधार तक पहुंचने में सक्षम बनाती है और इससे ग्राहकों को लोनटेप के बहुमुखी वित्तीय उत्पादों और सेवाओं तक पहुंच प्राप्त करने में मदद मिलेगी। इन घोषणाओं के साथ, लोनटेप का अपना एनबीएफसी प्लेटफॉर्म और छह सह-लैंडिंग साझेदारियां होंगी।

लोनटेप मिलेनियल्स और युवा वर्किंग पेशेवरों के लिए ऋण को भी कवर करेगा और हाल ही में एक सीमित क्रेडिट कार्ड पेश किया है। गौतम शिन्हा, सीनियर वीपी टेक्नोलॉजी, ने कहा, "लोनटेप का टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म 'एलटी-फ्लो' उधारदाताओं को संसाधनों, शेयर जोखिम (सह-वित्तपोषण), अंडरराइटिंग, प्लग-इन-कैपिटल और ऋणों का प्रबंधन करने में सक्षम बनाता है। एलटी फ्लो की मदद से, संगठन आसानी से डिजिटल केवाईसी, एनएसीएच शुरू कर सकते हैं और एआई संचालित क्रेडिट निर्णयों के साथ अनुबंध कर सकते हैं। ताकि यह निर्बाध रूप से एंड-टू-एंड डिजिटल लैंडिंग का संचालन कर सके। विलय उस दिशा में एक अतिरिक्त कदम है जिस दिशा में हम वित्तीय समावेशन का लक्ष्य बना रहे हैं।"

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)